{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 08 मई 2026
वैशाख कृष्ण 07 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 223
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 77,844.52
निफ्टी - 24,326.65
सोना - 1,53,000
चांदी - 2,70,000
डॉलर - 94.34

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

ममता के इस्तीफे से इनकार के बीच पश्चिम बंगाल विधानसभा भंग, नई सरकार गठन का रास्ता साफ

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में चुनाव परिणामों के बाद नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिल रहा है। विधानसभा चुनाव में करारी हार के बावजूद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पद छोड़ने से साफ इनकार कर दिया है। इसी बीच विधानसभा का निर्धारित कार्यकाल पूरा होने पर राज्यपाल ने संवैधानिक प्रावधानों के तहत विधानसभा को भंग कर दिया, जिससे नई सरकार के गठन का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो गया है।

राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल सात मई की मध्यरात्रि को समाप्त हो गया। संविधान के अनुच्छेद एक सौ बहत्तर के अनुसार कार्यकाल पूरा होते ही सदन स्वत: समाप्त माना जाता है। इसके साथ ही अब राज्यपाल नई सरकार के गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकते हैं।

हालिया चुनाव परिणामों में बीजेपी ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए दो सौ सात सीटों पर जीत दर्ज कर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस को बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। चुनावी नतीजों के बाद ममता बनर्जी ने परिणामों को जनादेश मानने से इनकार करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं।

ममता बनर्जी ने कहा कि वह चुनाव नहीं हारीं, बल्कि उन्हें हराया गया है। उन्होंने पद छोड़ने से इनकार करते हुए इसे एक सुनियोजित साजिश बताया और कहा कि उनकी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों को एकजुट करने और जनता के बीच जाकर संघर्ष जारी रखने का ऐलान किया है।

बंगाल में बीजेपी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में 4,000 पुलिसकर्मी होंगे तैनात

कोलकाता स्थित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पश्चिम बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए करीब 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार का शपथग्रहण समारोह 9 मई को आयोजित किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए इस मैदान को प्रभावी भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए करीब 30 सेक्टरों में बांटा गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि ब्रिगेड परेड ग्राउंड और आसपास के इलाकों में करीब 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। प्रत्येक सेक्टर की निगरानी पुलिस उपायुक्त या सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी करेंगे। अधिकारी ने बताया कि जरूरत पड़ने पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की भी तैनाती की जा सकती है। कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार में वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को एक उच्चस्तरीय बैठक कर इस कार्यक्रम की सुरक्षा रूपरेखा को अंतिम रूप दिया। समारोह में भारी भीड़ जुटने की संभावना है। प्रवेश द्वारों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे, जबकि पूरे स्थल की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी।

अधिकारी ने बताया कि व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं कि मैदान के अंदर कोई प्रतिबंधित या खतरनाक वस्तु न लाई जा सके। आसपास की इमारतों की छतों से भी निगरानी की जाएगी। पुलिस ने बताया कि यातायात जाम से बचने के लिए शनिवार को इलाके में यातायात प्रतिबंध लागू किए जा सकते हैं और मार्ग परिवर्तन भी किया जा सकता है।

खास खबर

शशि शेखर वेम्पति बने सेंसर बोर्ड के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने फिल्म प्रमाणन और सेंसरशिप की प्रक्रिया को नई दिशा देने के उद्देश्य से एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने आधिकारिक घोषणा करते हुए केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की कमान शशि शेखर वेम्पति को सौंप दी है। वेम्पति अगले तीन वर्षों तक इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। फिल्म जगत और मीडिया गलियारों में इस नियुक्ति को लेकर काफी सकारात्मक हलचल है, क्योंकि सेंसर बोर्ड फिल्मों की सामग्री और उनकी सार्वजनिक रिलीज को लेकर देश की सबसे प्रभावशाली संस्थाओं में से एक है। यह नियुक्ति प्रसिद्ध गीतकार और लेखक प्रसून जोशी के इस्तीफे के बाद हुई है। दरअसल, प्रसून जोशी को अब प्रसार भारती का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है, जिसके कारण उन्होंने सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष पद से अपनी जिम्मेदारी छोड़ दी थी। उनके कार्यकाल के दौरान बोर्ड ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए और कुछ विवादों का भी सामना किया।

हंस ट्रेवल्स रायपुर तीन बोरा नोट जप्त

रायपुर । पश्चिम बंगाल से दिल्ली जा रहे एक पार्सल से करीब 16 लाख रुपये नकद मिलने के बाद छत्तीसगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन बोरों में बरामद16 लाख की रकम को जब्त कर लिया है। जांच के दौरान पुलिस को पार्सल संदिग्ध लगा, जिसके बाद उसे खोलने पर 16 लाख रुपए के नोट बरामद हुए। प्रारंभिक जांच में सामने आया, पश्चिम बंगाल से पार्सल मे कोरियर के माध्यम से दिल्ली भेजा जा रहा था। पुलिस ने पार्सल के दस्तावेजों और भेजने वाले की जानकारी खंगालनी शुरू कर दी है। अभी तक इस रकम पर दावा करने कोई सामने नहीं आया है। पुलिस को आशंका है, हवाला या अवैध लेनदेन से जुड़ा मामला हो सकता है। मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा और आयकर विभाग को भी सूचना दी जा रही है।

गुजरात से कांग्रेस का राज्यसभा में लगभग सफाया तय

अहमदाबाद । गुजरात विधानसभा चुनाव 2022 में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारी बहुमत हासिल किया था, जबकि कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा। उस चुनाव में कांग्रेस केवल 17 सीटें ही जीत पाई थी। इसके बाद हालात और भी खराब होते गए और कई कांग्रेस विधायकों के पार्टी छोड़ने के कारण राज्य विधानसभा में कांग्रेस की संख्या घटकर अब सिर्फ 12 रह गई है। इसी राजनीतिक समीकरण का सीधा असर आगामी राज्यसभा चुनावों पर पड़ने वाला है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए माना जा रहा है कि आने वाले राज्यसभा चुनाव के बाद गुजरात से कांग्रेस का कोई भी प्रतिनिधि उच्च सदन यानी राज्यसभा में नहीं बचेगा। यह स्थिति करीब 66 वर्षों बाद बनने जा रही है।

कुछ ना कहना

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग, बाल-बाल बचे

मुंबई । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुरुवार को उस समय बड़े हादसे से बाल-बाल बच गए, जब उनका हेलीकॉप्टर खराब मौसम और तेज आंधी-तूफान की चपेट में आ गया। यह घटना कल्याण के पास उस समय हुई, जब शिंदे मुंबई से मुर्बाड की ओर एक विवाह समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार, एकनाथ शिंदे का हेलीकॉप्टर मुंबई के महालक्ष्मी रेसकोर्स हेलीपैड से उड़ान भरकर मुर्बाड के लिए रवाना हुआ था। उड़ान के दौरान अचानक मौसम ने करवट ले ली और कल्याण क्षेत्र के आसपास तेज हवाएं, गरज-चमक और खराब दृश्यता की स्थिति बन गई। मौसम तेजी से बिगड़ता देख हेलीकॉप्टर के पायलट ने तुरंत स्थिति का आकलन किया और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ने के बजाय हेलीकॉप्टर को वापस मुंबई मोड़ने का फैसला लिया।

सूत्रों के मुताबिक, खराब विजिबिलिटी और अस्थिर हवा के कारण हेलीकॉप्टर को उड़ाना जोखिमभरा हो सकता था। ऐसे में पायलट की सतर्कता और त्वरित निर्णय से संभावित खतरे को टाल दिया गया। हेलीकॉप्टर सुरक्षित रूप से मुंबई के जुहू एयरपोर्ट पर उतारा गया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित रहे।

घटना के बाद प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई। हालांकि, बाद में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह केवल मौसम संबंधी एहतियाती निर्णय था और किसी प्रकार की तकनीकी खराबी सामने नहीं आई है। महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों से मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। कई इलाकों में तेज आंधी, बारिश और गरज-चमक की घटनाएं सामने आ रही हैं। मौसम विभाग ने भी अगले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में खराब मौसम की संभावना जताई है।

प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में सम्राट कैबिनेट का विस्तार

पटना। बिहार की राजनीति में गुरुवार को बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में किया गया। मुख्यमंत्री बनने के 22 दिन बाद हुए इस मेगा कैबिनेट विस्तार समारोह में गांधी मैदान में 30 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। समारोह को एनडीए की शक्ति और एकजुटता के प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।

सीएम सम्राट के नई कैबिनेट में बीजेपी से 15, जदयू से 13, एलजेपी (रामविलास) से 2 तथा हम और आरएलएम से एक-एक मंत्री शामिल किए गए हैं। खास बात यह रही कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने पहली बार मंत्री पद की शपथ ली। उनके अलावा दीपक प्रकाश को भी मंत्री बनाया गया, जबकि दोनों फिलहाल किसी सदन के सदस्य नहीं हैं।

मंत्रिमंडल विस्तार में जातीय और सामाजिक समीकरणों का भी विशेष ध्यान रखा गया है। नई कैबिनेट में अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) से 10, ओबीसी से 6, दलित वर्ग से 7, सवर्ण वर्ग से 9 तथा मुस्लिम समुदाय से एक मंत्री को जगह दी गई है। वहीं पांच महिला मंत्रियों को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है, जिनमें तीन मंत्री जदयू कोटे से हैं।

मंच पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन तथा जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नीतीश कुमार को अपने पास बुलाकर उनसे हाथ मिलाया। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच आत्मीयता भी देखने को मिली।

एयरपोर्ट से गांधी मैदान तक मोदी का रोड शो

शपथ ग्रहण के पहले चरण में निशांत कुमार, श्रवण कुमार, विजय सिन्हा, लेसी सिंह और दिलीप जायसवाल ने शपथ ली। समारोह के दौरान गांधी मैदान पूरी तरह राजनीतिक रंग में रंगा नजर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पटना एयरपोर्ट से गांधी मैदान तक रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में समर्थक सड़कों पर उमड़े। जगह-जगह स्वागत मंच बनाए गए थे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बीजेपी कार्यालय के बाहर हरे राम-हरे कृष्ण भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जबकि राजधानी पटना में ꠳भगवामय, अंग, बंग और कलिंग꠳ जैसे पोस्टरों ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया।

तमिलनाडु में रिसॉर्ट पॉलिटिक्स

सरकार बनाने विधायकों की खरीद-फरोख्त का डर

एआईएडीएमके ने अपने 19 और टीवीके ने भी अपने विधायकों को रिसॉर्ट में किया शिफ्ट

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति एक बार फिर अपने पुराने और चर्चित रंग में लौट आई है। विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद किसी भी दल को पूर्ण बहुमत न मिलने के कारण राज्य में रिसॉर्ट पॉलिटिक्स का दौर शुरू हो गया है। विधायकों की खरीद-फरोख्त के डर और सरकार गठन की अनिश्चितता के बीच एआईएडीएमके ने अपने 19 से ज्यादा विधायकों को पड़ोसी राज्य पुडुचेरी के एक लग्जरी रिसॉर्ट में शिफ्ट कर दिया है।

इस बीच टीवीके ने भी अपने विधायकों को मामल्लापुरम के रिसॉर्ट्स में भेज दिया है ताकि वे सब एक साथ रहें, यह कदम इस बात को दर्शाता है कि यह राजनीतिक खींचतान कितनी अहम और दांव पर लगी है। विधायकों को रिसॉर्ट्स में इकट्ठा किया जा रहा है, पर्दे के पीछे बातचीत चल रही है और बहुमत के आंकड़े अभी भी पक्के नहीं हैं। ऐसे में तमिलनाडु में सरकार बनने की स्थिति अभी भी पूरी तरह से खुली हुई है और सभी पक्ष बहुमत का जादुई आंकड़ा हासिल करने की होड़ में लगे हैं।

...के मुताबिक एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सी वी षणमुगम जो पार्टी प्रमुख एडप्पादी के पलानीस्वामी के करीबी माने जाते हैं उन्होंने द शोर त्रिशवम रिसॉर्ट में 20 से ज्यादा कमरे बुक करवाए हैं। कई विधायक पहले ही पुडुचेरी पहुंच चुके हैं, जबकि अन्य रास्ते में हैं। पार्टी की कोशिश है कि सरकार गठन को लेकर चल रही अहम बातचीत और राजनीतिक उठापटक के इस दौर में वह अपने विधायकों को एकजुट रख सके। जैसे-जैसे सरकार गठन की स्थिति स्पष्ट होती जाएगी, आने वाले दिनों में और भी कमरे बुक किए जा सकते हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब एआईएडीएमके के भीतर ही अंदरूनी कलह और उठापटक चल रही हैं। बताया जा रहा है कि विधायकों का एक धड़ा अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके को समर्थन देने के पक्ष में है। टीवीके 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, लेकिन सरकार बनाने के लिए जरूरी 118 सीटों के जादुई आंकड़े से अभी भी पीछे है। इस राजनीतिक घटनाक्रम को और भी दिलचस्प बनाते हुए, यह जानकारी मिली है कि डीएमके ने अपनी पुरानी और कट्टर प्रतिद्वंद्वी पार्टी एआईएडीएमके के साथ बैक-चैनल बातचीत शुरू कर दी है। तमिलनाडु की राजनीति में यह एक बेहद असामान्य और चौंकाने वाला घटनाक्रम माना जा रहा है। हालांकि एआईएडीएमके के सूत्रों ने इन चर्चाओं की पुष्टि की है, लेकिन दोनों पार्टियों के बीच किसी संभावित गठबंधन को लेकर अभी तक कोई स्पष्टता सामने नहीं आई है। आंकड़े अभी भी बहुत करीब हैं। डीएमके के पास 59 सीटें हैं और एआईएडीएमके के पास 47 ऐसे में किसी भी गठबंधन का महत्व बढ़ जाता है। विजय ने सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए गवर्नर राजेंद्र अर्लेकर से मुलाकात की, लेकिन उनसे 118 विधायकों के समर्थन का सबूत लेकर वापस आने को कहा।

पंजाब के सीएम के ओएसडी के करीबियों के घर ईडी का छापा, नोटो से भरे बैग नीचे फेंके

चंडीगढ़। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को पंजाब के सीएम भगवंत मान के ओएसडी के करीबी सहयोगियों के पंजाब के एसएएस नगर और चंडीगढ़ स्थित तीन ठिकानों की तलाशी ली। खरड़ स्थित एक आवासीय सोसायटी वेस्टर्न टावर्स में छापेमारी के दौरान ईडी ने दो बैग जब्त किए, जिनमें करीब 20 लाख कैश थे। इन बैगों को इमारत की नौवीं मंजिल से नीचे फेंक दिया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी के अधिकारियों ने खरड़ के पास छज्जू माजरा स्थित वेस्टर्न टावर्स के फ्लैट नंबर 906 में जांच के लिए जैसे पहुंचकर नकदी से भरे उन बैगों को अपने कब्जे में ले लिया। एक अधिकारी ने बताया कि फ्लैट में मौजूद लोगों ने तुरंत नकदी से भरे दो बैग नीचे फेंक दिए। ईडी अधिकारियों ने तत्काल उन बैगों को अपने कब्जे में ले लिया और मौके पर बिखरे हुए नोटों के बंडलों को इकट्ठा कर लिया। ईडी ने सनटेक सिटी प्रोजेक्ट के सिलसिले में मोहाली और चंडीगढ़ में 12 जगहों पर तलाशी ली है। इस मामले में अजय सहगल, एबीएस टाउनशिप्स प्राइवेट लिमिटेड, एटलस बिल्डर्स, धीर कंस्ट्रक्शंस और उनके सहयोगी शामिल हैं। इन पर जीएमएडीए से सीएलयू लाइसेंस लेने में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी करने और जनता को धोखा देकर सैकड़ों करोड़ रुपए ठगने का आरोप है।

ईडी नितिन गोहल के ठिकानों पर भी तलाशी ले रही है, क्योंकि उन पर आरोप है कि वह उन बिल्डरों की मदद कर रहे हैं जिन्होंने जीएमएडीए की फीस का भुगतान नहीं किया है और वह उनके लिए राजनीतिक संरक्षण का इंतजाम कर रहे हैं। वह सीएम मान के ओएसडी राजबीर घुमन के करीबी सहयोगी हैं। नितिन गोहल पर पंजाब सीएमओ की ओर से एक संपर्क अधिकारी के तौर पर काम करने का भी शक है।

वेणुगोपाल या चेन्निथला कौन होगा केरलम का सीएम?

नई दिल्ली। केरलम में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के 10 साल के शासन के बाद संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की सत्ता में वापसी के कुछ दिनों बाद भी, कांग्रेस नेतृत्व ने अगले मुख्यमंत्री की घोषणा नहीं की है। हालांकि, कांग्रेस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि मुख्यमंत्री पद के लिए दो वरिष्ठ नेताओं के नाम तय किए गए हैं। इन दो नामों में एक नाम अलाप्पुझा से लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल का है, जो कांग्रेस के महासचिव भी हैं। वेणुगोपाल नायर समुदाय से हैं और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के भरोसेमंद सहयोगी हैं।

63 वर्षीय वेणुगोपाल ने कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। सूत्रों ने कहा कि लेकिन उन्हें अगला मुख्यमंत्री बनाया जाएगा या नहीं, यह राहुल गांधी पर निर्भर करेगा। रमेश चेन्निथला भी अगले मुख्यमंत्री बनने के संभावित दावेदारों में शामिल हैं। वेणुगोपाल की तरह चेन्निथला भी नायर समुदाय से आते हैं। अपने राजनीतिक जीवन में चेन्निथला केरल के गृह मंत्री और विपक्ष के नेता रह चुके हैं। इसके अलावा, वे कांग्रेस की केरल इकाई के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी चेन्निथला को एक कुशल संगठनवादी माना जाता है। इसलिए, यह देखना दिलचस्प होगा कि चार बार सांसद रहे चेन्निथला को केरल का अगला मुख्यमंत्री बनाया जाता है या नहीं। कांग्रेस द्वारा रविवार तक अगले मुख्यमंत्री के संबंध में निर्णय लेने की संभावना है, क्योंकि पार्टी के नेता और विधायक एआईसीसी पर्यवेक्षकों को अपने विचार बता चुके हैं। वट्टियूरकावु से विजयी वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन ने कहा कि मैंने अपनी राय दे दी है। मुख्यमंत्री कौन होगा, इस पर फैसला रविवार तक पता चल जाएगा। हाल ही में हुए केरल विधानसभा चुनावों में यूडीएफ ने 102 सीटें जीतीं। कांग्रेस 63 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी। कांग्रेस के अलावा, गठबंधन में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल), केरल कांग्रेस (जैकब), रिवोल्यूशनरी मार्क्सिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (आरएमपीआई), जनाधिपत्य संरक्षण समिति (जेएसएस) और कुछ अन्य पार्टियां शामिल हैं।

चुनाव आयुक्त नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई शुरू हो गई है। याचिका कर्ताओं की ओर से दलील सुप्रीम कोर्ट में रखी जा रही हैं। केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कानून में चयन प्रक्रिया को लेकर चुनौती दी गई है कहा गया है यह पारदर्शी नहीं है। जो नया कानून बनाया गया है उससे इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की स्वतंत्रता प्रभावित होगी । इलेक्शन कमीशन पर सरकार का दबाव बढ़ेगा। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से कहा गया कि नियुक्ति प्रक्रिया संविधान के अनुरूप है। इसमें संतुलन बनाए रखा गया है। कोर्ट ने बचाव पक्ष की दलीलें सुनते हुए मामले की गंभीरता को स्वीकार किया है। विस्तृत सुनवाई रोजाना चलेगी। न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की निष्पक्षता लोकतंत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस मामले की सुनवाई में अब कोई ढील नहीं दी जाएगी। इस सुनवाई को संवैधानिक व्यवस्था तथा वर्तमान में चुनाव आयुक्त आयुक्त के ऊपर जिस तरह के आरोप लग रहे हैं संसद में महाभियोग प्रस्ताव विपक्ष द्वारा प्रस्तुत किया गया है ऐसे समय में यह मामला बड़ा संवेदनशील हो गया है। सरकार इस सुनवाई को टालना चाहती है लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया हैं यह मामला अत्यंत संवेदनशील और लोकतंत्र तथा नागरिक अधिकारों से जुड़ा हुआ है। इसलिए इस मामले की सुनवाई अब प्राथमिकता के अनुसार होगी।

असम को नया मुख्यमंत्री : 12 मई को पीएम मोदी की मौजूदगी में शपथ

गुवाहाटी । असम को 12 मई को अपना नया मुख्यमंत्री मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुवाहाटी के ... चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में होने वाले नए मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाले है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के केंद्रीय पर्यवेक्षक, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, नए मुख्यमंत्री के चुनाव की निगरानी के लिए 9 मई को गुवाहाटी पहुंच रहे हैं। भाजपा विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक 10 मई को गुवाहाटी में होगी, इसके बाद एनडीए की बैठक होगी। इन बैठकों में असम के अगले मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम निर्णय होगा। प्रधानमंत्री मोदी के आगामी दौरे और भव्य शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों का जायजा लेने के लिए असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने पुलिस महानिदेशक के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, आयोजन स्थल की तैयारियों, प्रोटोकॉल और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय पर गहन चर्चा हुई। समारोह में कई राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और उद्योग जगत के विशिष्ट प्रतिनिधि शामिल हो सकते है। इसके लिए उच्चतम स्तर की तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह घटनाक्रम असम के कार्यवाहक मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के इस्तीफे के बाद सामने आया है, जिन्होंने पार्टी को मिले निर्णायक चुनावी जनादेश के बाद नए मंत्रिमंडल के गठन का मार्ग प्रशस्त किया था।

पश्चिम बंगाल : शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक की गोली मारकर हत्या

ओवरटेक कर कार रोकी, 10 राउंड फायरिंग किए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनावी नतीजों के बाद भड़की हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा घटना उत्तरी 24 परगना जिले के मध्यमग्राम की है, जहां बुधवार देर रात भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी और निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस सनसनीखेज वारदात से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है और राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

जानकारी के मुताबिक, चंद्रनाथ रथ अपनी स्कॉर्पियो कार से दोहरिया इलाके से गुजर रहे थे। इसी दौरान एक कार और बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल उनका पीछा कर रही थी। हमलावरों ने बेहद सोची-समझी रणनीति के तहत पहले अपनी कार से चंद्रनाथ की गाड़ी को ओवरटेक कर उसकी गति धीमी कराई। जैसे ही कार की रफ्तार कम हुई, बाइक सवार बदमाशों ने नजदीक आकर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। चश्मदीदों और पुलिस सूत्रों के अनुसार, करीब दस राउंड गोलियां चलाई गईं। चंद्रनाथ के सीने, पेट और सिर में गोलियां लगीं, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें तत्काल निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि पोस्टमार्टम के दौरान उनके शरीर से पांच गोलियां निकाली गई हैं।

इस जानलेवा हमले में कार का ड्राइवर भी गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसका इलाज कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में चल रहा है। घटनास्थल की जांच के दौरान पुलिस को खाली खोखे और जिंदा कारतूस मिले हैं। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि हमले में किसी आधुनिक छोटे हथियार, संभवत: ऑस्ट्रिया निर्मित ग्लॉक पिस्तौल का इस्तेमाल किया गया है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही होगी। पश्चिम बंगाल के डीजीपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बताया कि एक संदिग्ध गाड़ी को जब्त किया गया है, जिसकी नंबर प्लेट से छेड़छाड़ की गई थी। पुलिस जेसोर रोड और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। भाजपा नेतृत्व ने इस घटना पर कड़ा रोष व्यक्त करते हुए इसे राजनीतिक हत्या करार दिया है।

भटेरा ओवरब्रिज निर्माण में फिर आया नया अड़ंगा

उचित मुआवजे की मांग को लेकर पीड़ित पहुचे हाईकोर्ट

दायर की याचिका, लगाई न्याय की गुहार, प्राशसनिक कार्यवाही पर जताई नाराजगी, कहा- मुआवजे को लेकर नियमो को किया जा रहा नजरअंदाज

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर में भटेरा मार्ग पर बनने वाले 38 करोड़ के रेलवे ओवरब्रिज का काम अक्टूबर 2026 तक पूर्ण किया जाना है।1313 मीटर लंबे और लगभग 8.4 मीटर चौड़े, इस रेलवे ओवरब्रिज पर रेलवे लाईन पर बनाए जाने वाले ब्रिज को छोड़कर, राज्य सरकार की सेतु एजेंसी को 38 करोड़ रूपए की लागत से 42 पिल्लर बनाना है, जिसमें अब तक केवल 8-10 पिल्लर ही बन पाए है। इस ओवर ब्रिज निर्माण की जैसे जैसे अंतिम डेटलाइन नजदीक आ रही है, वैसे वैसे रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण लिए भी आए दिनों नए-नए अड़ंगे देखे जा रहे हैं।अब ओवरब्रिज के लंबाई क्षेत्र में आने वाले रेसिडेंटल कमर्शियल भूमि वालो ने भू-अर्जन के तय किए गए मुआवजे को अपर्याप्त बताते हुए,हाईकोर्ट जबलपुर में एक याचिका दायर की है। जहां पीड़ित करीब 27 लोगो के नाम से दायर की गई इस याचिका में याचिकाकर्ताओ ने नियम के मुताबिक भूअर्जन का मुआवजा ना देने, मुआवजा वितरण में पक्षपात करने, और स्थानीय प्रशासन द्वारा मांगो को पूरा ना किए जाने सहित अन्य आरोप लगाते हुए, हाईकोर्ट में आवेदन प्रस्तुत कर, पीड़ित सभी करीब 206 लोगो को इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई है।

मुआवजा वितरण पर नही बन पा रही सहमति

भटेरा रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण को लेकर नए नए अड़ंगे सामने आ रहे हैं।जहां पहले तो स्थानीय लोगो में ओवरब्रिज निर्माण को लेकर किए गए नापजोख में काफी नाराजगी देखी गई। तो अब भू अर्जन को लेकर दिए जा रहे मुआवजे को लेकर भी लोग नाराज हैं। स्थानीयजनों का आरोप है कि नगर के वार्ड नंबर 10 को शहरी क्षेत्र बात कर शहरी क्षेत्र के हिसाब से मुआवजे का निर्धारण किया गया है, तो वही वार्ड नंबर 11 को ग्रामीण क्षेत्र बताकर ग्रामीण क्षेत्र के हिसाब से मुआवजे का निर्धारण किया जा रहा है वहीं दोनों वार्डवासियों को नियम के हिसाब से मुआवजा ना देकर काफी कम राशि का मुआवजा दिया जा रहा है। जबकि दोनों ही वार्ड नगरपालिका के अंतर्गत शहरी क्षेत्र के वार्ड हैं।बावजूद इसके भी मुआवजा वितरण प्रणाली में इन्हें शहरी और ग्रामीण वार्ड बताकर अलग-अलग मुआवजे कि दर तय की जा रही है जिसका विरोध स्थानीय पीड़ितों द्वारा समय समय पर किया गया था, जिन्होंने विरोध स्वरूप कई बार शासन प्रशासन को ज्ञापन आवेदन निवेदन के माध्यम से अवगत भी कराया था। लेकिन मुआवजे की इस मांग पर प्रशासन और पीड़ितों के बीच आपसी सहमति नहीं बन पा रही है। पीड़ितों द्वारा किए आवेदन निवेदन व ज्ञापन के बावजूद भी प्रशासनिक अधिकारियों से किसी प्रकार का सहयोग न मिलने और भूअर्जन के मुआवजे पर सहमति न बनने का आरोप लगाते हुए अब पीड़ितों ने हाई कोर्ट का रुख किया है।जहां 27 लोगो के नाम से याचिका दायर कर उन्होंने सभी पीड़ितों को इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई है।

पीड़ित कर्मशियल के हिसाब से कर रहे मुआवजे की मांग

स्थानीय लोगो ने मुआवजा दरों में भारी भिन्नता होने का आरोप लगाते हुए रेवेन्यू रिकॉर्ड के आधार पर दिए जा रहे मुआवजे को लेने से इंकार किया है। जिन्होंने उन्हें कमर्शियल के आधार पर मुआवजा देने और मुआवजा दरों के निर्धारण में एकरूप रवैया अपनाने की मांग की है। जहां उन्होंने अपनी इस मांग को लेकर गुरुवार को हाईकोर्ट जबलपुर में याचिका दायर कर कलेक्टर, भूअर्जन अधिकारी, (एसडीएम,)उप भूअर्जन अधिकारी, आदि को पार्टी बनाते हुए, भूअर्जन के इस कार्य मे उन्हें हो रहे नुकसान से बचाने और कमर्शियल के आधार पर उनके निर्माण कार्यों का बढ़ाकर मुआवजा दिए जाने के साथ साथ सन्तावना राशि का अलग से भुगतान किए जाने की गुहार लगाई है।

एक ही शहर के 2 वार्ड, एक शहरी तो दूसरा ग्रामीण कैसे ?

हाई कोर्ट जबलपुर में दायर की गई याचिका में याचिकाकर्ताओं द्वारा न केवल भूअर्जन के मुआवजे पर सवाल उठाए गए हैं बल्कि नगरी क्षेत्र के एक ही परिसर, एक ही प्रोजेक्ट और एक ही सड़क मार्ग में रहने वाले लोगों को अलग-अलग दर से मुआवजा दिए जाने के बनाए गए प्रकरणों पर आपत्ति जताई है। याचिकाकर्ताओं ने याचिका में इस बात का भी उल्लेख किया है कि भटेरा ओवरब्रिज निर्माण में आने वाली दुकान एवं मकानों को एक जैसी मुआवजा राशि वितरण नहीं की जा रही है इन राशियों में काफी पक्षपात किया जा रहा है,जहा प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा एक ही नगर के एक वार्ड नंबर 11 को ग्रामीण बताकर लगभग 1100 रुपए वर्गफिट के हिसाब से राशि का निर्धारण करने की बात कही है तो वहीं उसी नगर व उसी सड़क के दूसरे वार्ड न.10 को शहरी बताकर 2200रु वर्गफीट राशि निर्धारित करने पर सवाल उठाए है। याचिका में सवाल पूछा गया यह कहां का न्याय है जबकि दोनों वार्ड लगे हुए हैं और दोनों ही नगर पालिका क्षेत्र में आते हैं और टैक्स भी नगर पालिका को ही देते हैं तो फिर एक वार्ड के वार्ड वासी कैसे ग्रामीण के हो गए।

अक्टूबर 2026 तक बनाकर पूर्ण करना है रेलवे ओवरब्रिज

आपको बताए कि भटेरा नाके से लेकर रानी अवंती बाई बस स्टैंड चौक तक भटेरा रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण होना है।जिसकी अंतिम समय सीमा अक्टूबर 2026 तय की गई है जहां अंतिम डेट लाइन जारी होने के बाद से ही इस ओवर ब्रिज निर्माण में नए-नए अड़ंगे आए दिनों देखे जा रहे हैं।बात अगर सरकारी अनुमान की करे तो भटेरा रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के लिए, भू-अर्जन के बाद कुल 206 लोगों को 24.34 करोड़ रूपए की राशि वितरित होना है, लेकिन मुआवजे पर उठते सवाल, और आए दिनों आ रहे नए नए अड़ंगे से समयावधि में भटेरा रेलवे ओवरब्रिज का काम पूरा हो पाएगा, यह संभव नजर नहीं आ रहा है।

रेवेन्यु के आधार पर नही लेंगे मुआवजा

पीड़ितों ने दायर याचिका में हाईकोर्ट को बताया कि भटेरा रेलवे ओवरब्रिज के मार्ग पर रहवासी मकानों के अलावा व्यवसायिक प्रतिष्ठान है। बालाघाट विकास योजना में इस मार्ग को कमर्शियल घोषित किया है तो फिर रेवेन्यु आधार पर मुआवजा क्यों ?, कमर्शियल आधार पर मुआवजा प्रदान करना चाहिए।उन्होंने बताया कि रेसिडेंटल आधार पर रिक्त भूमि का 11, 400 रूपए वर्गफीट राशि तय की गई है। जबकि कमर्शियल में, रेट इससे ज्यादा है, जिसके कारण, हमें लगता है कि भू-अर्जन के बाद दिया जाने वाला मुआवजा काफी कम है। इसके अलावा भूअर्जन व उसके मुआवजे में भी नियमो का ध्यान नही रखा गया है।

एक प्रोजेक्ट एक प्रतिकर के सिद्धांत का दिया हवाला

हाईकोर्ट जबलपुर में दायर की गई उक्त याचिका में, याचिकाकर्ताओं द्वारा एक प्रोजेक्ट एक प्रतिकर सिद्धांत का पालन किए जाने की मांग की है जहां उन्होंने अपनी इस मांग को मनवाने के लिए वर्ष 2024 में पटना में आए मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत किए गए भू अर्जन और उसके मुआवजे को लेकर हाई कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश का हवाला दिया है।जिसमें उन्होंने एक प्रोजेक्ट एक प्रतिकर सिद्धांत नियम के तहत सभी को कमर्शियल, बढ़ाकर समान रूप से मुआवजा वितरित किए जाने की मांग की है। जिसके फैसले की कॉपी भी याचिकाकर्ताओं ने याचिका के साथ संलग्न कि है। जिसके आधार पर उन्होंने इस मामले में भी उन्हें इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई है।

जिला प्रशासन नही कर रहा सुनवाई, मजबूरी में जाना पड़ा हाईकोर्ट- रशीद

हाई कोर्ट जबलपुर में उक्त मामले को लेकर दायर की गई याचिका के संदर्भ में की गई चर्चा के दौरान अधिवक्ता रशिद खान ने बताया कि भटेरा ओवरब्रिज निर्माण मे शासन द्वारा अधिकृत की जाने वाली भूमि भवन दुकानों के प्रभावित स्वामियों को मुआवजे के लिए प्राप्त अस्पस्ट पत्र जिसमे यह स्पष्ट नहीं है की किस दर से मुआवजा राशि दी जा रही है व पत्र मे उल्लेखित कुल राशि मे क्या क्या समाहित है साथ ही मुआवजा राशि व्यवसायिक दर से प्रदान करने एवं बूढ़ी मौजा के सभी प्रभावितो को भटेरा मौजा की भांति सड़क के दोनों ओर सामान मुआवजा राशि दिए जाने, सभी प्रभावितो को सांत्वना राशि पृथक से सहित दुगना मुआवजा दिए जाने सम्बन्धी आवेदन सामूहिक रूप से अप्रेल माह मे भू-अर्जन अधिकारी, कलेक्टर बालाघाट,लोक निर्माण विभाग, सेतु विभाग को लिखित रूप से दिया गया था किन्तु आज दिनांक तक उस आवेदन पर कोई निराकरण नहीं हुआ, न ही सूचना दी गयी।उधर दिए गए आवेदन मे उल्लेखित बिन्दुओ के निराकरण हेतु माननीय उच्च न्यायलय जबलपुर मे याचिका प्रस्तुत की गई है। हमें पूरी उम्मीद है कि हाईकोर्ट जबलपुर से इस मामले में सभी पीड़ितों को न्याय जरूर मिलेगा।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 07 मई को जिला कार्यालय में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न राजस्व प्रकरणों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की तथा अधिकारियों

को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे, डी.पी. बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक एवं एम.आर. कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम बालाघाट गोपाल सोनी, तहसीलदार सुनील वर्मा, श्रीमती मंजुला महोबिया तथा अधीक्षक भू-अभिलेख कृष्णा नायक उपस्थित रहे। जिले के सभी एसडीएम एवं तहसीलदार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक में कलेक्टर श्री मीना फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा के दौरान किरनापुर, बालाघाट एवं लांजी तहसीलों में प्रगति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित कर शेष किसानों की फार्मर रजिस्ट्री शीघ्र पूर्ण कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी पात्र किसान फार्मर रजिस्ट्री से वंचित नहीं रहना चाहिए। नक्शा तरमीम कार्य की समीक्षा के दौरान तिरोड़ी एवं कटंगी तहसीलों की प्रगति कम पाए जाने पर कटंगी एसडीएम को विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि वे इस कार्य की नियमित समीक्षा कर प्रगति में तेजी लाएं। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि राजस्व अभिलेखों का अद्यतन होना अत्यंत आवश्यक है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। बैठक में नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा प्रकरणों एवं विभिन्न राजस्वर मदों की वसूली की भी गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशित किया कि सभी राजस्व प्रकरण अनिवार्य रूप से आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज किए जाएं। उन्होंने कहा कि अविवादित नामांतरण एवं बंटवारा प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए तथा तीन माह की निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में सभी एसडीएम को निर्देश दिए गए कि वे अपने क्षेत्र के तहसील न्यायालयों का नियमित निरीक्षण करें तथा तीन माह से अधिक समय से लंबित अविवादित बंटवारा एवं सीमांकन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर श्री मीना ने बालाघाट एसडीएम को निर्देशित किया कि भटेरा रेल ओवर ब्रिज निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि का मुआवजा वितरण शीघ्र कराया जाए, ताकि ओवर ब्रिज निर्माण कार्य में तेजी लाई जा सके और आमजन को जल्द बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध हो सके।

पिछले 1 माह से बत्ती गुल, अंधेरे में जिंदगी गुजार रहे ग्रामीण

एक माह में दो बार जल गया ट्रांसफार्मर,लांजी के ग्राम कंसुली केराटोला का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनपद क्षेत्र लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत कंसुली के वनांचल ग्राम केराटोला में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। बार-बार ट्रांसफार्मर खराब होने और समय पर सुधार नहीं होने से ग्रामीणों के साथ-साथ किसानों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जहा पिछले 1 माह से बिजली गुल रहने के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत कंसुली के ग्राम केराटोला के वार्ड क्रमांक 5 में स्थापित 25 केवी का यह ट्रांसफार्मर करीब 15 दिन पहले ही लगाया गया था।लेकिन लगने के दूसरे ही दिन यह जल गया और तब से अब तक बंद पड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर लगने से पहले भी लगभग 12 दिनों तक गांव में बिजली आपूर्ति ठप रही थी। इस प्रकार देखा जाए तो ग्राम केराटोला करीब एक माह से अंधेरे में डूबा हुआ है।बिजली न होने से जहां एक ओर आमजन को पानी, बच्चों की पढ़ाई, मोबाइल चार्जिंग सहित दैनिक कार्यों में परेशानी हो रही है, वहीं फसलों की सिंचाई ना होने से किसानों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

सूखने की कगार पर पहुची किसानों की फसल

किसानों का कहना है कि विद्युत आपूर्ति बंद होने के कारण वे अपनी रबी फसल की समय पर सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं, जिससे फसल सूखने की कगार पर पहुंच रही है। इससे किसानों में चिंता और नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों द्वारा कई बार विद्युत विभाग को सूचना देने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे विभाग के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। हालांकि विभाग के अधिकारियों द्वारा एक-दो दिन में नया ट्रांसफार्मर लगाने का आश्वासन दिया जा रहा है, लेकिन लगातार मिल रहे आश्वासनों से ग्रामीणों को अब अधिकारियों पर भरोसा भी नही है।

ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

उधर बार बार की जा रही शिकायत, व आवेदन निवेदन पर भी कोई सुनवाई ना होने से ग्रामीण परेशान है।जिन्होंने अपना आक्रोश जताते हुए,सड़क पर उतरकर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर बदलकर बिजली आपूर्ति बहाल की जाए, ताकि ग्रामीणों और किसानों को राहत मिल सके।

जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करें विभाग- सरपंच

मामले को लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान ग्राम पंचायत कंसुली सरपंच लीलाराम मानकर ने बताया कि ग्राम केराटोला में पिछले 27 दिनों से विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ठप्प है। 15 दिन पूर्व विभाग द्वारा 25 केवी का ट्रांसफार्मर तो लगाया गया मगर वह 18 घंटे भी काम नहीं कर सका और पुनः जल गया, जिसके कारण गांव फिर से अंधेरे में है। रात्रि के समय ग्राम के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत व्यवस्था बहाल नहीं होने से लोगों के दैनिक कार्यों पर भी बहुत प्रभाव पड़ रहा है। विद्युत विभाग जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करें।

2 दिन के भीतर बहाल हो जाएगी विघुत व्यवस्था- मार्को

वही मामले को लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान विद्युत विभाग, लांजी जेई ललित मार्को ने बताया कि इस संबंध में मुझे जानकारी है, हमारे द्वारा दो दिनों के भीतर ग्राम केराटोला में नया ट्रांसफार्मर लगा दिया जाएगा। 25 केवी के ट्रांसफार्मर उपलब्ध नहीं होने के कारण उसे लगाने में समस्या आई है। परंतु ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए विभाग द्वारा नये ट्रांसफार्मर की व्यवस्था कर ली गई है, जिसे आज या कल में स्थापित कर दिया जाएगा।

तथागत बुद्ध व बाबा साहब की प्रतिमा अनावरण एवं जयंती समारोह कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सेवती मे तथागत गौतम बुद्ध एवं विश्व रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा अनावरण एवं जयंती समारोह का आयोजन 8 मई 2026 दिन शुक्रवार को किया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 9 बजे धम्म ध्वजारोहण कर धम्म रैली निकाली जाएगी। तथा सामूहिक पूजा वंदना कर मंचीय कार्यक्रमो का आयोजन किया जाएगा। तत्पश्चात् भोजनदान कार्यक्रम सम्पन्न कराया जाएगा एवं रात्रि 9 बजे से नागपुर के प्रसिद्ध कव्वाल स्वप्निल मेश्राम द्वारा शानदार कव्वाली प्रस्तुत की जाएगी। इस अवसर पर आयोजक समिति से सुखराम हुमने, कैलाश मेश्राम, राजेश बोरकर, सुरेश बोरकर, कमलेश बोरकर, संतोष बोरकर, शेखर बोरकर, सचिन, सागर बोरकर, विशाल, विनय, विकेश बोरकर, रविंद्र हुमने, अशोक हुमने, आनंदराव नागवंशी, राहुल मेश्राम, प्रदीप मेश्राम, घनश्याम मेश्राम, सत्वशीला हुमने, कृष्णा मेश्राम, हर्ष मेश्राम, प्रतीक वाहने, अंश हुमने, जयशीला बोरकर, दीपमाला मेश्राम, ज्योति हुमने, छाया बोरकर, वैशाली वाहने, प्रभा बाई बोरकर, मानती बाई हुमने, निकिता, जना बाई, आरती, नैन्सी हुमने, श्रद्धा बोरकर, संगीता बाई नागवंशी, पूजा नागवंशी सहित सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने आयोजित कार्यक्रमों मे समस्त क्षेत्रवासियों से उपस्थित होकर कार्यक्रमों का आनंद लेने की अपील की है।

शपथ पत्र

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै गुरदीप सिंह नरडे आयु ३२ वर्ष पिता अमृत सिंह नरडे निवासी वार्ड नं. ११ सरदार जी का वाड़ा भटेरा चौकी तह. बालाघाट जिला बालाघाट निवासी हूं।

यह कि मेरा ड्रायविंग लायसेंस क्रमांक MP50N-2013-0013608 है जिसमें मेरा एवं मेरे पिताजी का नाम (GURDEEP NARDE) S/o (AMRIT NARDE) दर्ज है।

यह कि आधार कार्ड क्रमांक 9091 7998 4226 एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा एवं मेरे पिताजी का नाम (GURDEEP SINGH NARDE) S/o (AMRIT SINGH NARDE) दर्ज है।

यह कि मै उक्त ड्रायविंग लायसेंस में दर्ज मेरे एवं मेरे पिताजी का नाम (GURDEEP NARDE) S/o (AMRIT NARDE) को सुधारकर अपना वास्तविक एवं सही नाम (GURDEEP SINGH NARDE) S/o (AMRIT SINGH NARDE) दर्ज करवाना चाहता हूं।

यह कि उक्त ड्रायविंग लायसेंस में मेरा एवं मेरे पिता का वास्तविक एवं सही नाम (GURDEEP SINGH NARDE) S/o (AMRIT SINGH NARDE) दर्ज किया जाना उचित एवं आवश्यक होगा।

यह कि मेरे द्वारा दी गई जानकारी सत्य एवं स्वज्ञान से ही है, इसमें कोई भी तथ्य छुपाया नहीं गया है।

शपथकर्ता
गुरदीप सिंह

हीरापुर आत्महत्या के मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में भेजे गए जिला जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हीना खान आत्महत्या मामले में गिरफ्तार दोनो आरोपी अजीत बाहेश्वर और लव कुश कोहरे को बालाघाट की अदालत में पेश कर दिए । जिन्हें न्यायिक अभिरक्षा मे जिला जेल भिजवा दिया गया है । दोनों आरोपी पुलिस रिमांड पर चल रहे थे। ज्ञात होगी 27 अप्रैल 2026 को भरवेली थाना क्षेत्र के हीरापुर पुल की रेलिंग पर 50 वर्षीय बब्लू खान की बेटी हीना खान का शव सलवार-चुन्नी से लटका मिला था। पिता की रिपोर्ट पर मर्ग क्र. 12/26 धारा 194 बीएनएसएस के तहत जांच शुरू हुई।जांच में सामने आया कि आरोपी अजीत बाहेश्वर और लवकुश कोहरे नाबालिग हीना को बहला-फुसलाकर बाइक पर ले गए थे। अजीत ने हीना का शारीरिक शोषण किया और फिर उसे मोहल्ले में अकेला छोड़ दिया। जब हीना ने मुजफ्फर के मोबाइल से अजीत को फोन किया तो उसने बात करने से मना कर दिया। शारीरिक शोषण और उपेक्षा से आहत होकर हीना ने पुल की रेलिंग से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। लवकुश कोहरे पर अजीत को शारीरिक संबंध बनाने में मदद कर दुष्प्रेरण का आरोप है। लवकुश पिता गणेश कोहरे निवासी धनसुआ को 3 मई 2026 को दोपहर 1 बजे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अजीत के साथ जुर्म कबूला। उसके पास से घटना में इस्तेमाल वीवो कंपनी का मोबाइल और मोटरसाइकिल जप्त गई। लव कुश को यहां की विद्वान अदालत में पेश किया गया था जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जिला जेल भिजवा दिया गया था।घटना के बाद से फरार अजीत की तलाश में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर टीम गठित की गई थी। सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने उसे हैदराबाद से दबोच लिया। 5 मई को भरवेली पुलिस ने अजीत को बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिए। जहा से अजीत और लवकुश को पूछताछ हेतु पुलिस रिमांड पर लिया गया है। आरोपियों के विरुद्ध धारा 137(2), 107, 49 बीएनएस और 17 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया था। इसमें धारा 65(1) बीएनएस, धारा 3/4 पॉस्को एक्ट का इजाफा किया गया है। दोनों आरोपियों से पूछताछ और मौके की कार्रवाई करने के बाद 6 मई को लवकुश को न्यायालय में पेश किया गया था जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल पहुंचा दिया गया। 7 मई को भरवेली पुलिस ने अजीत बाहेश्वर को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे भी न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। इस मामले की विवेचना भरवेली थाना प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र पन्द्रों द्वारा की जा रही है।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 9425138670
ललित बाफरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

ट्रामा सेंटर के सामने फैली गंदगी बनी खतरा

नाली जाम होने से अस्पताल परिसर में भर रहा दूषित पानी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहीद शासकीय जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर के ठीक सामने स्थित कैंटीन के बाजू में बनी नाली इन दिनों गंभीर समस्या का कारण बन गई है। नाली की नियमित साफ-सफाई नहीं होने से उसमें भारी मात्रा में मलबा और गंदगी जमा हो चुकी है। जिसके कारण पानी की निकासी पूरी तरह बाधित हो गई है। परिणामस्वरूप गंदा और दूषित पानी ट्रामा सेंटर के सामने एवं अस्पताल परिसर में फैलता जा रहा है।स्थिति यह है कि नाली का पानी मुख्य मार्ग की नाली तक पहुंचने के बजाय परिसर में ही जमा हो रहा है। जिससे वहां से गुजरने वाले मरीजों, उनके परिजनों तथा अस्पताल कर्मचारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ट्रामा सेंटर जैसे संवेदनशील स्थान के सामने फैली इस गंदगी ने अस्पताल की स्वच्छता व्यवस्था पर गंभीर

प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह नाली मुख्य सड़क से जुड़ी हुई है। लेकिन लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण जल निकासी पूरी तरह रुक गई है। नाली में जमा सड़ा हुआ मलबा और गंदा पानी अब दुर्गंध फैलाने लगा है। लगातार फैल रही इस गंदगी से मच्छरों एवं संक्रमणजनित बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है।हाल ही में हुई बारिश के बाद स्थिति और भी भयावह हो गई। बारिश का पानी परिसर में भर गया और निकासी नहीं होने के कारण पूरा क्षेत्र जलमग्न जैसा दिखाई देने लगा था। ट्रामा सेंटर के सामने फैले गंदे पानी ने अस्पताल आने वाले लोगों के लिए गंभीर असुविधा और स्वास्थ्य संकट उत्पन्न कर दिया है।सबसे बड़ी समस्या यह है कि इस नाली की सफाई की जिम्मेदारी किस विभाग की है।यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। कुछ लोग इसे अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी बता रहे हैं, जबकि कुछ का कहना है कि यह कार्य नगर पालिका के अंतर्गत आता है। जिम्मेदारी तय नहीं होने के कारण समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है।स्थानीय नागरिकों और मरीजों के परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल नाली की सफाई कर जल निकासी सुचारु कराई जाए ताकि अस्पताल परिसर में फैल रही गंदगी और संभावित संक्रामक बीमारियों के खतरे को रोका जा सके।

बीएचएमएस छात्रों का भविष्य अधर में, परमानेंट रजिस्ट्रेशन नहीं होने से बढ़ी चिंता

एमएस देव मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों ने कॉलेज प्रबंधन पर लगाए गंभीर आरोप, प्रेस वार्ता कर दी आंदोलन की चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

एमएस देव मेडिकल कॉलेज के लगभग दर्जनों विद्यार्थियों ने स्थानीय मोती गार्डन में मीडिया से चर्चा करते हुए अपनी समस्या सामने रखी। छात्रों ने बताया कि उन्होंने सरदार पटेल कॉलेज से संबंधित एमएस देव मेडिकल कॉलेज से बीएचएमएस की पढ़ाई पूरी की थी, लेकिन अब परमानेंट रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाने के कारण उनका भविष्य संकट में पड़ गया है। विद्यार्थियों का कहना है कि जब वे परमानेंट रजिस्ट्रेशन कराने के लिए संबंधित विभाग में पहुंचे, तो वहां उनका रजिस्ट्रेशन नहीं किया गया। इसके बाद उन्हें जानकारी मिली कि जिस सत्र में उन्होंने पढ़ाई की थी, उस समय कॉलेज को संबंधित कोर्स की मान्यता ही प्राप्त नहीं थी। छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्होंने लाखों रुपये खर्च कर यह कोर्स किया, लेकिन अब उन्हें अपने साथ धोखाधड़ी होने का एहसास हो रहा है। उनका कहना है कि कॉलेज प्रबंधन ने उन्हें सही जानकारी नहीं दी और बिना मान्यता के कोर्स संचालित किया गया। विद्यार्थियों ने बताया कि रजिस्ट्रेशन नहीं होने के कारण उनका भविष्य अधर में लटक गया है। वे न तो आगे की प्रक्रिया पूरी कर पा रहे हैं और न ही अपने करियर को लेकर कोई निर्णय ले पा रहे हैं। छात्रों ने कॉलेज प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

सरदार पटेल यूनिवर्सिटी से जुड़ा बीएससी नर्सिंग छात्राओं का मामला अभी पूरी तरह शांत भी नहीं हुआ था कि अब यूनिवर्सिटी से संबद्ध और कॉलेज के खिलाफ छात्र-छात्राओं ने मोर्चा खोल दिया है। इस बार मामला एमएस देव मेडिकल कॉलेज से बीएचएमएस की पढ़ाई कर चुके छात्र-छात्राओं से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने अपने भविष्य को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए कॉलेज प्रबंधन पर बड़ा आरोप लगाया है। 7 मई को शहर के मोती गार्डन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एकत्रित हुए और मीडिया के सामने अपनी समस्या रखी। छात्रों का आरोप है कि सरदार पटेल यूनिवर्सिटी से संबद्ध एमएस देव मेडिकल कॉलेज द्वारा वर्ष 2017-18 सत्र में बीएचएमएस का कोर्स संचालित किया गया था। इस दौरान कॉलेज ने छात्र-छात्राओं से लाखों रुपए की फीस वसूली और लगभग साढ़े सात वर्षों तक पढ़ाई करवाने के बाद उन्हें डिग्री भी प्रदान कर दी। लेकिन अब जब छात्र राष्ट्रीय होम्योपैथिक आयोग में अपना परमानेंट रजिस्ट्रेशन कराने पहुंचे, तब उन्हें बड़ा झटका लगा। छात्रों के अनुसार आयोग में उनका आवेदन तो स्वीकार कर लिया गया, लेकिन पूरी प्रक्रिया पेंडिंग में डाल दी गई। बाद में जानकारी लेने पर पता चला कि जिस सत्र 2017-18 में उन्होंने प्रवेश लिया था, उस दौरान कॉलेज को संबंधित कोर्स संचालित करने की मान्यता ही प्राप्त नहीं थी। यह जानकारी सामने आने के बाद छात्र-छात्राओं में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया है।

छात्र अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं-मनीष

मीडिया से चर्चा करते हुए छात्र मनीष बिसेन ने बताया कि उन्होंने बीएचएमएस की पढ़ाई पूरी करने में लगभग 15 से 16 लाख रुपए खर्च किए। वर्षों तक पढ़ाई करने और डिग्री लेने के बावजूद आज वे अपने भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि बिना परमानेंट रजिस्ट्रेशन के वे न तो मेडिकल प्रैक्टिस कर पा रहे हैं और न ही क्लीनिक खोलने के लिए अधिकृत हैं। वहीं सरकारी और निजी क्षेत्र की वैकेंसियों में आवेदन करने पर भी रजिस्ट्रेशन नहीं होने के कारण उन्हें पात्रता नहीं मिल रही है। छात्रों का कहना है कि कॉलेज प्रबंधन इस पूरे मामले में उनकी कोई मदद नहीं कर रहा है। जब भी वे कॉलेज प्रबंधन से चर्चा करते हैं तो केवल आश्वासन और तारीख दी जाती है। इससे छात्र अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

उस समय कोर्स संचालित करने की मान्यता नहीं थी - काजल देशमुख

छात्रा काजल देशमुख ने बताया कि वे पिछले ढाई वर्षों से अपने रजिस्ट्रेशन के लिए परेशान हैं और अलग-अलग विभागों के चक्कर काट रही हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान ही कुछ छात्रों को इस बात की जानकारी लग गई थी कि कॉलेज को संबंधित सत्र में मान्यता नहीं मिली है, लेकिन उस समय कॉलेज प्रबंधन ने आश्वासन दिया था कि सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर दी जाएंगी और छात्रों को कोई परेशानी नहीं होगी। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह उलट नजर आ रही है। काजल देशमुख ने बताया कि जब छात्र राष्ट्रीय होम्योपैथिक आयोग में रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन करते हैं तो उनका आवेदन पेंडिंग में चला जाता है। वहीं अब उन्हें यह भी जानकारी मिली है कि इस पूरे मामले को लेकर न्यायालय में भी प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि इस कारण छात्र न तो आगे की पढ़ाई कर पा रहे हैं और न ही अपने क्षेत्र में प्रैक्टिस शुरू कर पा रहे हैं। छात्र-छात्राओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक आंदोलन करेंगे। साथ ही अन्य जिलों के प्रभावित छात्रों को भी एकजुट कर बड़े स्तर पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। छात्रों का कहना है कि उन्होंने वर्षों की मेहनत और परिवार की जमा पूंजी इस पढ़ाई में लगाई थी, लेकिन अब उनका पूरा भविष्य अधर में लटक गया है।

किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मुनेंद्र ठाकरे ने दिया इस्तीफा, विधायक पर लगाए गंभीर आरोप

44 सदस्यीय कार्यकारिणी के साथ छोड़ा पद, सोशल मीडिया पर वायरल किया इस्तीफा पत्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मुनेंद्र ठाकरे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपनी 44 सदस्यीय कार्यकारिणी के साथ सामूहिक रूप से इस्तीफा सौंपते हुए कांग्रेस संगठन में हलचल पैदा कर दी है। हालांकि उनका कहना है कि फिलहाल उनका इस्तीफा मंजूर नहीं हुआ है। इस्तीफे के बाद मुनेंद्र ठाकरे ने बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ पार्टी के अंदर और बाहर लगातार साजिश की जा रही थी, जिसके चलते उन्हें यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने अपने इस्तीफा पत्र में भी विधायक और उनके समर्थकों के कारण मानसिक रूप से परेशान होने का उल्लेख किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने इस्तीफे से संबोधित पत्र को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर भी साझा कर दिया, जिसके बाद यह मामला तेजी से चर्चा में आ गया। मीडिया से चर्चा के दौरान मुनेंद्र ठाकरे ने कहा कि वे विधायक समर्थकों और कार्यकर्ताओं के व्यवहार से काफी समय से परेशान थे। संगठन के भीतर लगातार चल रही खींचतान और दबाव के चलते उन्होंने अपने साथ पूरी कार्यकारिणी के साथ इस्तीफा देने का निर्णय लिया। इस घटनाक्रम के बाद कांग्रेस संगठन में अंदरूनी मतभेद एक बार फिर खुलकर सामने आ गए हैं। वहीं राजनीतिक गलियारों में अब इस बात को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं कि पार्टी संगठन इस मामले में क्या रुख अपनाता है और इस्तीफे पर आगे क्या निर्णय लिया जाता है।

बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे की राजनीतिक मुश्किलें लगातार बढ़ती नजर आ रही हैं। बीते कुछ दिनों से विधायक से जुड़े कई विवाद सामने आ चुके हैं, जिनमें उनके निजी सहायकों पर लगे अनियमितता के आरोप, संगठन के भीतर बढ़ती नाराजगी और पार्टी पदाधिकारियों के साथ टकराव जैसे मामले प्रमुख रहे हैं। हाल ही में लालबर्रा किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष मुनेंद्र ठाकरे से जुड़ा एक ऑडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था, जिसमें कथित रूप से गाली-गलौज और विवाद की बातें सामने आई थीं। इसके अलावा विधायक प्रतिनिधि को जिला पंचायत की बैठकों से हटाए जाने का मामला भी चर्चाओं में रहा। इन लगातार बढ़ते विवादों के बीच 6 मई को स्थानीय सर्किट हाउस में कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में पार्टी संगठन के भीतर अनुशासन बनाए रखने, आपसी मतभेद खत्म करने और संगठन को मजबूत करने को लेकर चर्चा की गई थी। हालांकि सूत्रों की मानें तो बैठक के दौरान कई मुद्दों पर तीखी बहस और नोकझोंक भी हुई थी। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने संगठन में बढ़ रही गुटबाजी पर चिंता जताई थी। लेकिन बैठक के अगले ही दिन यानी 7 मई को राजनीतिक घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया। किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष मुनेंद्र ठाकरे ने सुबह करीब 11 से 12 बजे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के माध्यम से अपने पद से इस्तीफा देने की जानकारी सार्वजनिक कर दी। उन्होंने अपनी पूरी कार्यकारिणी के साथ सामूहिक इस्तीफा देने की घोषणा की, जिसके बाद कांग्रेस संगठन में हलचल तेज हो गई। दूरभाष पर चर्चा करते हुए मुनेंद्र ठाकरे ने कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जब से उन्हें किसान कांग्रेस का ब्लॉक अध्यक्ष बनाया गया था, तभी से विधायक अनुभा मुंजारे उनसे नाराज चल रही थीं। श्री ठाकरे के अनुसार लालबर्रा में आयोजित किसान सम्मेलन कार्यक्रम के बाद से मतभेद और अधिक बढ़ गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक के निजी सहायकों द्वारा उनके साथ गाली-गलौज की गई, मारपीट की धमकी दी गई और लगातार मानसिक दबाव बनाया गया। मुनेंद्र ठाकरे ने कहा कि संगठन में लगातार अपमानित महसूस करने और सही ढंग से कार्य नहीं कर पाने की स्थिति के चलते उन्होंने यह निर्णय लिया। उन्होंने प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान को संबोधित पत्र में अपनी 44 सदस्यीय कार्यकारिणी के साथ इस्तीफा सौंप दिया। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे कांग्रेस पार्टी नहीं छोड़ रहे हैं और एक कार्यकर्ता के रूप में पार्टी के लिए आगे भी काम करते रहेंगे। इस पूरे घटनाक्रम के बाद कांग्रेस संगठन में एक बार फिर अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई है। खास बात यह है कि एक दिन पहले ही जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उइके ने संगठन में अनुशासन बनाए रखने और मीडिया में बयानबाजी से बचने की नसीहत दी थी, लेकिन अगले ही दिन सामूहिक इस्तीफे का मामला सामने आने से पार्टी की अंदरूनी स्थिति पर सवाल खड़े होने लगे हैं। फिलहाल विधायक अनुभा मुंजारे की ओर से इस पूरे मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं राजनीतिक गलियारों में अब यह चर्चा तेज हो गई है कि कांग्रेस संगठन में लगातार बढ़ रही गुटबाजी और आपसी टकराव आने वाले चुनावों में पार्टी के लिए नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। अब देखना होगा कि जिला कांग्रेस नेतृत्व इन हालातों पर किस प्रकार नियंत्रण करता है और संगठन को एकजुट रखने में कितना सफल हो पाता है।

खैरलांजी युवक मौत मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा, पुलिस जल्द करेगी खुलासा

युवती के शादी वाले दिन बुलाने की चर्चा, कुछ युवकों से पुलिस कर रही पूछताछ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी निवासी युवक तरुण की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस को अहम सुराग मिले हैं और अब यह मामला लगभग सुलझता नजर आ रहा है। प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, तरुण का एक युवती के साथ प्रेम संबंध था। बताया जा रहा है कि युवती के विवाह वाले दिन ही उसने तरुण को मिलने के लिए बुलाया था। इसी दौरान युवती के भाइयों और उनके कुछ साथियों द्वारा तरुण के साथ मारपीट की गई, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस अभी पूरे मामले की आधिकारिक पुष्टि करने में जुटी हुई है। इस मामले में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा सामने आया है। उन्होंने कहा कि कुछ युवकों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है और पुलिस पूरे घटनाक्रम की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक ने यह भी कहा कि मामले में जल्द ही विस्तृत खुलासा किया जाएगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी हुई है।

जिले के रामपायली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गर्राबोड़ी के पास बुधवार सुबह एक युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। बाद में मृतक की पहचान खैरलांजी निवासी 23 वर्षीय तरुण लिल्हारे पिता टोपसिंह लिल्हारे के रूप में हुई। घटना के बाद से क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं, वहीं अब पुलिस जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा होना सामने आ रहा है। परिजनों के अनुसार तरुण लिल्हारे हर दिन की तरह मंगलवार को भी अपनी वेल्डिंग दुकान में काम कर घर लौटा था। रात करीब 10 बजे उसने घरवालों को शादी समारोह में जाने की बात कही थी, जिसके बाद वह घर से निकला लेकिन वापस नहीं लौटा। बुधवार सुबह ग्राम गर्राबोड़ी के पास उसका शव मिलने की सूचना मिली, जिससे परिवार में मातम छा गया। घटना की सूचना के बाद रामपायली थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। शुरुआती जांच और सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सामने आया है कि मृतक तरुण का एक युवती के साथ पिछले 5 से 6 वर्षों से प्रेम संबंध था। बताया जा रहा है कि दोनों के संबंधों की जानकारी दोनों परिवारों को भी थी, लेकिन युवती का विवाह कहीं और तय कर दिया गया था। सूत्रों के अनुसार युवती की शादी 5 तारीख को होना थी। इसी दौरान युवती ने कथित रूप से तरुण को मिलने के लिए बुलाया था। बताया जा रहा है कि तरुण युवती से मिलने उसके घर पहुंचा, जहां पहले से मौजूद युवती के भाइयों और उनके कुछ साथियों ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद कथित रूप से उसे वहां से अपने साथ ले जाकर घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस सूत्रों की मानें तो इस मामले में युवती के भाइयों, उसके जीजा और उनके कुछ दोस्तों सहित लगभग 10 से 12 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पुलिस सभी संदिग्धों से गहन पूछताछ कर रही है और पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी हुई है।

मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा जुआ हैं-आदित्य मिश्रा

इस पूरे मामले को लेकर जब पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। उन्होंने पुष्टि की कि पुलिस ने लगभग 10 से 12 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है और उनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मामले में जो भी व्यक्ति संलिप्त पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी संकेत दिए कि पूछताछ के दायरे में युवती के कुछ परिजन और रिश्तेदार भी शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट कहा कि हत्या जैसे गंभीर मामले में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है। वहीं इस सनसनीखेज घटना के बाद खैरलांजी और आसपास के क्षेत्रों में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। लोग अब पुलिस कार्रवाई और मामले के खुलासे का इंतजार कर रहे हैं।

भटेरा चौकी में बढ़ती यातायात अव्यवस्था, निर्माण कार्य के बीच रोज लग रहा लंबा जाम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के भटेरा चौकी वार्ड क्रमांक 2 में एक बार फिर 7 मई को दोपहर करीब 12:30 बजे लंबा जाम लग गया। अचानक बने जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों को काफी देर तक परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार, भटेरा चौकी क्षेत्र में यह स्थिति अब आम होती जा रही है। कुछ लोगों का कहना है कि ट्रेन गुजरने के दौरान फाटक बंद होने से हर दिन इस प्रकार का जाम लगता है, जबकि अन्य लोगों ने अव्यवस्थित यातायात, वन-वे व्यवस्था और चल रहे निर्माण कार्यों को इसकी मुख्य वजह बताया। लोगों का कहना है कि ट्रेन निकलने के बाद भी काफी देर तक यातायात सामान्य नहीं हो पाता, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को लंबे समय तक जाम में फंसे रहना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों ने यह भी कहा कि भटेरा चौकी क्षेत्र में लगातार बढ़ते यातायात दबाव के बावजूद ट्रैफिक व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। इसी कारण आए दिन जाम की स्थिति निर्मित हो रही है और आमजन को परेशान होना पड़ रहा है। कई लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि यहां स्थायी ट्रैफिक व्यवस्था लागू की जाए और यातायात को व्यवस्थित करने के लिए पुलिस बल की तैनाती बढ़ाई जाए, ताकि लोगों को रोजाना लगने वाले जाम से राहत मिल सके। शहर में इन दिनों भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज का कार्य तेजी से जारी है। भटेरा रोड की ओर से निर्माण कार्य शुरू होने के साथ ही प्रशासन द्वारा मार्ग को आंशिक रूप से बंद कर दिया गया है, जिसके चलते आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण कार्य के कारण कई लोगों ने अपने मकान और दुकानों को तोड़ने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है, वहीं दूसरी ओर मार्ग संकरा होने और यातायात व्यवस्था प्रभावित होने से क्षेत्र में लगातार जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। विशेष रूप से भटेरा रेलवे क्रॉसिंग और भटेरा नाके के आसपास इन दिनों भारी अव्यवस्था देखने को मिल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भटेरा क्षेत्र से शहर की ओर आने वाला यातायात पहले से ही काफी अधिक रहता है। इसके अलावा स्कूल-कॉलेजों के संचालन के चलते सुबह और दोपहर के समय इस मार्ग पर भारी ट्रैफिक का दबाव रहता है। ऐसे में निर्माण कार्य के चलते मार्ग संकरा हो जाने और यातायात का सही प्रबंधन नहीं होने से थोड़ी सी भी अव्यवस्था लंबा जाम पैदा कर देती है। आमजन का कहना है कि रेलवे फाटक बंद होने के दौरान दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं और ट्रेन गुजरने के बाद जब एक साथ यातायात शुरू होता है, तब स्थिति और अधिक बिगड़ जाती है। कई बार दोपहिया वाहन चालक, स्कूल वाहन, बसें और भारी वाहन एक साथ फंस जाते हैं, जिससे लोगों को भीषण गर्मी में लंबे समय तक सड़क पर खड़ा रहना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने मांग की है कि निर्माण कार्य पूरा होने तक इस मार्ग पर विशेष यातायात व्यवस्था लागू की जाए। लोगों का कहना है कि पहले यहां ट्रैफिक पुलिस का प्वाइंट लगाया जाता था, जिससे ट्रेन गुजरने के बाद यातायात को नियंत्रित करने में काफी मदद मिलती थी, लेकिन इन दिनों यातायात पुलिस की प्रभावी मौजूदगी नजर नहीं आ रही है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि यदि समय रहते यातायात विभाग ने इस मार्ग पर ध्यान नहीं दिया तो आने वाले दिनों में स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। लोगों ने सुझाव दिया है कि रेलवे फाटक खुलने के बाद यातायात को व्यवस्थित रूप से निकालने के लिए ट्रैफिक पुलिस की स्थायी ड्यूटी लगाई जाए, साथ ही निर्माण कार्य स्थल के आसपास बैरिकेडिंग और दिशा संकेतक भी लगाए जाएं। गौरतलब है कि शहर में इन दिनों केवल भटेरा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि बस स्टैंड, अवंती बाई चौक और अन्य प्रमुख मार्गों पर भी आए दिन जाम की स्थिति बन रही है। इसके बावजूद यातायात व्यवस्था को लेकर प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। ऐसे में आमजन ने प्रशासन और यातायात विभाग से मांग की है कि शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि लोगों को राहत मिल सके और निर्माण कार्य के दौरान यातायात सुचारु बना

लालबर्रा-टेंगनीकला मार्ग बदहाल, गड्डों में तब्दील हुई सड़क, आवागमन में हो रही परेशानी

ग्रामीण एवं राहगीरों ने प्रशासन से सड़क की मरम्मत और चौड़ीकरण की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के सिवनी मार्ग मजार से टेंगनीकला को जोड़ने वाला पहुंच मार्ग वर्तमान में अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बन जाने और मार्ग की चौड़ाई अत्यंत कम होने के कारण राहगीरों एवं ग्रामीणों को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आलम यह है कि हर समय किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नही दे रहे है। जिसके कारण इस मार्ग पर आये दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं घटित हो रही है जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीण एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से लालबर्रा से टेंगनीकला पहुंच मार्ग में बने गड्ढों का जल्द मरम्मत कार्य या फिर चौड़ीकरण कर नवीन सड़क का निर्माण करवाने की मांग की है ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

हादसों का डेंजर जोन बना मार्ग

आपकों बता दे कि लालबर्रा से टेंगनीकला पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क का निर्माण किया गया है। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण सड़क की स्थिति बदहाल हो चुकी है। वहीं सड़क विभाग के द्वारा कई बार इस सड़क का मरम्मत कार्य करवाया गया है लेकिन मरम्मत कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण कुछ ही दिनों में सड़क जस की तस हो जाती है। जबकि इस सड़क पर यातायात का दबाव भी बढ़ने लगा है। साथ ही सड़क पर दो से तीन स्थान ऐसे हैं जहां मोड़ होने के साथ-साथ सड़क की चौड़ाई बहुत कम है। इन संकरे मोड़ों पर पूर्व में भी कई छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं। वहीं खराब सड़क और मोड़ की वजह से वाहन चालकों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। इस तरह से सड़क विभाग की उदासीनता के चलते इस मार्ग से आवागमन करने वालों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के पूर्व सड़क का मरम्मत या फिर नवीन सड़क का निर्माण नही किया गया तो आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी गुणवत्ता

गौरतलब है कि कुछ वर्ष पूर्व ही सड़क विभाग द्वारा इस मार्ग का डामरीकरण किया गया था। आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया, जिसके चलते सड़क अल्प समय में ही उखड़ गई। विभाग द्वारा कई बार खानापूर्ति के नाम पर पैच वर्क (मरम्मत) तो किया गया, लेकिन घटिया निर्माण सामग्री के कारण कुछ ही दिनों में स्थिति फिर वैसी ही हो गई। यदि बरसात के पूर्व सड़क की मरम्मत या नवीन निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जायेगी।

सड़क विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है - अरूण

जनपद सदस्य प्रतिनिधि अरूणकुमार गौतम ने बताया कि लालबर्रा से टेंगनीकला पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है, जगह-जगह गड्डे बन गये है। साथ ही यह मार्ग संकरा भी है जिसके कारण आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में काफी परेशानियां होगी लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस सड़क की समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। श्री गौतम ने बताया कि इस मार्ग के कुछ स्थानों पर झाड़ियां भी है एवं दो स्थानों पर डेंजर जोन बना हुआ है जहां पूर्व में हादसे भी घटित हो चुके है और विगत माह पूर्व एक युवक की जान भी जा चुकी है। उसके बाद भी सड़क विभाग झाड़ियों की सफाई नही करवा पा रहे है। जबकि यह मार्ग सांसद के गृह ग्राम के समीप की है उसके बाद भी सड़क का खस्ताहाल हो चुका है और हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन सड़क विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है उनके द्वारा सड़क का मरम्मत हेतु कोई प्रयास नही किये जा रहे है। जिससे ऐसा लगता है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। शासन-प्रशासन से मांग है कि सड़क का गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य या फिर चौड़ीकरण कर नवीन सड़क का निर्माण करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल जाये।

इनका कहना है

आपके माध्यम से संज्ञान में आया है कि लालबर्रा से टेंगनीकला पहुंच मार्ग खराब हो चुकी है, जल्द की स्थल का निरीक्षण कर मरम्मत कार्य करवा दिया जायेगा।

माया परते
महाप्रबंधक
प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग
बालाघाट

माध्यमिक शिक्षा मंडल की द्वितीय अवसर परीक्षा शुरू

कक्षा १० वीं के ४४ विद्यार्थियों ने हल किया हिंदी का प्रथम प्रश्नपत्र, १ विद्यार्थी अनुपस्थित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के निर्देशानुसार, बोर्ड परीक्षाओं में कम अंक प्राप्त करने वाले अथवा अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने के लिए द्वितीय अवसर परीक्षा का आगाज ७ मई से हो गया है। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य उन विद्यार्थियों को एक और सुनहरा मौका प्रदान करना है जो मुख्य परीक्षा में किन्हीं कारणों से पिछड़ गये थे, ताकि वे अपने अंकों में सुधार कर शैक्षणिक सत्र बचा सकें। शिक्षा विभाग द्वारा परीक्षा के सफल संचालन हेतु पुख्ता तैयारियां की गई हैं। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय सांदीपनी (उत्कृष्ट) विद्यालय लालबर्रा को इस परीक्षा के लिए विकासखंड का मुख्य परीक्षा केंद्र बनाया गया है। केंद्र पर शासन के नियमों के अनुरूप बैठक व्यवस्था और पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। ७ मई को परीक्षा के पहले दिन कक्षा १० वीं के विद्यार्थियों के लिए हिंदी विषय का प्रश्नपत्र आयोजित किया गया। परीक्षा केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस परीक्षा में कुल दर्ज विद्यार्थी ४५ में से ४४ विद्यार्थी उपस्थित रहे, जिन्होंने हिन्दी विषय का प्रथम प्रश्नपत्र का पर्चा शांतिपूर्वक हल किया। वहीं १ विद्यार्थी अनुपस्थित रहा और यह परीक्षा पूरी तरह से शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस परीक्षा में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। परीक्षा निर्धारित समय प्रातः ९ बजे से प्रारंभ होकर दोपहर १२ बजे संपन्न हुई। वही हाई स्कूल की परीक्षा प्रारंभ होने के साथ ही अब ८ मई से कक्षा १२ वीं की द्वितीय अवसर परीक्षा भी हिन्दी प्रश्नपत्र के साथ शुरू होने जा रही है जिसमें ९ विद्यार्थी शामिल होगें। चर्चा में सहायक केन्द्राध्यक्ष के कटरे ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्देशानुसार ७ मई से कक्षा १० वीं की द्वितीय अवसर की परीक्षा शुरू हो चुकी है और प्रथम दिन ४४ विद्यार्थियों ने हिन्दी विषय का प्रथम प्रश्नपत्र का पर्चा हल किये। यह परीक्षा उन विद्यार्थियों के लिए एक वरदान है जो किसी विषय में अनुत्तीर्ण हो गये थे, हमारा प्रयास है कि हर बच्चा तनावमुक्त होकर परीक्षा दे। ८ मई से कक्षा १२ वीं की परीक्षा शुरू हो जायेगी।

अमोली में विकास कार्यों की सौगात, सीसी रोड का लोकार्पण और नवीन पानी टंकी का हुआ भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली में ७ मई को विकास की नई इबारत लिखते हुए ग्रामीणों को दो बड़ी सौगातें दी। जिसमें स्थानीय पुलिस थाने के समीप नवनिर्मित सीसी रोड का भव्य लोकार्पण किया गया, साथ ही ग्रामीणों की पेयजल समस्या के स्थायी निराकरण हेतु नवीन पानी टंकी निर्माण कार्य का विधि-विधान से भूमिपूजन संपन्न हुआ। यह सीसी रोड़ का लोकार्पण एवं नवीन पानी टंकी का भूमिपूजन कार्यक्रम सरपंच श्रीमती सुकवन समनपुरे, जनपद सदस्य प्रतिनिधि बालकरण पंचेश्वर, उपसरपंच अफसर कुरैशी, पंच तूफान गुप्ता, मनीष कुशवाहा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के प्रमुख आतिथ्य में संपन्न हुआ। नवीन पानी टंकी का निर्माण हो जाने से अमोली पंचायत क्षेत्र में जो पूर्व में पानी की समस्या बनी हुई है वह दुर हो जायेगी और इस पानी टंकी के बन जाने के बाद अमोली पंचायत के पास दो पानी टंकी हो जायेगी। ऐसी स्थिति में ग्रामीणजनों को दोनों समय पानी मिलेगा। एक साथ सीसी सड़क एवं नवीन पानी टंकी की सौगात मिलने से ग्रामीणजनों में हर्ष की लहर व्याप्त है। आपकों बता दें कि थाने पीछे वाला यह मार्ग लंबे समय से बदहाली का शिकार था। सीसी रोड न होने के कारण बारिश के दिनों में यहां की स्थिति खराब हो जाती थी। जिससे आवागमन करने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों ने इस गंभीर समस्या से ग्राम पंचायत प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को अवगत करवाया था। जनभावनाओं का सम्मान करते हुए पंचायत द्वारा त्वरित कार्यवाही की गई और गुणवत्तापूर्ण सीसी रोड का निर्माण करवाया गया। वहीं सड़क के साथ-साथ ग्रामीणों ने पंचायत के समक्ष स्वच्छ पेयजल के लिए पानी की टंकी की मांग भी रखी थी। इस समस्या के समाधान हेतु ग्राम पंचायत द्वारा नवीन पानी टंकी के प्रस्ताव को स्वीकृति दिलवाई गई और इसका भी भूमिपूजन किया गया। पंचायत प्रशासन के अनुसार शीघ्र ही निर्माण कार्य युध्द स्तर पर प्रारंभ कर दिया जायेगा। जिससे भविष्य में ग्रामीणों को घर-घर पर्याप्त जल आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, प्रबुध्द नागरिक और पंचायत कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेडक्रास स्थापना दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में रेडक्रास स्थापना दिवस के अवसर पर गुरूवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चिकित्सकों के द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों का स्वास्थ्य से संबंधित सामान्य सभी परीक्षण किया गया। शिविर का आयोजन रेडक्रास स्थापना दिवस पखवाड़ा के अन्तर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा के मार्गदर्शन में किया गया। जिसकी थीम "मानवता के लिए एकजुट" है। शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से बीएमओ डॉ. रीतु धूर्वे, डॉ. मुकेश चौहान एवं काउंसलर श्रीमती सीमा बोपचे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम रेडरिबन क्लब प्रभारी नरेश सौलाखे एवं कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती भूमेश्वरी मानेश्वर के संयोग से किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम डॉ. देवराज चौरे, डॉ. हषिकेश पटेल, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, यादोराव राजुरकर, व्यकंट नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐडे, पीतम मुरते, रामदयाल मधारे, लकेश गेडाम, प्रशिक हुमनेकर, मिनेश पंचेश्वर, कु. सोनम हरिनखेड़े, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में दो दिवसीय 'कॉलेज चलो प्रवेश मेला' आज से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने और प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से नगर मुख्यालय में स्थित शासकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय विकासखंड स्तरीय 'कॉलेज चलो प्रवेश मेला' का भव्य आयोजन ८ एवं ९ मई किया गया है। चर्चा में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा ने बताया कि नवीन शैक्षणिक सत्र २०२६-२७ के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश की प्रक्रिया १ मई से प्रारंभ हो चुकी है। ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों और अभिभावकों को प्रवेश नीति की बारीकियों से अवगत करवाने के लिए इस विशेष मेले का आयोजन किया गया है। मेले के दौरान छात्र-छात्राओं की सहायता के लिए विभिन्न डेस्क स्थापित किये जायेगें। जहां विद्यार्थियों को परामर्श एवं काउंसलिंग मेजर, माइनर और बहुसंकाय विषयों के चयन हेतु विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन, तकनीकी सहायता, ऑनलाइन फॉर्म भरने में आने वाली समस्याओं का तत्काल निराकरण, ऑन-द-स्पॉट पंजीयन-पोर्टल पर पंजीकरण की त्वरित सुविधा, छात्राओं, ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को विशेष परामर्श के साथ ही महाविद्यालय परिवार द्वारा छात्र-छात्राओं एवं पालकों को संस्थान में उपलब्ध संसाधनों और शासन की जनहितकारी योजनाओं से रूबरू करवाया जायेगा, जिनमें मुख्य रूप से स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के माध्यम से भविष्य की राह, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति एवं विद्यार्थी आवास सहायता योजना, ई-लाइब्रेरी, समृध्द पुस्तकालय, सुसज्जित व्यायाम शाला एवं विशाल खेल मैदान, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं छात्राओं के लिए सुरक्षित छात्रावास की सुविधा की जानकारी दी जायेगी। इस शिविर में अधिक से अधिक विद्यार्थियों से शामिल होने की अपील प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा एवं प्रवेश नोडल अधिकारी डॉ. देवराज चौरे सहित समस्त महाविद्यालय स्टाफ ने की है।

उमरवाड़ा मार्ग पर पुलिया बनी परेशानी राहगीरों की जान जोखिम में

पक्की सड़क के बीच में बिछा दी गिट्टी,रेलिंग विहीन पुलिया पर निकले एंगल राहगीरों के लिए बने यमराज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बांसी से उमरवाड़ा को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है। डामर की पक्की सड़क के बीचों बीच स्थित एक अधूरी और असुरक्षित पुलिया लगातार बड़ी दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रही है। विभागीय लापरवाही का आलम यह है कि वर्षों पूर्व सड़क का निर्माण तो हुआ लेकिन पुलिया के हिस्से को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया।

डामर की सड़क पुलिया पर गिट्टी का ढेर

हैरानी की बात यह है कि बांसी से उमरवाड़ा तक डामर सड़क बनी हुई है लेकिन पुलिया के १०० फीट पहले डामरीकरण रोक दिया गया है। पुलिया पार करने के १०० फीट बाद पुन: पक्की सड़क शुरू होती है। इस बीच के हिस्से में केवल गिट्टी बिछाकर छोड़ दिया गया है। मुख्य मार्ग से तेज गति से आने वाले वाहन जैसे ही अचानक इस कच्ची गिट्टी वाली जगह पर पहुँचते हैं वे अनियंत्रित हो जाते हैं। विशेष रूप से दुपहिया वाहन चालक यहाँ फिसलकर गंभीर रूप से चोटिल हो रहे हैं। पुलिया निर्माण में सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ाई गई हैं। पुलिया के ऊपर ना तो कोई सेफ्टी वॉल सुरक्षा दीवार बनाई गई है और ना ही रेलिंग लगाई गई है। पुलिया के दोनों छोर पर करीब ९ इंच से अधिक ऊँचे लोहे के नुकीले एंगल निकले हुए हैं। पुलिया इतनी संकरी है कि दो भारी वाहन एक साथ क्रॉस नहीं हो सकते। यदि क्रॉसिंग के दौरान कोई वाहन अनियंत्रित होता है तो ये निकले हुए एंगल राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं। यह मार्ग वारासिवनी मुख्यालय पहुँचने का सबसे सुगम

और छोटा रास्ता है, जिसके कारण प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में लोग यहाँ से गुजरते हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या स्कूली विद्यार्थियों और कॉलेज जाने वाले युवाओं की है। भारी वाहनों के दबाव और पुलिया की बदहाली के कारण यहाँ हर वक्त धूल के गुब्बार उड़ना और दुर्घटना की स्थिति बनी रहती है।

निर्माण एजेंसी ने अनसुनी की ग्रामीणों की पुकार

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जब इस सड़क और पुलिया का निर्माण हो रहा था तभी उन्होंने संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी का ध्यान इस तकनीकी खामी की ओर आकर्षित कराया था। ग्रामीणों ने मांग की थी कि पुलिया के ऊपर भी डामरीकरण हो और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, लेकिन जिम्मेदार कुंभकर्णी नींद सोए रहे। क्षेत्र के नागरिकों ने विभाग और कार्य एजेंसी से मांग की है कि पुलिया के दोनों ओर निकले खतरनाक लोहे के एंगलों को हटाये पुलिया पर तत्काल पक्की रेलिंग या सेफ्टी वॉल का निर्माण हो गिट्टी वाले कच्चे हिस्से पर तुरंत डामरीकरण किया जाए ताकि आवागमन सुरक्षित हो सके। क्योंकि यदि समय रहते इस पुलिया की सुध नहीं ली गई तो यहाँ कभी भी कोई बड़ी जनहानि हो सकती है।

गिट्टी से धूल का गुबार इतना ज्यादा है कि सामने वाहन दिखाई नहीं देते -सुरेन्द्र जमुरकर

सुरेन्द्र जमुरकर ने बताया की उमरवाड़ा मार्ग पर स्थित इस पुलिया की हालत पिछले कई वर्षों से जस की तस बनी हुई है। पूरे मार्ग पर पक्की सड़क है लेकिन पुलिया के दोनों ओर का हिस्सा कच्चा और उबड़ खाबड़ होने के कारण यहाँ गिट्टी बिछा दी गई है इससे गुजरना जोखिम भरा हो गया है। पुलिया पर कोई सुरक्षा नही हैं गिट्टी से धूल का गुबार इतना ज्यादा उड़ता है कि सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते। विभाग को चाहिए कि इस पुलिया के ऊपर और दोनों तरफ डामरीकरण कर इसे व्यवस्थित बनाए ताकि राहगीर बिना किसी डर के आवागमन कर सकें। क्योंकि हर समय इस पुलिया पर लोगों को डर लगा रहता है भारी वाहन आते हुए दिखता है तो पहले ही दूर किनारे पर मोटरसाइकिल रोक कर खड़ा हो जाना पड़ता है।

पुलिया पर रेलिंग नहीं है जो चिंता का विषय है- तुलसीराम जैतवार

तुलसीराम जैतवार ने बताया की इस पुलिया पर सुरक्षा के नाम पर कोई दीवार या रेलिंग नहीं लगाई गई है जो सबसे बड़ी चिंता का विषय है। रात के समय पुलिया की चौड़ाई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दुपहिया वाहन चालक अनियंत्रित होकर झाड़ियों या नीचे गिर सकते हैं। कई बार भारी वाहनों के आने पर मोटरसाइकिल वालों के लिए साइड में कोई सपोर्ट नहीं बचता। ४.५ साल से सड़क बनी हुई है लेकिन पुलिया के पास का यह अधूरा निर्माण हादसों को न्यौता दे रहा है। यह मार्ग उमरवाड़ा होते हुए सीधे रामपायली के लिए निकलता है इसलिए इस क्षेत्र के लोग यहाँ से आना जाना करते हैं दिन में तो जैसे तैसे आना हो जाता है। रात्रि में बहुत दिक्कत होती है और दुर्घटनाएं भी होती है। हमारी मांग है कि यहाँ जल्द से जल्द सेफ्टी रेलिंग और पक्की सड़क का निर्माण किया जाए।

भीड़ में खोओ मत अपनी अलग पहचान बनाओ -बी आर मेश्राम

बुद्ध पूर्णिमा पर कौलीवाड़ा में प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न, मेधावी छात्र छात्राओं को किया पुरस्कृत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कौलीवाड़ा में बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धा और उत्साह का संगम देखने को मिला। इस अवसर पर जहाँ एक ओर भगवान तथागत गौतम बुद्ध और संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की पूजा वंदना की गई। वहीं दूसरी ओर समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं के सम्मान हेतु एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कुल के प्राचार्य बी आर मेश्राम के द्वारा अपने माता पिता की स्मृति में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी समाज के उन होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जिन्होंने कक्षा १० वीं और १२ वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर गाँव और समाज का गौरव बढ़ाया है। समारोह में मुख्य रूप से उन छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया जिन्होंने शैक्षणिक क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किए है। इसमें कुमारी मृणाली सम्राट ठवरे कक्षा १२ वीं कृषि संकाय में ९६.८ प्रतिशत अंक प्राप्त कर मध्य प्रदेश की प्रावीण्य सूची मेरिट में 5वीं स्थान प्राप्त करने पर उन्हें २००० रुपये नगद एवं ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं कुमारी प्रिया राजेन्द्र मेश्राम को कक्षा १० वीं में ९० प्रतिशत अंक अर्जित करने पर उन्हें १००० रुपये नगद एवं ट्राफी भेंट की गई। वही कक्षा १० वीं की छात्रा नव्या कामडे ,श्रुती मेश्राम, अमय गजभिये और आदित्य कामडे को भी उनकी शैक्षणिक उपलब्धि के लिए ट्राफ ी प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्राचार्य बी आर मेश्राम ने समाज के युवाओं के लिए दो महत्वपूर्ण घोषणाएँ की। भविष्य में जो भी प्रतिभावान छात्र छात्रा पीएससी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करेंगे उन्हें उनकी ओर से १०००० रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

कृषि संकाय के विद्यार्थियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की कोचिंग वे अपने स्वयं के व्यय पर नि:शुल्क उपलब्ध कराएंगे। उपस्थित छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राचार्य मेश्राम ने व्यावहारिक ज्ञान और व्यक्तित्व विकास पर जोर दिया। उन्होंने अपनी प्रेरणादायी अवधारणा साझा करते हुए कहा भीड़ में खोओ मत अपनी अलग पहचान बनाओ। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहे, बल्कि समाज में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ने के लिए निरंतर प्रयास करें। कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों के लिए भोजनदान एवं प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की। इस आयोजन ने ना केवल मेधावी छात्रों का मनोबल बढ़ाया बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति एक सकारात्मक वातावरण भी निर्मित किया है।

टिहली बाई माध्यमिक विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। टिहली बाई माध्यमिक विद्यालय परिसर में स्थापित योग समिति के सदस्यों के द्वारा जामुन के वृक्षों का रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवा निवृत शिक्षक पंचम हनवत ने पौधा रोपित कर कहा कि हमे सदैव ही पर्यावरण संरक्षण की ओर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि स्वच्छ पर्यावरण से ही स्वस्थ जीवन संभव हो सकेगा। सांसे हो रहीं हैं कम आओ पेड़ लगाएं हम नारा लगाते हुए उन्होंने पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रणय श्रीवास्तव ने पंच तत्वों जल वायु अग्नि आकाश एवं पृथ्वी में सबसे अधिक पृथ्वी की महत्ता को बताते हुए कहा पृथ्वी स्वच्छ पर्यावरण से अलंकृत है तो शेष सभी तत्व सरलता से उपलब्ध हो सकते हैं। पृथ्वी के लगातार बढ़ रहे ताप मान को नियंत्रित करने हेतु अधिक से अधिक वृक्ष लगाना एवं क्षेत्र विकसित करना प्रमुख कार्य है। वन है तो प्राण वायु है वायु से हम जीवित हैं वायु से ही जल है जल है तो हमारा जीवन है। इस दौरान हेमलता दुबे, उषा बाघमारे, शिला भगत,भेजेंद्र चौधरी, प्रणय श्रीवास्तव ,पंचम हनवत,गगन हनवत,अशोक दुबे, प्रदीप खंडेलवाल, शिवदयाल पटले, सुनील रजक, गणेश ठाकुर, निलेश नेमा, सोहन पटले, राजकुमार टेंभरे, अर्जुन अंबेकर, डोलीराम भगत,दुली चंद कावडे, विश्वेश्वर दमाहे ,संजय गौतम सहित अनेकों पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यालय में नगर मंडल की विशेष बैठक संपन्न

ग्रामीण कार्यकर्ताओं ने पार्टी विरोधी गतिविधि में लिप्त दो चार लोगो की नामजद की शिकायत दर्ज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भाजपा कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश पर नगर मंडल की विशेष मासिक बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिला प्रभारी अभिलाष मिश्रा, विधानसभा प्रभारी प्रदीप जायसवाल,नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, जिला पदाधिकारी जीतेन्द्र मोहारे, जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले, जितेन्द्र चौधरी ,निरंजन बिसेन, संदीप मिश्रा उपस्थित रहे। बैठक में सबसे पहले अभिलाष मिश्रा ने कार्यकर्ताओं को पश्चिम बंगाल में भाजपा की मिली ऐतिहासिक जीत पर बधाई प्रेषित करते हुये कहा की इस जीत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं को ही दिया है। हमे संगठन के पदो पर रहते हुये जवाबदेही के साथ कार्य करना है। साथ ही यह भी याद रखना है की किसी भी चुनाव में जीत या हार वह कार्यकर्ताओं की ही होती है। वारासिवनी क्षेत्र में ईवीएम मशीन में जीत दर्ज करने के कारण प्रदीप जायसवाल को ही वे अपनी नजर में विधायक मानते है। विधानसभा प्रभारी प्रदीप जायसवाल ने कहा की आज प्राय सभी राज्यो में भाजपा की सरकार है। हम पश्चिम बंगाल भी जीत गये है किंतु अगर अपने ही क्षेत्र में हम चुनाव हारते है तो चंद लोगो के कारण पुरी टीम की मेहनत पर पानी फिर जाता है। लंबे समय से बालाघाट जिले में भाजपा के मात्र दो ही विधायक चुनाव जीत रहे है। यह प्रदेश व राष्ट्रीय संगठन के लिये सोचने का विषय है। हम आज भी बूथ जीतो चुनाव जीतो की निति पर संगठन के हिसाब से कार्य कर रहे है। बैठक में मंडल के सभी पदाधिकारीगण, शक्ति केन्द्र प्रभारी,बूथ कमेटी अध्यक्षगण, संयोजक, सहसंयोजक, निर्वाचित जनप्रतिनिधिगण, पार्षदगण, मोर्चा एवं संगठन के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

नगर के वॉर्ड ४ बालाघाट मार्ग में शिव कथा में शामिल हूए विधायक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वॉर्ड नंबर ४ बालाघाट मार्ग में वॉर्ड की महिला मंडल के द्वारा कराए जा रहे शिव कथा में विधायक विवेक पटले पहुँचे। जहाँ विधायक विवेक पटेल ने कथा वाचक आचार्य पंडित संतोष शास्त्री का आर्शीवाद प्राप्त किया। वहीं कथा वाचक आचार्य पंडित संतोष शास्त्री ने भगवान श्रीराम और शिव माता पार्वती विवाह की कथा सुनाते हुए कहा की माता पार्वती ने राजा हिमालय के यहां जन्म लिया था। माता पार्वती बचपन से ही भगवान भोलेनाथ को मानती थीं। इसलिए भोलेबाबा का विवाह माता पार्वती के साथ हुआ। कथा के दौरान श्रद्धांलुगण भी धार्मिक भजनो पर नृत्य करते रहें जिसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती विधिवत पूजा अर्चना करने के बाद सजीव झाँकिया भी सजाई गई थीं जो आकर्षण का केंद्र रही। इस दौरान सुभाष चौहान, डिलेश्वर पटले, महेश बिसेन, टेकचंद पटले, शिवदयाल पटले, राम पटले, मंगलू पटले, मनोज बिसेन,श्रीमती माया चौहान,ममता बिसेन,माया पटले,नंदनी कुल्हाड़े,दुर्गा पटले,सुरेखा मिश्रा,सुमन मिश्रा,रेखा पटले, शशीकला पारधी, ममता पटले,प्रभा डहरवाल,अनीता सैयाम सहित ग्रामवासी मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा की इस समय भीषण गर्मी का दौर चल रहा है। लोग कूलर पंखे की हवा लेने घर से बहार नहीं निकल रहे है। मगर हमारी महिला मंडल ने शिव पुराण करवाकर यह साबित कर दिया की भगवान की पूजा के आगे कोई कुछ नहीं है। चाहे गर्मी हो या बढ़ी से विपत्ति आ जाए भगवान भोलेनाथ सभी को मनोकामनाएं पूर्ण करते है। ग्राम में भागवत करना और भागवत सुनना यह बहुत किस्मत की बात होती है जो जैसा कर्म करेगा उसे वैसा फल मिलेगा। इसलिए दूसरों के बारे में अच्छा सोचे अच्छा करें अच्छे इंसान बने भागवत हमें जीवन जीने की शैली सिखाती है।

सत्ता में वापसी : केरल विधानसभा चुनावों में कांग्रेस-नीत यूडीएफ की जीत

सत्ता विरोधी लहर पर सवार, कांग्रेस की अगुवाई वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) ने 4 मई को केरल विधानसभा में सत्ता में वापसी की और उनका 10 सालों का राजनीतिक वनवास खत्म हुआ। साल 2021 में अभूतपूर्व हार के बाद, इस गठबंधन ने सत्ता में वापसी के लिए व्यवस्थित रूप से काम किया। उन्होंने चार उपचुनाव, 2024 का आम चुनाव और पिछले साल के नगर निकाय चुनाव जीते और फिर कुशल चुनाव प्रचार एवं सामूहिक प्रयासों, जिसका मकसद सीपीआई (एम) नेता पिनरई विजयन के नेतृत्व वाली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के कामकाज के खिलाफ बढ़ते असंतोष का फायदा उठाना था, के जरिए राज्य विधानसभा में धमाकेदार वापसी की। भाजपा ने तीन सीटें जीतकर, छह सीटों पर दूसरे स्थान पर रहकर और उत्तरी, मध्य एवं दक्षिणी केरल के कुछ इलाकों में पर्याप्त वोट हासिल करके अपना खाता फिर से खोला तथा चुनावी परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया। कम मत प्रतिशत पाने के बावजूद, यह पार्टी बेशक आगे बढ़ रही है। भले ही उसका यह उभार धीमी रफ्तार से हो रहा है। करारा झटका खाने वाले वामपंथियों के प्रति निष्पक्षता बरतते हुए कहें, तो निवर्तमान सरकार ने विकास का रास्ता अपनाया, बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर किया, निजी निवेश को आकर्षित किया और कल्याण एवं सार्वजनिक शासन पर अपने वामपंथी जोर को छोड़े बिना टिकाऊ उद्योगों को बढ़ावा दिया। यह अलग बात है कि उसे दुश्मनी-भरा रवैया रखने वाले राज्यपालों द्वारा वित्तीय प्रतिबंधों और जेबी वीटो का सामना करना पड़ा। जहां वामपंथी समर्थकों ने सीपीआई (एम) की राजनीतिक अर्थव्यवस्था को स्वीकार कर लिया, वहीं कई लोग इसके वरिष्ठ नेतृत्व की गैर-जवाबदेह और दबंग, बल्कि कहें कि उपेक्षापूर्ण रवैये को पचा नहीं पाए। वामपंथियों ने 'ग्लोबल अय्यप्पा डिवोटीज मीट' जैसे आयोजनों जरिए उभरते हुए हिंदू मतदाता आधार पर अपना दावा करने की कोशिश की, जबकि साथ ही उन्होंने राजनीतिक इस्लाम की ताकतों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाते हुए इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को चुनिंदा तरीके से निशाना बनाया। आईयूएमएल ने न सिर्फ अपने गढ़ मलप्पुरम में, बल्कि राज्य के अन्य हिस्सों में भी वामपंथियों को करारी पटखनी देने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी। चुनावों से ऐन पहले, भाई-भतीजावाद और व्यक्ति-पूजा की तर्ज पर एक ही व्यक्ति के हाथों में सत्ता के केंद्रीकरण जैसे मुद्दों को लेकर वामपंथी कार्यकर्ताओं में विद्रोह भड़क उठा। इसका भरपूर फायदा यूडीएफ ने उठाया। नतीजतन, दशकों पुराने वामपंथियों के कुछ गढ़ ढह गए और इसका व्यापक असर अन्य जगहों पर भी देखने को मिला।

सत्ता में वापसी के बाद, कांग्रेस और यूडीएफ के सामने फौरी काम यह होगा कि वे एक टीम होने के अपने नारे पर खरे उतरें और एक लोकप्रिय एवं कुशल नेता के नेतृत्व में मंत्रिमंडल को अंतिम रूप दें। समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों को मिलाकर मिली 102 सीटों की ऐतिहासिक जीत से, इस गठबंधन को एक ऐसी सरकार बनाने की प्रेरणा मिलनी चाहिए जो सुलभ, सक्षम और जमीनी हकीकत से वाकिफ हो। मतदान और मतगणना के बीच की अवधि में वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने मुख्यमंत्री पद की लालसा का खुलकर इजहार किया। इसके लिए उन्हें जनता की आलोचना झेलनी पड़ी। इससे पार्टी के आलाकमान और सहयोगी दलों को कोफ्त हुई।

चुनावी फ़ैसला : विपक्ष की कमजोरी क्या है

हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में, विशेषकर मोदी युग के आगमन के बाद, अब राजनीति चुनाव-दर-चुनाव चलने लगी है। इस सप्ताह घोषित पाँच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणामों की चर्चा अभी पूरी तरह थमी भी नहीं है कि अगले वर्ष सात राज्यों में होने वाले चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनाव की बातें शुरू हो चुकी हैं।

लेकिन हालिया चुनाव हों या अगले वर्ष के चुनाव, एक प्रश्न हर ओर पूछा जा रहा है—2024 के लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद से विधानसभा चुनावों में विपक्षी दलों का इतना निराशाजनक प्रदर्शन क्यों हो रहा है? चुनावों की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं और पश्चिम बंगाल में तो पूरा चुनाव अभियान ही निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर केंद्रित रहा।

इसमें बहुत कम संदेह है कि नरेंद्र मोदी-अमित शाह शासन के दौरान न्यायपालिका, मीडिया तथा निर्वाचन आयोग और राज्यपाल कार्यालय जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर भारी दबाव रहा है, जिससे उनकी स्वतंत्र कार्यक्षमता प्रभावित हुई है।

फिर भी चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर टिप्पणी करना कठिन है, लेकिन विपक्ष की खराब स्थिति का पूरा दोष केवल चुनावी धांधली या हेरफेर पर डाल देना उचित नहीं होगा। इसके पीछे कई अन्य कारण भी हैं।

विपक्ष द्वारा इस स्थिति की लगातार आलोचना कुछ हद तक उचित अवश्य है, लेकिन केवल इतना भर किसी मजबूत और गहरे जमे हुए भाजपा शासन को सत्ता से हटाने के लिए आवश्यक जनसमर्थन जुटाने के लिए पर्याप्त नहीं है। यही कारण है कि पाँच राज्यों के चुनाव परिणाम आने के बाद राजनीतिक हलकों में यह सवाल उठ रहा है कि जब ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में पूरी ताकत लगाने के बावजूद भाजपा को रोक नहीं सकीं, तो अन्य राज्यों में विपक्ष भाजपा के रथ को कैसे रोकेगा? हार से अधिक, सीटों के अंतर ने इन आशंकाओं को और मजबूत किया है। यद्यपि विपक्षी नेता खुलकर यह बात न कहें, लेकिन उनमें से अनेक स्वयं भी निकट भविष्य में भाजपा को सत्ता से हटाने की अपनी क्षमता को लेकर आश्वस्त नहीं हैं।

दरअसल, विपक्ष की सबसे बड़ी कमजोरी आत्मविश्वास की कमी है। अनेक विपक्षी नेताओं में पराजयवादी सोच और नियतिवादी मानसिकता विकसित हो चुकी है। सत्ता के लंबे सुख ने उनमें संघर्ष की भावना को कमजोर कर दिया है। गैर-कांग्रेसी विपक्षी नेता यह समझने में असफल रहे हैं कि जोड़-तोड़ और समझौतों के सहारे सत्ता में बने रहने का दौर समाप्त हो चुका है। भाजपा व्यवस्थित ढंग से ऐसे दलों का इस्तेमाल करती रही है और बाद में उन्हें राजनीतिक हाशिये पर धकेल देती है। मायावती की बसपा, नवीन पटनायक की बीजद, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और नीतीश कुमार की जदयू इसके उदाहरण हैं।

आत्मविश्वास और संघर्षशीलता की कमी के अलावा विपक्ष में दो और गंभीर कमजोरियाँ हैं। पहली, बदलती राजनीतिक वास्तविकताओं का तार्किक और निष्पक्ष आकलन करने तथा आवश्यक सुधार करने की क्षमता का अभाव; और दूसरी, विपरीत परिस्थितियों में भी वैचारिक प्रतिबद्धता की कमी। यही दोनों कारक भाजपा-आरएसएस शासन को चुनौती देने की विपक्ष की क्षमता के सबसे बड़े अवरोध हैं।

काफी प्रयासों और बड़े प्रचार के बाद बना विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' भाजपा के सामने प्रभावी चुनौती क्यों नहीं बन पाया, यह गंभीर आत्ममंथन का विषय है। यह और भी आश्चर्यजनक है कि मोदी सरकार की अनेक मोर्चों पर विफलताओं के बावजूद विपक्ष ऐसा कोई मजबूत नैरेटिव तैयार नहीं कर सका, जो भाजपा शासन को प्रभावी ढंग से चुनौती दे सके। स्पष्ट है कि विपक्ष को अपनी स्थिति और संभावनाओं का आकलन करने के लिए गंभीर स्क्ष्क्ष विश्लेषण की आवश्यकता है। उसे गहन आत्मविश्लेषण करना होगा कि आखिर उससे गलती कहाँ हो रही है।

विपक्ष को दो मूलभूत बातें सीखनी होंगी। पहली, जब मुकाबला आरएसएस-भाजपा जैसे शक्तिशाली और संगठित प्रतिद्वंद्वी से हो, तब केवल चुनावी लाभ के लिए एकत्रित स्वार्थी दलों का ढीला-ढाला गठबंधन सफल नहीं हो सकता। दूसरी, राजनीतिक विचारधारा में विश्वास सुविधा का नहीं बल्कि दृढ़ आस्था का विषय होता है।

विपक्षी गठबंधन का दावा भाजपा-आरएसएस की सांप्रदायिक और विभाजनकारी राजनीति का विरोध करना है, जो हिंदुत्व की उस राजनीति का समर्थन करता है जिसे उदार और समावेशी हिंदू आस्था का तालिबानी संस्करण कहा जा सकता है। लेकिन विडंबना यह है कि इस गठबंधन में शामिल अनेक नेताओं के भाजपा और उसकी अल्पसंख्यक-विरोधी राजनीति से पुराने और घनिष्ठ संबंध रहे हैं। एक समय तो इंडिया गठबंधन की कमान लगभग नीतीश कुमार को सौंपे जाने की स्थिति बन गई थी, जो मोदी की भाजपा के सहारे राजनीति कर रहे थे और लालू यादव के साथ मिलकर सत्ता में आए थे। बाद में बिहार में जो कुछ हुआ, वह किसी से छिपा नहीं है।

यह भी किसी से छिपा नहीं कि अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन आरएसएस के गुप्त समर्थन से चलाया गया था। अरविंद केजरीवाल, जिन्हें छात्र जीवन में एबीवीपी से जुड़ा माना जाता है, ने अपने संगठन से प्रशांत भूषण और योगेंद्र यादव जैसे सभी आरएसएस-विरोधी तत्वों को बाहर कर दिया। यह भी सर्वविदित है कि आम आदमी पार्टी ने गोवा, गुजरात, हरियाणा और पंजाब में कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुँचाया, जिससे भाजपा को लाभ मिला। बाद में जब केजरीवाल की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएँ बढ़ीं, तब उनका मोदी से टकराव हुआ और वे भाजपा-विरोधी बन गए।

अब ममता बनर्जी की राजनीतिक पृष्ठभूमि पर भी नजर डालें, जिन्हें मोदी सरकार की सबसे दृढ़ विरोधी के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। उन्होंने 1997 में कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस बनाई और पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रवेश को आसान बनाया। 1999 में वे भाजपा-नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल हुईं और रेल मंत्री बनीं।

2001 में बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में ममता ने भाजपा को अपना 卐स्वाभाविक सहयोगी卐 बताया था। 2003 में वे पुनः एनडीए सरकार में शामिल हुईं और आरएसएस के मुखपत्र पांचजन्य ने उन्हें 卐बंगाल की दुर्गा卐 कहा। भाजपा नेताओं ने भी बार-बार यही भावना व्यक्त की। यहाँ तक कि जुलाई 2022 में तृणमूल कांग्रेस ने उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा का समर्थन करने से इनकार कर दिया। वास्तव में इंडिया गठबंधन में रहते हुए भी उन्होंने उसे कमजोर करने का काम किया।

卐खरगोश के साथ दौड़ना और शिकारी कुत्तों के साथ शिकार करना卐 एक पुरानी कहावत है। ऐसे नेताओं और दलों के रहते यह आश्चर्य की बात नहीं कि विपक्ष सत्ता में बैठे एक संगठित, संसाधन-संपन्न और निर्लज्ज राजनीतिक दल की चुनाव-दर-चुनाव बढ़ती ताकत को रोक पाने में विफल हो रहा है।

- प्रो. प्रदीप माथुर

राजनीति से परे, सिर्फ जिंदगी से सरोकार : यही है रेड क्रॉस

आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में जब हमारे पास अपनों के लिए भी ठीक से वक्त नहीं है, तब दुनिया में एक ऐसा संगठन भी काम कर रहा है, जिसे न नाम का लालच है और न ही किसी इनाम का। इनका बस एक ही मकसद है। जहाँ मुसीबत हो, वहाँ मदद बनकर पहुँच जाना। हम बात कर रहे हैं रेड क्रॉस की। हर साल 8 मई को जब हम विश्व रेड क्रॉस दिवस मनाते हैं, तो यह सिर्फ कैलेंडर की एक तारीख नहीं है, बल्कि उस जज्बे को सलाम करने का दिन है जो युद्ध के मैदान से लेकर प्रकृति के कहर तक, हर जगह इंसानियत की ढाल बनकर खड़ा रहता है। इस संस्था की शुरुआत की कहानी भी बड़ी दिलचस्प है। करीब 165 साल पहले इटली में एक भीषण युद्ध हो रहा था, हजारों सैनिक घायल होकर तड़प रहे थे। वहाँ से गुजर रहे स्विट्जरलैंड के कारोबारी हेनरी डुनेंट से यह दुख देखा नहीं गया। उन्होंने अपना सारा काम छोड़ दिया और गांव वालों को जुटाकर घायलों की सेवा में लग गए। उन्होंने एक ही बात कहा हम सब भाई हैं। यही छोटी सी सोच आगे चलकर दुनिया का सबसे बड़ा मानवीय संगठन रेड क्रॉस बनी।

आज हेनरी डुनेंट के जन्मदिन पर ही पूरी दुनिया उन्हें याद करती है।भारत में इस महान संस्था का सफर भी बहुत प्रेरणादायी रहा है। साल 1920 में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी का गठन हुआ था, और तब से लेकर आज तक यह हमारे देश की हर बड़ी मुश्किल में भरोसे का दूसरा नाम बनी हुई है। चाहे 1947 का वो मुश्किल दौर हो या फिर केदारनाथ की त्रासदी और भुज का भूकंप, रेड क्रॉस के वॉलंटियर्स ने हमेशा आगे बढ़कर मोर्चा संभाला है।

आंकड़ों की बात करें तो आज रेड क्रॉस का हाथ दुनिया के 192 देशों तक फैला हुआ है। करीब 1.6 करोड़ से ज्यादा वॉलंटियर्स इस मिशन से जुड़े हैं। अकेले भारत में ही इसकी 1100 से ज्यादा शाखाएं दिन-रात काम कर रही हैं। कोरोना का वो दौर तो हम सबको याद ही है, जब लोग एक-दूसरे से हाथ मिलाने तक से डर रहे थे। उस मुश्किल वक्त में रेड क्रॉस के साथी ही थे जो अपनी जान जोखिम में डालकर घर-घर राशन और दवाइयां पहुँचा रहे थे। रेड क्रॉस का काम केवल जोश पर नहीं, बल्कि सात मजबूत सिद्धांतों पर टिका है, जिन्हें इसकी आत्मा कहा जाता है। ये सिद्धांत हैं - मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सार्वभौमिकता। ये भारी-भरकम शब्द सुनने में भले ही कठिन लगें, पर इनका मतलब बहुत सीधा है। रेड क्रॉस किसी की मदद करते समय यह नहीं देखता कि सामने वाला किस धर्म का है या किस देश का है। इसके लिए हर वो इंसान बराबर है जो पीड़ित है।

यह संस्था किसी भी राजनीतिक विवाद में नहीं पड़ती, ताकि यह हर जगह बेखौफ जा सके। रेड क्रॉस सिर्फ आपदा के समय ही नहीं दिखता, बल्कि हमारे आसपास एक शांत सैनिक की तरह हमेशा मौजूद रहता है। चाहे वह गरीबों के लिए सस्ती दवाइयां हों, थैलेसीमा पीड़ित बच्चों के लिए सुरक्षित खून का इंतजाम करना हो या फिर एक्सीडेंट के समय दी जाने वाली प्राथमिक सहायता - रेड क्रॉस हर मोड़ पर खड़ा मिलता है।इस संस्था की सबसे बड़ी ताकत इसकी तटस्थता है। जब दो देश आपस में लड़ रहे होते हैं, तब भी रेड क्रॉस का सफेद झंडा और उस पर बना लाल निशान दोनों तरफ के घायलों की सेवा करने की हिम्मत रखता है। यह एक ऐसा पुल है जिसे राजनीति या मजहब की दीवारें कभी नहीं तोड़ पाईं। लेकिन हमें यह भी समझना होगा कि रेड क्रॉस सिर्फ बड़ी-बड़ी बातों से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे व्यक्तिगत योगदानों से चलता है।

- दिलीप कुमार पाठक

पीड़ा के अंधेरों में उम्मीद का दीप जलाता रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट आंदोलन

हर साल 8 मई को मानवता, सेवा, करुणा और निःस्वार्थ सहायता के भाव को समर्पित विश्व रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि संकट, युद्ध, आपदा या महामारी जैसी परिस्थितियों में निस्वार्थ सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। रेड क्रॉस का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाना और मानव जीवन की रक्षा करना है। यह दिवस समाज में मानवता, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है।पाठकों को बताता चलूं कि मानव सेवा और राहत कार्यों के लिए प्रसिद्ध संगठन इंटरनेशनल रेड क्रॉस एवं रेड क्रेसेन्ट मूवमेंट के संस्थापक जीन हेनरी डुनेंट, जिन्हें रेड क्रॉस आंदोलन का जनक भी माना जाता है, की जयंती पर यह दिवस मनाया जाता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि हेनरी ड्यूनेन्ट को उनके अभूतपूर्व मानवीय कार्य के लिए 1901 में दुनिया का पहला नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था। बहुत कम लोग जानते हैं कि रेड क्रॉस इतिहास का इकलौता ऐसा संगठन है जिसे एक या दो बार नहीं, बल्कि तीन बार नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। मसलन, ?1917 में (प्रथम विश्व युद्ध के दौरान मानवीय कार्यों के लिए), ?1944 में (द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उत्कृष्ट सेवाओं के लिए) तथा ?1963 में (संगठन की 100वीं वर्षगांठ पर) में इसे पुरस्कार दिया जा चुका है। ?इसके अलावा, इसके संस्थापक हेनरी ड्यूनेन्ट को मिला पहला नोबेल पुरस्कार (1901) जोड़ लिया जाए, तो इस आंदोलन के खाते में कुल 4 नोबेल पुरस्कार आते हैं।

वास्तव में, इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य युद्ध, आपदा और संकट के समय मानवता की सेवा करने वालों का सम्मान करना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस पूरी दुनिया में आपदा, युद्ध, किसी महामारी और संकट के समय लोगों की सहायता करने वाले लाखों स्वयंसेवकों और कर्मचारियों को सम्मान देने के क्रम में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज भी दुनिया में बहुत से लोग आपदाओं, युद्ध, तनाव आदि से पीड़ित हैं और यह दिवस ऐसे लोगों की सहायता,मदद के लिए आम लोगों को प्रेरित और प्रोत्साहित करता है। यह लोगों को रक्तदान करने, महामारी या युद्ध से पीड़ित लोगों का प्राथमिक उपचार करने और उनके स्वास्थ्य की रक्षा करने, उन्हें समय पर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने को समर्पित है। यह वोलंटियर्स के योगदान का सम्मान करता है तथा उन्हें मान्यता देता है।मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता,स्वतंत्रता,स्वैच्छिक सेवा,एकता तथा सार्वभौमिकता इस दिवस के मूल व अहम् सिद्धांत हैं। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि यह दिवस मानवता की रक्षा को समर्पित है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास पर नजर डालें तो, वर्ष 1859 में इटली के सोलफेरिनो की लड़ाई के दौरान हजारों घायल सैनिकों को तड़पते देखकर हेनरी ड्यूनांट अत्यंत व्यथित हुए। दरअसल, 1859 में, स्विट्जरलैंड के एक युवा व्यवसायी जीन हेनरी ड्यूनेन्ट अपने व्यापार के सिलसिले में नेपोलियन तृतीय से मिलने जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने इटली में सोलफेरिनो का युद्ध देखा। उन्होंने यह देखा कि ?युद्ध क्षेत्र में लगभग 40,000 सैनिक मृत या तड़पते हुए पड़े थे और उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं था। ?इस भयावह मंजर ने ड्यूनेन्ट को झकझोर दिया और उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों को इकट्ठा किया और बिना यह देखे कि घायल सैनिक किस देश का है, नारा दिया-हम सब भाई हैं।वास्तव में ,इसी घटना ने आगे चलकर रेड क्रॉस की नींव रखी। वास्तव में, ड्यूनेंट ने स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों की सेवा की और बाद में सोलफेरिनो की एक स्मृति(ए मेमोरी आफ सोलफेरिनो) नामक पुस्तक लिखी। इसी विचार से साल 1863 में रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति की स्थापना हुई तथा आगे चलकर जिनेवा सम्मेलन अस्तित्व में आए। बाद में, वर्ष 1948 में आधिकारिक रूप से 8 मई को विश्व रेड क्रॉस दिवस घोषित किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो आधिकारिक तौर पर पहला अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस दिवस 8 मई 1948 को मनाया गया। बाद में, 1984 में इसका नाम बदलकर विश्व रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट दिवस कर दिया गया।

बहुत कम लोग जानते होंगे कि रेड क्रॉस आंदोलन दुनिया का सबसे बड़ा मानवीय नेटवर्क माना जाता है, जिसमें दुनिया के करोड़ों स्वयंसेवक जुड़े हैं।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार लगभग 1.6 करोड़ (16 मिलियन) सक्रिय स्वयंसेवक और कर्मचारी इसमें शामिल हैं। पाठकों को बताता चलूं कि अंतरराष्ट्रीय युद्ध कानून (जिनेवा संधि), जो यह तय करता है कि युद्ध के दौरान भी मानवता बची रहे, उसे लागू कराने और उसकी निगरानी करने की मुख्य जिम्मेदारी रेड क्रॉस की ही है। ?इसके नियमों के तहत, युद्ध के दौरान भी रेड क्रॉस के कार्यकर्ताओं को युद्धबंदियों से सीधे मिलने और उनकी स्थिति का जायजा लेने का कानूनी अधिकार प्राप्त है।

रेड क्रॉस का प्रतीक चिह्न जिनेवा सम्मेलनों के तहत संरक्षित है और इसका दुरुपयोग अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन माना जा सकता है। रेड क्रॉस के लाल रंग के प्लस (+) चिह्न से परिचित हैं, लेकिन इसके तीन आधिकारिक प्रतीक हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है।

दरअसल,रेड क्रॉस सफेद पृष्ठभूमि पर लाल क्रॉस है। पाठकों को बताता चलूं कि यह स्विट्जरलैंड के झंडे के रंगों को उलट कर संस्थापक हेनरी ड्यूनेन्ट के देश के सम्मान में बनाया गया था। वहीं पर रेड क्रिसेंट मतलब लाल अर्धचंद्र।यह ऑटोमन साम्राज्य के दौरान मुस्लिम देशों में संवेदनशीलता को देखते हुए अपनाया गया था तथा ?रेड क्रिस्टल तीसरा तटस्थ प्रतीक है, जिसे बिना किसी धार्मिक या सांस्कृतिक जुड़ाव के मानवीय कार्यों की सुरक्षा के लिए अपनाया गया। उल्लेखनीय है कि कई मुस्लिम देशों में रेड क्रॉस की जगह रेड क्रिसेंट प्रतीक का उपयोग किया जाता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इंटरनेशनल रेड क्रॉस एवं रेड क्रेसेन्ट मोवमेंट के अंतर्गत रेड क्रिसेंट एक मानवीय प्रतीक और सहायता संगठन है, जिसका उपयोग मुख्यतः मुस्लिम देशों में किया जाता है। यह कार्य और उद्देश्य में रेड क्रॉस के समान ही है, केवल इसका प्रतीक अलग होता है। यह भी उल्लेखनीय है कि रेड क्रिसेंट का प्रतीक सफेद पृष्ठभूमि पर लाल अर्धचंद्र (चाँद) होता है। इसका उपयोग युद्ध, प्राकृतिक आपदा, महामारी और संकट के समय चिकित्सा व राहत सेवाएँ प्रदान करने के लिए किया जाता है। दरअसल, जैसा कि ऊपर भी बता चुका हूं कि 1876 में रूस-तुर्की युद्ध के दौरान ओटोमन साम्राज्य (वर्तमान तुर्की) ने रेड क्रॉस चिह्न के स्थान पर रेड क्रिसेंट का प्रयोग शुरू किया था। बाद में इसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि रेड क्रिसेंट और रेड क्रॉस दोनों समान सिद्धांतों पर कार्य करते हैं तथा दोनों का उद्देश्य केवल मानव सेवा है, किसी धर्म या राजनीति से इनका संबंध नहीं होता।आज दुनिया के कई इस्लामिक देशों में रेड क्रिसेंट सोसायटी सक्रिय हैं तथा इसका संचालन मानवता, निष्पक्षता और तटस्थता जैसे सिद्धांतों पर आधारित है। यहां यह भी गौरतलब है कि इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की स्थापना 1920 में हुई थी,जो युद्ध क्षेत्रों, भूकंप, बाढ़, महामारी और शरणार्थी संकटों में सबसे पहले राहत पहुँचाने वाले संगठनों में शामिल रहता है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस की थीम/विषय के बारे में बात करें तो पिछले साल यानी कि वर्ष 2025 में इस दिवस की थीम-मानवता को जीवित रखना(कीपिंग ह्यूमेनिटी अलाइव) रखी गई थी तथा कई देशों में अभियान संदेश मानवता के पक्ष में(आन द साइड आफ ह्यूमेनिटी) के रूप में भी चलाया गया था। वास्तव में, इसका उद्देश्य बढ़ते संघर्षों, स्वास्थ्य संकटों और असमानताओं के बीच मानवता को जीवित रखना था। वहीं इस वर्ष की थीम या विषय की बात करें तो यह यूनाइटेड इन ह्यूमेनिटी अर्थात मानवता में एकजुट रखी गई है। यह थीम संकट के समय समुदायों के साथ खड़े रहने वाले स्वयंसेवकों और कर्मचारियों की एकता और सेवा भावना को दर्शाती है। सरल शब्दों में कहें तो यह थीम उन लाखों स्वयंसेवकों और कर्मचारियों के जज्बे को सलाम करती है जो संकट के समय समुदायों के बीच बाहरी बनकर नहीं, बल्कि उन्हीं का एक हिस्सा बनकर खड़े रहते हैं। यह कठिन समय में बिना किसी भेदभाव के आपसी जुड़ाव, करुणा और मानवीय गरिमा को बनाए रखने पर जोर देती है।

अंत में, यही कहूंगा कि कठिन से कठिन समय में भी हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारी आपसी करुणा, सहानुभूति और निस्वार्थ सेवा भाव ही है यानी कि हम हर हाल और परिस्थितियों में मानवता की रक्षा, सुरक्षा करें,यही हमारा दायित्व और कर्तव्य है।विश्व रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट दिवस केवल एक दिवस मात्र ही नहीं, है बल्कि यह दुनिया के सबसे बड़े मानवीय नेटवर्क के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का शानदार पर्व है। युद्ध, आपदा या महामारी-जब दुनिया सबसे बुरे दौर से गुजर रही होती है, तब बिना किसी राजनीतिक या धार्मिक भेदभाव के इस संगठन के स्वयंसेवक निस्वार्थ भाव से उम्मीद की किरण बनकर सामने आते हैं।

सुनील कुमार महला

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। कमजोर उठाव के बीच गुरुवार को किराना जिंसों में नारियल बाजार नरमी के रहे। शक्कर मजबूत नज़र आयी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा, किन्तु बाजार ऊँचाइयों पर रहे। तिलहनों सोयाबीन बाजार सुस्त रहे। दलहनों में कमोवेश टिकाव रहा।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार नारियलों में आवकें सामान्य है। बढ़े भावों में पूछपरख कमजोर रहने से बाजार सुस्ती के रहे। शक्कर में बाजार मजबूत नज़र आये। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। किन्तु बाजार मजबूती पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन में सुस्ती देखी गयी। दलहनों में कमोवेश टिकाव कायम रहा। भाव इस प्रकार रहे =

किराना - शक्कर 4190-4250, खोपरा गोला 380-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारी?क 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, चाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2500-2550, (250) 2750-2800

तेल - सींगदाना 1630-1650, मुम्बई 1650, राजकोट तेलिया 2560, सोया साल्वेंट 1410-1415, सोया रिफाइंड 1475-1480, कपास्या 1475-1480, धूलिया 1480, कड़ी 1480,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1575, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1520,

खली -कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्वि?टल)

तिलहन - सरसो 7300-7500, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 6200-6300, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 5650-5700, एवरेज 5500-5600, विशाल 5625-5650, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशि?यन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7600-7800, मूंग पुराना बोल्ड 8500-8800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-7100, एवरेज 6800-6900, हल्की 6600-6700, महाराष्ट्र सफेद 7100-7200, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल - चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडि?यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2525, लोकवन एवरेज 2550-2600, बेस्ट 2700-3000, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2000-2025, बेस्ट 1850-1900,

चावल - चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा - इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। गुरुवार को स्थानीय सराफा बाज़ार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मजबूती पर रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 250000, चाँदी (99) 249600, टंच 249100, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 152500,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 42 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.07 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 28 पैसे नीचे आकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.77 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान के तनाव कम करने और बातचीत फिर से शुरू करने के लिए करार पर चर्चा करने की खबरों के बाद बाजार की भावना में अचानक बदलाव आया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.77 पर खुला जो पिछले बंद भाव से 28 पैसे की गिरावट दिखाता है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई हैं। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 114 अंक टूटकर 77,844.52 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 4.30 अंक नीचे आकर 24,326.65 पर बंद हुआ। आज सुबह गिफ्टी में कमजोरी दिख रही थी। बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव हावी रहा। लार्जकैप कंपनियों के शेयरों में दबाव को मिल रहा था जबकि मिडकैप स्टॉक्स में एक नई तेज़ी रही। निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज्यादा बढ़त एचडीएफसी लाइफ में देखने को मिली, जिसमें 3.15 फीसदी की बढ़त देखने को मिली. इसके बाद, बजाज ऑटो में 2.78 फीसदी बढ़त, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 2.12 फीसदी की बढ़त, ग्रासिम इंडस्ट्रीज में 1.58 फीसदी की तेज़ी और एनटीपीसी में 1.40 फीसदी की बढ़त रही। वहीं निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज्यादा गिरावट क्वालिटी वॉल्स में 2.95 फीसदी की रही। इसके बाद, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 1.94 फीसदी की गिरावट, टीसीएस में 1.40 फीसदी की गिरावट, टेक महिंद्रा में 1.27 फीसदी की गिरावट और टाइटन कंपनी में 1.20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। जापान के निक्केई और अमेरिकी शेयर बाजारों ने रिकॉर्ड नए स्तरों को छुआ, वहीं घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में गिरावट पर दिखे। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 95 अंकों की गिरावट के साथ 77,862 के स्तर पर कारोबार कर रहा था, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 16 अंक फिसलकर 24,314 पर पहुंच गया। आज एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 225 इंडेक्स जोरदार तेजी के साथ 5 फीसदी से अधिक चढ़कर पहली बार 62,000 के स्तर के पार पहुंच गया, जो एक नया रिकॉर्ड है। वहीं हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स भी बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था, जबकि चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स लगभग सपाट रहा जबकि बुधवार को अमेरिकी बाजारों में भी शानदार तेजी देखने को मिली थी, जिसमें डॉव जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 1.24 फीसदी , एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.46 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट 2.02 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 और नैस्डैक ने अपने नए रिकॉर्ड स्तर भी छुए थे।

पेटीएम ने एनबीएफसी लाइसेंस योजना को खारिज किया

नई दिल्ली । वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस, जिसके पास लोकप्रिय भुगतान ब्रांड पेटीएम का स्वामित्व है, ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) लाइसेंस के लिए आवेदन करने की योजना से इनकार किया है। कंपनी ने अपनी रणनीति स्पष्ट करते हुए साझेदारी मॉडल पर जोर दिया है, जहां वह वितरण, प्रौद्योगिकी और वसूली का काम संभालेगी, जबकि प्रतिष्ठित ऋण साझेदार पूंजी और जोखिम का प्रबंधन करेंगे। यह घोषणा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) के खिलाफ हालिया कार्रवाई के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जिसमें नियामक मानदंडों के अनुपालन में विफलता का हवाला दिया गया था। हालांकि,

वन97 कम्युनिकेशंस ने स्पष्ट किया है कि पीपीबीएल पर आरबीआई की कार्रवाई का कंपनी पर कोई वित्तीय या व्यावसायिक प्रभाव नहीं पड़ेगा, और उसकी सभी सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं। कंपनी ने अपनी जनवरी-मार्च तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन भी दर्ज किया है, जिसमें 183 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। पिछले साल की इसी अवधि में 545 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। पेटीएम ने भारत में भुगतान के बढ़ते बाजार को एक बड़ा अवसर बताया है, जिसमें उसकी बाजार हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है।

ऊर्जा बाधाओं से भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.6 फीसदी रहने का अनुमान: रिपोर्ट

नई दिल्ली। ऊर्जा आपूर्ति में बाधाओं और बाहरी आर्थिक झटकों के कारण चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर में कमी आ सकती है। एसएंडपी ग्लोबल और क्रिसिल ने एक संयुक्त रिपोर्ट में यह आशंका जताई, जिसमें देश की विकास दर 7.1 प्रतिशत के पिछले अनुमान से घटकर 6.6 प्रतिशत रहने की बात कही गई है। यह गिरावट वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों और अस्थिर बाजार स्थितियों का परिणाम है। इंडिया फारवर्ड शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत इस समय ऊर्जा आपूर्ति बाधाओं, तेल और गैस की बढ़ती कीमतों तथा मुद्रा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव जैसे बाहरी आर्थिक झटकों का सामना कर रहा है। ऐसी स्थिति में विकसित भारत 2047 का लक्ष्य हासिल करने के लिए ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा से जुड़े सुधारों के साथ-साथ रणनीतिक भंडार तैयार करने के लिए एक व्यापक ऊर्जा भंडारण नीति की आवश्यकता पर बल दिया गया है। क्रिसिल के एक अर्थशास्त्री ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के लंबा खिंचने से रुपए में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी अर्थव्यवस्था पर दोहरा झटका डाल रही है, जिससे वृद्धि पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने मौजूदा हालात में ऊर्जा, खाद्य और उर्वरक सुरक्षा पर तत्काल ध्यान देने की वकालत की, खासकर रबी फसलों के लिए उर्वरक की संभावित कमी को देखते हुए। हालांकि, खरीफ फसलों के लिए स्थिति अभी बेहतर बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों का असर थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर अधिक दिखेगा, जबकि सरकार द्वारा पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी की कीमतों को स्थिर रखने के कारण खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) पर इसका प्रभाव सीमित रहेगा। हालांकि, वाणिज्यिक एलपीजी के दाम बढ़ाए गए हैं। मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति 3.4 फीसदी के एक साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जबकि थोक मुद्रास्फीति 3.88 फीसदी के 38 महीने के उच्च स्तर पर रही।

आज का राशिफल

मेष राशि- आज किस्मत आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। कामकाज में शानदार सफलता मिलेगी और जो मेहनत आप कर रहे थे, उसका असर अब साफ दिखेगा। कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में भी जीत की खुशखबरी मिल सकती है। आपकी पहचान और रुतबा दोनों बढ़ेंगे। कारोबार की पुरानी परेशानियां अब खत्म होने की ओर हैं। परिवार के साथ बिताया गया समय आपको सुकून देगा।

वृषभ राशि- आज आपका मान-सम्मान बढ़ने वाला है और लोग आपकी तारीफ करते नहीं थकेंगे। किसी खास सामाजिक कार्यक्रम में आपकी मौजूदगी आपको खास बना सकती है। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मिठास घुलेगी और छोटी-मोटी दूरियां भी खत्म होंगी। बस सेहत को लेकर थोड़ा सतर्क रहें और बाहर के खाने से दूरी बनाएं।

मिथुन राशि- आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। काम में लापरवाही भारी पड़ सकती है, इसलिए पूरा ध्यान अपने टारगेट पर रखें। किसी की बातों में आकर मन में नकारात्मकता न आने दें। दोस्त आपका साथ निभाएंगे, लेकिन कोई करीबी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। लंबे समय से रुकी हुई एक इच्छा आज पूरी होने के संकेत दे रही है।

कर्क राशि- आज का दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। मनोरंजन और मस्ती के मौके मिलेंगे, जिससे मन हल्का रहेगा। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला थोड़ा तनाव दे सकता है, लेकिन भाइयों का सहयोग आपको राहत देगा। मां के साथ किसी बात को लेकर गलतफहमी हो सकती है, जिसे प्यार से सुलझाना ही बेहतर रहेगा।

सिंह राशि-आज आप अपने अधूरे कामों को पूरा करने में पूरी ताकत लगा देंगे और सफलता भी मिलेगी। बिजनेस में नई पार्टनरशिप के योग बन रहे हैं। संतान की सफलता आपके चेहरे पर मुस्कान लाएगी। कोई बड़ा जोखिम लेने से बचें। अविवाहित लोगों की किसी खास से मुलाकात हो सकती है और घर-गाड़ी खरीदने के भी योग बन रहे हैं।

कन्या राशि-आज आपका आत्मविश्वास और साहस दोनों चरम पर रहेंगे। कुछ नया करने की चाह आपको आगे बढ़ाएगी और बिजनेस में बदलाव के विचार आएंगे। छात्रों के लिए दिन अच्छा है और परीक्षा के नतीजे भी खुशियां ला सकते हैं। मौसम का असर सेहत पर पड़ सकता है, इसलिए ध्यान रखें। मेहनत का पूरा फल मिलने वाला है।

तुला राशि-आज का दिन ऐशो-आराम और खुशियों से भरा रहेगा। घर के बड़े आपका पूरा साथ देंगे। अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है, इसलिए अपने सामान का ध्यान रखें। उधार दिया पैसा वापस मिलने की संभावना है। निवेश सोच-समझकर करें। कोई साइड इनकम भी आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

वृश्चिक राशि-आज आपको हर फैसला सोच-समझकर लेना होगा। आपकी समझदारी ही आपको आगे बढ़ाएगी। घर-परिवार की जिम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें। वैवाहिक जीवन में थोड़ी खटास आ सकती है, जिसे समझदारी से संभालना होगा। परिवार में किसी खुशी का माहौल बन सकता है। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

धनु राशि-आज का दिन थोड़ा उलझनों से भरा रह सकता है। गुस्से में आकर कोई फैसला न लें, वरना नुकसान हो सकता है। विरोधी सक्रिय रहेंगे, इसलिए सतर्क रहें। नया घर खरीदने की योजना में कागजातों की जांच जरूर करें। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को फायदा मिल सकता है। दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा।

मकर राशि-आज का दिन मिला-जुला रहेगा। काम में तकनीकी दिक्कतें आ सकती हैं, जिससे रुकावट महसूस होगी। किसी भी काम में जल्दबाजी न करें। जिम्मेदारियां बढ़ेंगी और तनाव भी हो सकता है। खुद को रिलैक्स करने के लिए थोड़ा समय निकालें। जीवनसाथी से किया वादा निभाना जरूरी होगा।

कुंभ राशि-आज आप अपने अटके हुए कामों को पूरा करने में सफल रहेंगे। आय बढ़ाने के नए रास्ते खुलेंगे। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के संकेत हैं। कोई पुराना कानूनी मामला आपके पक्ष में जा सकता है। कामकाज में खुशखबरी मिल सकती है। आप किसी दोस्त की मदद के लिए आगे आएंगे।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। कामकाज में सुधार आएगा और मन हल्का रहेगा। कोई पुराना मित्र अचानक मिलकर आपको खुश कर सकता है। जीवनसाथी से बातचीत आपके मन का बोझ कम करेगी। संतान के करियर को लेकर थोड़ी भागदौड़ रहेगी। घर के रिनोवेशन की योजना बनेगी, जिसमें खर्चा भी बढ़ सकता है।

शब्दजाल- 8252

शब्द जाल में 10 विभिन्न देशों के नाम ढूंढिए. दिए गए देशों के नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

भा	क	ल	व	ज	व	ना	क	प	ल	क
र	ब्रि	ल	न	व	जी	ज	द	इ	ट	ली
त	स	र्म	ल	र्म	छ	पु	रा	रा	ख	क
क	ज	ज	य	पु	र	न	प	न	ली	क
क	क	दो	ज	श्री	लं	का	तु	ज	झ	क
जी	क	ल	प	ह	इ	पू	ना	ण	घ	को
ती	आ	स्ट्रे	लि	या	प	ल	श	र	ल	ल
क	ता	दा	ई	धा	व	क	फ	लो	श	या
ने	बा	चे	ब्व	ब्रा	जी	ल	रें	ज	प	कि
द	पा	ल	प	व	जी	र्त	ए	वें	पं	स्ता
क	क	ल	प	वी	न	रा	बा	द	प	न

इटली, भारत, चीन, ब्राजील, जर्मनी, नेपाल, पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया, श्रीलंका, इराक.

शब्दजाल - 8251 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

8 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

[illegible]

शुक्रवार 2026 वर्ष का 128 वां दिन दिशाशूल पश्चिम ऋतु ग्रीष्म। विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948 मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) पक्ष कृष्ण तिथि षष्ठी 12.22 बजे को समाप्त। नक्षत्र उत्तराषाढ़ 21.20 बजे को समाप्त। योग शुभ 02.30 बजे रात को समाप्त। करण वणिज 12.22 [illegible]

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.22 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व क्षेत्र शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सेवा का रास्ता

ऑस्ट्रिया में पैस्टोला नामक एक छात्र डॉक्टरी पढ़ रहा था। एक दिन जब वह कहीं जा रहा था, तो रास्ते में उसे एक बच्चा मिला। एक छोटे से बच्चे को अकेला देखकर पैस्टोला ने उसे अपने साथ ले लिया। उसने उसके अभिभावकों को खोजने के लिए पुलिस में सूचना दी काफी दिनों तक जब बच्चे के अभिभावकों का कुछ पता न चला तो पैस्टोला ने उसे एक अनाथालय में रखवा दिया। पर उसे उस बालक से बेहद लगाव हो गया था, इसलिए वह अक्सर उसे अनाथालय में देखने आता और उसके लिए कुछ उपहार भी लाता। धीरे-धीरे पैस्टोला ने नोट किया कि अनाथालय में बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था तो है, लेकिन वहां के कर्मचारियों में दयाभाव नहीं है। इसलिए बच्चे उन कर्मचारियों के संरक्षण में ढंग से विकसित नहीं हो पा रहे हैं। पैस्टोला ने अपनी पढ़ाई खत्म होते ही एक आंदोलन चलाया और निःसंतान तथा छोटी गृहस्थी वाले लोगों से अनुरोध किया कि वे अनाथ बच्चों को अपने परिवार में सम्मिलित कर लें और उन्हें लाड़-प्यार से पालें। ऐसा करने से बच्चों का समुचित विकास हो पाएगा और उन्हें जीने की राह मिल पाएगी। पैस्टोला के इस आंदोलन का लोगों पर सकारात्मक असर हुआ। अनेक उदार, धनी व शिक्षित लोगों ने ऐसे असहाय बच्चों को अपने परिवार में शामिल कर लिया। आत्मीयता एवं अपनत्व भरे माहौल में उन बच्चों का विकास होने लगा। पैस्टोला ने उन अनाथ बच्चों की देख-रेख में अपना जीवन लगा दिया। वह आजीवन अविवाहित रहा। पैस्टोला ने अनाथ बच्चों का पालन-पोषण करने के अलावा विधवाओं व वृद्धाओं की भी निःस्वार्थ मदद की। [illegible] पैस्टोला की प्रेरणा से अनेक [illegible] लोगों ने भी अपने परिवारों में [illegible] सम्मिलित किया। धीरे-धीरे यह आंदोलन दूर-दूर तक फैल गया। आज भी ऑस्ट्रिया के अनेक लोग पैस्टोला के बताए रास्ते पर चल रहे हैं और असहायों की मदद कर रहे हैं।

फिल्म वर्ग पहेली- 7196

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, प्रेमी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले में चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश में और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फराह की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. मनी, जीतेन्द्र, फराह, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दोनों रंग दोनों' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव यू से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सावन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सरग से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलपड़े, आयशा टाकिया की फिल्म-१ की फिल्म-२
२२. 'दिल में छिपा' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारिक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वां' में सलमान के साथ करिश्मा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. जितेंद्र, संजय, मनीष की 'आशिक तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल तेरा दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7195

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नववाल- 7505

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नववाल 7504 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8720

बाएँ से दाएँ

1. सुगंध, खुशबू-3
3. व्यवस्था-2, 2
5. आम लोग-2
6. चिंतन, सोच विचार-3
7. पराया-2
8. विनाश, विध्वंस-2
10. अपने ही घर में बंधक-5
12. वलय, घेरा-3
15. आंचल, पल्लू-3
17. सेंधमार-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. एक सवारी गाड़ी-2
23. पीहर, पिता का घर-3
24. नवीन, नया, नवजात-2
25. लात मारना-4
26. जोंक, न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे

1. जी, चित्त, इच्छा-2
2. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3. तार कसना-3
4. जोकर, विदुषक-4
5. दुनिया, जगत-3
7. पंख-2
9. सदैव, हरदम-2
11. जन्म, पैदा होना-3
13. जुड़वा-3
14. आश्चर्य में पड़ना-5
15. जंगल की आग-4
16. टोंटी, नलका-2
18. वश, अधीन-2
19. परिणाम, हल-3
21. अर्जित करना-3
24. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8719 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी नगर परिषद में स्वच्छता अभियान का दिखावा, जमीनी हकीकत चरमराई

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के नाम पर नगर परिषद लांजी लाखों रुपये खर्च कर दीवारों पर रंग-बिरंगी पेंटिंग और आकर्षक स्लोगन लिखवा रही है, लेकिन शहर की नालियां भरी पड़ी हैं, कचरा जमा हो रहा है और सुबह-सुबह कचरे को आग लगाकर प्रदूषण फैलाया जा रहा है। वार्डवासियों ने सवाल उठाया है कि क्या दीवारों पर स्लोगन और पाम्पलेट बांटने से शहर स्वच्छ हो जाएगा? नगर परिषद द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान में वार्ड प्रभारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये प्रभारी वार्डवासियों से मोबाइल नंबर लेकर ऑनलाइन फीडबैक भर रहे हैं और ओटीपी के जरिए प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं। जगह-जगह बैनर-पोस्टर लगाए गए हैं, एनजीओ के माध्यम से गीला-सूखा कचरा पृथक्करण का प्रचार किया जा रहा है। स्लोगन जैसे 'स्वच्छता ही सेवा' और 'एक कदम स्वच्छता की ओर' दीवारों पर चमक रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति दयनीय बनी हुई है।

जमीनी हकीकत बयां करती तस्वीर

शहर के गिने-चुने मुख्य मार्गों पर सुबह झाड़ू लगाई जाती है, लेकिन झाड़ू लगाते ही कचरे को किनारे करके आग लगा दी जाती है, जिससे सुबह-सुबह पूरा इलाका धुएं से भर जाता है। ज्यादातर वार्डों में ट्रैक्टर से कचरा उठाने का काम लंबे समय से बंद पड़ा है। जब पूछा जाता है तो जवाब मिलता है- ट्रैक्टर खराब है या पानी सप्लाई में लगा हुआ है। स्वच्छता प्रभारी और वार्ड पार्षद वार्डों में जाकर स्थिति देखने की बजाय केवल फाइलों और ऑनलाइन फीडबैक तक सीमित रह गए हैं। नालियों की सफाई नहीं हो रही, मरम्मत का काम ठप है।

वार्डवासियों की नाराजगी

वार्डवासियों ने नगर परिषद पर स्वच्छता के नाम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। एक स्थानीय निवासी ने कहा, दीवारों पर लाखों रुपये खर्च कर स्लोगन लिखवा रहे हैं, लेकिन नालियां भरी हुई हैं। बारिश में पानी घरों में घुस जाएगा। सिर्फ पेंटिंग और बैनर से शहर साफ नहीं होगा। लोगों की मांग है कि नालियों की तत्काल सफाई और मरम्मत कराई जाए तथा जल निकासी की स्थायी व्यवस्था बनाई जाए। उन्होंने कहा, जमीनी स्तर पर सफाई और रखरखाव पर ध्यान दो, तभी स्वच्छता अभियान सार्थक होगा।

प्रशासन की भूमिका पर सवाल

नगर परिषद द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के लिए व्यापक प्रचार किया जा रहा है, लेकिन मूलभूत सुविधाएं चरमरा रही हैं। कचरा प्रबंधन व्यवस्था ठप होने के बावजूद सर्वेक्षण के नाम पर मोबाइल नंबर और ऑनलाइन एंट्री का खेल चल रहा है। नागरिक पूछ रहे हैं कि जब बुनियादी सफाई व्यवस्था ही नहीं सुधर रही, तो सर्वेक्षण के दावे कितने सच्चे और प्रभावी हैं? नगर परिषद प्रशासन से जब इस संबंध में प्रतिक्रिया मांगी गई तो कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। वार्डवासी अब जमीनी काम की मांग कर रहे हैं। सवाल उठ रहा है- क्या स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 सिर्फ कागजों और दीवारों तक सीमित रह जाएगा या शहर को वाकई स्वच्छ बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे?

दूसरी पत्नी की बेटी की शादी में शामिल होना पिता को पड़ा भारी

पहली पत्नी के बेटों ने घर से निकाला- फिर मुर्गी फार्म में घुसकर डंडों से पीटा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक पिता का अपनी दूसरी पत्नी की बेटी की शादी में शामिल होना ही उसके लिए दर्द और अपमान की वजह बन गया। दूसरी पत्नी की बेटी के विवाह समारोह में शामिल होने से नाराज पहली पत्नी के बेटों ने पहले अपने ही बुजुर्ग पिता को मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया और बाद में जहां वह शरण लेकर रह रहा था। वहां पहुंचकर उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। यह घटना कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम छोटी कुम्हारी की है मारपीट में घायल 65 वर्षीय बुजुर्ग धरमलाल पिता कंचनलाल लिल्हारे को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार छोटी कुम्हारी निवासी धरमलाल लिल्हारे बालाघाट में मिस्त्री का काम करते है। उसकी दो पत्नियां हैं। पहली पत्नी सुमा बाई लिल्हारे से दो बेटे और एक बेटी हैं। जबकि दूसरी पत्नी शांतिबाई लिल्हारे से तीन बेटे और एक बेटी हैं। दोनों परिवार गांव में अलग-अलग रहते हैं। धरमलाल अपने छोटे बेटे भादो लिल्हारे के साथ रह रहा था। बताया गया कि 16 अप्रैल की रात दूसरी पत्नी शांतिबाई की बेटी आशा की शादी थी। पिता होने के नाते धरमलाल बेटी के विवाह में शामिल हुआ लेकिन यही बात पहली पत्नी के बेटों सावन और भादो को नागवार गुजर गई। वे अपने पिता का दूसरी पत्नी के परिवार से मेलजोल पसंद नहीं करते थे। शादी से लौटने के बाद दोनों बेटों ने धरमलाल के साथ मारपीट की और उसे घर से भगा दिये। घर से बेघर होने के बाद धरमलाल गांव के ही लोकेश

लिल्हारे के मुर्गी फार्म में रहने लगा था। आरोप है कि 6 मई की रात करीब 8 बजे उसका बेटा भादो वहां पहुंचा और यहां रहकर हमारी बदनामी कर रहा है कहते हुए हाथ-मुक्कों और डंडे से पिता की जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान साथ में आए संतोष रनगिर ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। घायल अवस्था में धरमलाल खुद ही जिला अस्पताल पहुंचा। जहां उसे भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। अस्पताल पुलिस ने घायल का बयान दर्ज कर मामले की जांच के लिए कोतवाली पुलिस को भेज दिया हैं। घटना के बाद गांव में भी इस मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

जनगणना-2027-शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने वाले 05 प्रगणक सम्मानित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनगणना-2027 के अंतर्गत जिले में 01 मई से घर-घर जाकर मकान सूचीकरण का कार्य निरंतर जारी है। यह कार्य 30 मई तक किया जाना है। बालाघाट तहसील के अंतर्गत कार्यरत पांच प्रगणकों ने अपने-अपने हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) का कार्य निर्धारित समय में शत-प्रतिशत पूर्ण कर उत्कृष्ट कार्य का उदाहरण प्रस्तुत किया है। इन प्रगणकों को 07 मई को प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर श्री मृणाल मीना द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसडीएम गोपाल सोनी भी उपस्थित रहे। जनगणना-2027 के प्रथम सात दिनों में एचएलबी-0039 पाथरवाड़ा के प्रगणक वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्त्री2 ने 248 मकानों की गणना का कार्य पूर्ण किया। इसी प्रकार एचएलबी-00133 देवरी के प्रगणक अशोक भगत द्वारा 239 मकानों, एचएलबी-0027 धापेवाड़ा की प्रगणक श्रीमती सीमा डहरवाल द्वारा 232 मकानों, एचएलबी-0132 देवरी के प्रगणक देवेन्द्र वाकड़े द्वारा 232 मकानों तथा एचएलबी-0095 भालेवाड़ा के प्रगणक दिलीप रहांगडाले द्वारा 247 मकानों की गणना का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

कलेक्टर मृणाल मीना ने इन सभी प्रगणकों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य को पूरी जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ संपादित किया है। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य देश की विकास योजनाओं के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और सटीक आंकड़े शासन की योजनाओं को प्रभावी बनाने में सहायक होते हैं। कलेक्टर श्री मीना ने जिले की जनता से अपील की कि जब जनगणना-2027 के लिए प्रगणक उनके घर पहुंचें, तो उन्हें सही एवं सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं तथा इस राष्ट्रीय कार्य में सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य के सफल संचालन में आमजन की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है, जिससे जिले में यह कार्य सुगमता एवं समय सीमा में पूर्ण किया जा सके।

रेत की अनउपलब्धता, बढ़ती बिजली दरों व अघोषित बिजली कटौती को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में एक ओर रेत की भारी किल्लत से शासकीय और निजी निर्माण कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर लगातार बढ़ती बिजली दरों और अघोषित बिजली कटौती ने आम जनता की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। इन दोनों गंभीर समस्याओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने गुरुवार को महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार संजय बारस्कर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में रेत घाटों की निविदा प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण पूरे क्षेत्र में रेत का संकट गहराता जा रहा है। हालत यह है कि शासकीय निर्माण कार्यों के साथ-साथ निजी मकानों का निर्माण भी ठप पड़ गया है। सबसे अधिक परेशानी प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को हो रही है, जिनके मकानों का निर्माण कार्य रेत के अभाव में अधूरा पड़ा हुआ है।

बारिश के पूर्व निर्माण नहीं हुए तो बढ़ेगी परेशानी

ग्रामीण क्षेत्रों में कई परिवार बारिश से पहले अपने मकान पूरे करने की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन रेत नहीं मिलने से उनका सपना अधूरा रह गया है। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि बारिश का मौसम नजदीक है और यदि समय रहते निर्माण कार्य पूरे नहीं हुए तो लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने मांग की कि वैकल्पिक व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों को स्थानीय स्तर पर घाटों से सीमित मात्रा में रेत निकालने की अनुमति दी जाए, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके और निर्माण कार्य फिर से शुरू हो सकें।

बढ़ी हुई बिजली दरों को वापस लेने की मांग

ज्ञापन में बिजली समस्या को लेकर भी सरकार और बिजली कंपनी पर गंभीर सवाल उठाए गए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि एक तरफ घरेलू बिजली दरों में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में घंटों अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। इससे किसानों, छोटे व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में लगातार बिजली गुल रहने से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, साथ ही किसान भी बिजली की समस्या से खासे परेशान हैं। कांग्रेसियों ने कहा कि बढ़े हुए बिजली बिलों ने मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों की कमर तोड़ दी है। उन्होंने बढ़ी हुई बिजली दरों को वापस लेने, नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा अघोषित कटौती पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

समाधान नहीं होने पर सड़क पर उतरेगी कांग्रेस

ज्ञापन सौंपने पहुंचे कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जनता की समस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठाई जा रही है, लेकिन शासन-प्रशासन द्वारा कोई ठोस पहल नहीं की जा रही। यदि जल्द ही रेत और बिजली संकट का समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी जनता के साथ सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान सौरभ मोनू पशीने अध्यक्ष नगर कांग्रेस, मनीष जुझार अध्यक्ष विस युवा कांग्रेस, रेवाजी कराहटकरे ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लांजी, दिनेश लाड़े सभापति जपं लांजी, शरद आसटकर अध्यक्ष विस युवा कांग्रेस, मुकेश रणदिवे पार्षद, अनमोल तिड़के, नरेश चौहान, चंद्रकांत किरनापुरे, योगेंद्र बबली मिश्रा, अशोक पालीवाल, लक्ष्मण कावरे, राजकुमार टांडेकर, विजय सीताराम रामटेकर सहित अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

बाल भाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर कारंजा में सात दिवसीय समर कैंप का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। बाल भाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर आवासीय विद्यालय कारंजा में आयोजित सात दिवसीय समर कैंप का समापन उत्साह, रचनात्मकता और संस्कारों के वातावरण के बीच भव्य रूप से संपन्न हुआ। शिविर के समापन अवसर पर बच्चों ने अपनी प्रतिभा का ऐसा मनमोहक प्रदर्शन किया कि उपस्थित अतिथि और अभिभावक मंत्रमुग्ध हो उठे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी राजेश अग्रवाल ने की। इस समर कैंप में कारंजा सहित आसपास के 10 पोषक ग्रामों से आए 125 छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर विभिन्न कलाओं और गतिविधियों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह की शुरुआत घोष दल की सुमधुर प्रस्तुति और वैदिक मंगलाचरण के साथ हुई। सात दिनों के प्रशिक्षण के दौरान बच्चों ने चित्रकला, रंगोली, मेहंदी, संगीत, नृत्य, वैदिक गणित एवं घोष वादन जैसी विविध विधाओं का अभ्यास किया था, जिसका प्रभावशाली प्रदर्शन मंच पर देखने को मिला। नन्हे विद्यार्थियों की कला, आत्मविश्वास और अनुशासन ने सभी अतिथियों को प्रभावित किया। अभिभावकों ने भी बच्चों की प्रतिभा की खुलकर सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय के संरक्षक एवं समाजसेवी राजेश अग्रवाल ने विद्यालय के छात्रावास के नवीन भवन निर्माण के लिए 51 हजार ईंटें दान करने की घोषणा कर सभी को भावुक कर दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल के बच्चों को बेहतर शिक्षा और संस्कारयुक्त वातावरण उपलब्ध कराना समाज की जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने शिशुवाटिका के बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल सामग्री उपलब्ध कराने की भी घोषणा की और विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समिति सदस्य शरद उपलप एवं डॉ. हितेश नागपुरे ने कहा कि इस प्रकार के रचनात्मक शिविर बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और छिपी प्रतिभाओं को निखारने का महत्वपूर्ण माध्यम बनते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने और संस्कारयुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। शिविर में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय अध्यक्ष लालाराम नंदनवार, व्यवस्थापक सचिन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्यामराव राखड़े, सदस्य मंशाराम बिलथरे, गौशाला समिति सदस्य अनीता अग्रवाल, धनीराम साउसकर सहित आचार्य परिवार, अभिभावक एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रविन्द्र महारवाड़े ने किया, जबकि अंत में प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे ने सभी अतिथियों, समिति सदस्यों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन अवसर पर राजेश अग्रवाल के सौजन्य से सभी बच्चों के लिए अल्पाहार एवं मिष्ठान की व्यवस्था की गई। शांति मंत्र के सामूहिक उच्चारण के साथ सात दिवसीय इस संस्कार एवं रचनात्मकता से भरपूर समर कैंप का विधिवत समापन हुआ।

एनसीसी का संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर

शिविर के चौथे दिन-योग, फायरिंग और अग्निवीर पर विशेष व्याख्यान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 06 म.प्र. बटालियन एनसीसी बालाघाट के तत्वावधान में दस दिवसीय 95वें संयुक्त वार्षिक एनसीसी प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-95) का 07 मई को चौथा दिन था। इस दिन कैडेट्स को शारीरिक, मानसिक और सैन्य प्रशिक्षण के विविध आयामों से अवगत कराया गया। सर्वप्रथम दिन की शुरुआत पीटी, योग एवं प्राणायाम से हुई। प्रशिक्षक तनु काटेकर के नेतृत्व में कैडेट्स को योग-प्राणायाम के माध्यम से मन शांत करने और शरीर को लचीला बनाने के गुर सिखाए गए। इसके बाद पिछले दिन प्रारंभिक फायरिंग प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके कैडेट्स को भरवेली फायरिंग रेंज में .22 राइफल से फायरिंग का अभ्यास कराया गया। ड्रिल का गहन अभ्यास जो कि एनसीसी का प्रमुख हिस्सा होता है उसे कराया गया। साथ ही नियमित एनसीसी कक्षाओं का संचालन किया गया। जिन कैडेट्स की अगले दिन फायरिंग है, उन्हें शस्त्र संचालन एवं फायरिंग का प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद शाम को एआरओ, जबलपुर से आए सूबेदार मनोज वत्स एवं हवलदार कर्री नारायण राव ने सेना में भर्ती प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अग्निवीर योजना के तहत योग्यता, चयन प्रक्रिया और एनसीसी प्रमाण-पत्र के महत्व पर प्रकाश डाला। बताया गया कि एनसीसी 'सी' सर्टिफिकेट धारक कैडेट्स को सेना भर्ती में विशेष लाभ मिलता है। अधिकारियों ने कैडेट्स को सेना में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित कर उनका मनोबल बढ़ाया। सभी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिन के अंत में

खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया। ब्रावो एवं चार्ली कंपनी के बीच वॉलीबॉल और रस्साकसी की रोमांचक प्रतियोगिताएं कराई गईं। इन गतिविधियों का संचालन एनसीसी अधिकारी श्रवण बोदेले, धिरेन्द्र दत्त आर्या एवं अन्य एनसीसी अधिकारियों तथा पीआई स्टाफ के संरक्षण में किया गया।

सैनिक ने परिवार के साथ पहुंचकर लगाई न्याय की गुहार, कहा सीमा पर नहीं गांव में लगता है डर

गांव के दबंगों पर लगाए गंभीर आरोप, मारपीट और धमकी से परेशान जवान ने कलेक्टर व एसपी को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना तिरोड़ी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लिंगापौनार के एक भारतीय थल सेना में कार्यरत सैनिक ने अपने परिवार और परिजनों के साथ जिला कलेक्टर कार्यालय और पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। सैनिक ने ज्ञापन सौंपते हुए गांव के कुछ दबंग लोगों पर परिवार को लगातार प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। सैनिक ने बताया कि जब से उनकी नौकरी लगी है, तभी से गांव के कुछ लोग उनके परिवार और माता-पिता को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते कुछ वर्षों से लगातार उनके परिवार के साथ विवाद और धमकियों की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में गांव के कुछ लोगों ने उन्हें एकांत स्थान पर बुलाकर उनके साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया। इस घटना के बाद परिवार में भय का माहौल बना हुआ है। सैनिक ने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि देश की सीमा पर ड्यूटी करते समय उन्हें कभी डर महसूस नहीं होता, लेकिन अपने ही गांव में आज उन्हें और उनके परिवार को असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव के दबंगों द्वारा उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने तक की धमकियां दी जा रही हैं, जिससे परिवार दहशत में है। सैनिक और उनके परिजनों ने प्रशासन से सुरक्षा

और न्याय की मांग करते हुए दोषियों पर तत्काल कार्रवाई किए जाने की अपील की है।

कटंगी क्षेत्र के थाना तिरोड़ी अंतर्गत ग्राम लिंगापौनार में भारतीय थल सेना में पदस्थ एक जवान और उसके परिवार द्वारा गांव के कुछ लोगों पर लगातार प्रताड़ना, मारपीट और धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मामले को लेकर जवान और उसके परिजन पुलिस प्रशासन से न्याय की मांग कर रहे हैं। वहीं इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पूर्व सैनिकों और वर्तमान में सेना में सेवाएं दे रहे जवानों ने भी नाराजगी जाहिर करते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई है। भारतीय थल सेना में अपनी सेवाएं दे रहे जवान दुर्गेश काडे ने बताया कि जब से वे सेना में भर्ती हुए हैं, तब से गांव के कुछ लोग लगातार उनके परिवार को मानसिक और सामाजिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव के कुछ दबंग लोग आए दिन उनके माता-पिता के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं और परिवार को डराने-धमकाने का प्रयास करते रहते हैं। दुर्गेश काडे ने बताया कि हाल ही में वे अपने छोटे भाई के विवाह समारोह में शामिल होने छुट्टी लेकर गांव आए हुए थे। इसी दौरान उनके घर की बिजली सप्लाई काट दी गई। जब वे बिजली विभाग में शिकायत करने के बाद वापस लौट रहे थे, तब गांव के बाहर 112 डायल वाहन के सामने ही लगभग 10 से 12 लोगों ने उनके साथ मारपीट की। जवान का कहना है कि देश की सीमा पर ड्यूटी करते समय उन्हें जितना भय महसूस नहीं होता, उससे अधिक डर अब अपने ही गांव में आने पर लगने लगा है। उन्होंने कहा कि गांव के कुछ लोग लगातार जान से मारने की धमकी देते हैं और कई बार उनके साथ मारपीट की घटनाएं भी हो चुकी हैं। दुर्गेश ने यह भी बताया कि उन्होंने पहले भी संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे आरोपियों के हौसले और बढ़ गए हैं। वहीं जवान के पिता ताराचंद काडे और माता उषा काडे ने भी गांव के कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि पहले गांव में राजनीतिक मतभेद थे, लेकिन समय के साथ कुछ प्रभावशाली लोग उनके परिवार को निशाना बनाने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों पहले गांव के कुछ लोगों ने उनके मवेशियों के चारे में आग लगा दी थी। इसके अलावा हाल ही में छोटे बेटे की शादी के दौरान उनके घर की बिजली काट दी गई और लगातार परिवार को परेशान करने की कोशिश की जा रही है।

परिजनों का कहना है कि जब वे गांव के रास्तों से निकलते हैं तो उन पर वाहन चढ़ाने तक का प्रयास किया जाता है। वहीं छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद कर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। मीडिया से चर्चा के दौरान जवान की माता उषा काडे भावुक हो गईं और रोते हुए कहा कि उन्हें हर समय अपने परिवार और बच्चों की जान का खतरा बना रहता है। उन्होंने आशंका जताई कि कभी भी उनके परिवार के साथ बड़ी घटना हो सकती है। परिवार ने पुलिस प्रशासन से पूरे मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में गंभीर स्थिति निर्मित हो सकती है।

सैनिक के साथ इस प्रकार का व्यवहार निंदनीय है- तोमेश्वर राहंगडाले

इस मामले में पूर्व सैनिकों ने भी जवान दुर्गेश काडे का समर्थन किया है। कुछ पूर्व सैनिक और छुट्टी पर गांव आए वर्तमान सैनिक भी दुर्गेश के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। पूर्व सैनिक सूबेदार तोमेश्वर राहंगडाले ने चर्चा के दौरान कहा कि देश की सुरक्षा में अपनी जान जोखिम में डालने वाले सैनिकों और उनके परिवारों के साथ इस प्रकार का व्यवहार बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में किसी सैनिक परिवार को इस प्रकार की प्रताड़ना का सामना न करना पड़े।

भाजपा विधायक ने दिया महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष को दस करोड़ की मानहानि का नोटिस

लगाए थे महिला उत्पीड़न के आरोप

भोपाल । रतलाम जिले की आलोट से बीजेपी विधायक डॉ चिंतामणि मालवीय ने मप्र महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी सेतिया को मानहानि का नोटिस भेजा है। विधायक ने अपने वकील के माध्यम से रीना बोरासी को 10 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस दिया है। रीना बोरासी द्वारा मीडिया में विधायक पर यौन शोषण और अवैध कब्जे जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। विधायक ने एक स्थानीय चैनल को भी लीगल नोटिस भेजा है।

राज्यपाल से की थी शिकायत

विगत दिनों प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष ने राज्यपाल मंगुभाई पटेल से लोकभवन भोपाल में मुलाकात के बाद मीडिया को दिए गए बयान में उन्होंने विधायक पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने एक महिला को लेकर कहा था कि उस महिला ने मुझे एफिडेविट के साथ सुबूत दिए हैं। वही राज्यपाल को देने आई हूं। मप्र का एक नेता, विधायक और पूर्व सांसद इस तरह से महिलाओं पर अत्याचार करेगा। उनका यौन शोषण करेगा, उसके घर और पैतृक जमीन पर कब्जा करेगा। अपने 25-30 गुंडों को भिजवाकर शटर तोड़े, 70 साल की महिला पर अत्याचार किया। मेरी सरकार और राज्यपाल से मांग है कि संबंधित की विधायकी रद्द की जाए।

विधायक से चुनावी रंजिश रखती हैं रीना

नोटिस में विधायक की ओर से कहा गया है कि वे एक उच्च शिक्षित जनप्रतिनिधि हैं और समाज में उनकी प्रतिष्ठा है। रीना बोरासी ने बिना किसी ठोस प्रमाण के केवल चुनावी रंजिश और राजनीतिक द्वेष के चलते उनकी छवि धूमिल करने के उद्देश्य से ये झूठे आरोप लगाए हैं। विधायक का तर्क है कि पृथ्वीचक्र' चैनल और सोशल मीडिया पर प्रसारित यह इंटरव्यू पूरी तरह से षड्यंत्र का हिस्सा है।

7 दिन की मोहलत और कानूनी चेतावनी

एडवोकेट शेखर श्रीवास्तव द्वारा भेजे गए इस नोटिस में रीना बोरासी को 7 दिन का समय दिया गया है। इन 7 दिनों के भीतर उन्हें उन सभी दस्तावेजों और साक्ष्यों की प्रमाणित प्रतियां उपलब्ध करानी होंगी, जिनके आधार पर उन्होंने ये आरोप लगाए हैं। यदि वे ऐसा करने में विफल रहती हैं, तो उनके विरुद्ध 10 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति का दीवानी मामला और आपराधिक मानहानि का केस दर्ज किया जाएगा।

बंगाल का एमबीबीएस डॉक्टर भोपाल में नकली नोटो के साथ गिरफ्तार

- 1 लाख 40 हजार की जाली करेंसी बरामद, बंगाल से लाया था खपाने के लिये

भोपाल। राजधानी भोपाल की कोहेफिजा पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए पश्चिम बंगाल के एक ऐसे एमबीबीएस डॉक्टर युवक को गिरफ्तार किया है, जो साल 2024 से भोपाल में रहते हुए बंगाल से जाली नोट लाकर खपाने का काम कर रहा था। टीम ने उसके पास से 500 रुपए के 280 नकली नोट बरामद यानि 1 लाख 40 हजार की जाली करेंसी बरामद की है। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने खुद को एमबीबीएस डॉक्टर बता रहा है। आरोपी के पास से पुलिस को एक आईफोन, पेन ड्राइव और विदेशी सीरीज (+44) का मोबाइल नंबर भी मिला है। आरोपी बंगाली युवक के पास जिस तरह के नकली नोट मिले हैं, वह पाकिस्तानी कागज पर छापे गए थे। शुरुआती जांच में पुलिस को संदेह है, कि आरोपी किसी विशेष विचारधारा से प्रभावित हो सकता है।

- डिलेवरी देने की फिराक में अया था, लेकिन चढ़ गया पुलिस के हत्थे

कोहेफिजा थाना प्रभारी केजी शुक्ला से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर मुखबिर से सूचना मिली कि सैफिया कॉलेज ग्राउंड के पास एक संदिग्ध युवक कम कीमत में नकली नोट खपाने के लिए ग्राहक की तलाश रहा है। खबर मिलते ही टीम ने घेराबंदी कर उसे धर दबोचा। शुरुआती पूछताछ में आरोपी की पहचान सैफुल इस्लाम पिता अनवर-उल इस्लाम (27) मूल निवासी, वीरभुम पश्चिम बंगाल, वर्तमान पता जी-2, अरेरा कालोनी शाहपुरा, भोपाल के रुप में हुई। तलाशी लेने पर पुलिस को उसके पास से पांच सौ रुपए के 280 नकली नोट मिले थे। पुलिस पूछताछ उसने बताया कि वह यह नकली नोट पश्चिम बंगाल से अपने दोस्त से लेकर आया था। आरोपी ने पुलिस को बताया की वह वर्तमान में शाहपुरा स्थित गुलमोहर कॉलोनी में किराए के मकान में रहता है। यह कार्यवाही पुलिस ने बुधवार दोपहर को की थी, और गुरुवार को इसका खुलासा किया है। आगे की पूछताछ के लिये पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर 7 दिन की रिमांड पर लिया गया है।

- शादी के बाद भोपाल में रहकर करने लगा फेक करेंसी का कारोबार

आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसका 2024 की जून-जुलाई से भोपाल मे आना जाना लगा रहता था। सितम्बर 2024 मे शादी के बाद से वह भोपाल मे ही गुलमोहर कॉलोनी में किराए से रह रहा था।

- काम-धंधा न होने पर बंगाल से लाने लगा नकली नोट

आरोपी ने पुलिस को बताया की यहॉं रहने के दौरान वह कोई काम धंधा नही करता था। अपनी मंहगी और खर्चीली लाईफ स्टाईल मेंटेन करने और बिना मेहनत के जल्दी अमीर बनने के लालच में वो पश्चिम बंगाल से नकली नोट लाकर मार्केट मे चलाने लगा। आरोपी 2024 से इस धंधे में लिप्त है, और पहले भी दो बार भोपाल आकर नकली नोट खपा चुका है।

नगर निगम का नवनिर्मित मुख्यालय ''अटल भवन'' लोकार्पित

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नगर निगम, भोपाल के नवनिर्मित मुख्यालय ''अटल भवन'' का लोकार्पण फीता काटकर किया साथ ही नगर निगम भोपाल की सौर ऊर्जा के द्वितीय चरण में नीमच के ग्राम-देवरी में स्थापित 10.5 मेगावाट सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट का लोकार्पण रिमोट के माध्यम से शिलापट्टिका का अनावरण कर किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नमस्ते योजना के तहत सफाई मित्रों को पीपीई किट वितरित की। मुख्यमंत्री जी द्वारा पीपीई किट वितरित करने पर कार्यक्रम में मौजूद अन्य सफाई मित्रों ने अपने किट बैग ऊपर उठाकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हाउसिंग फार ऑल के हितग्राहियों को आवास आवंटन पत्र एवं आवास की चाबी भी भेंट की और पी.एम.स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को ऋण पत्र भी वितरित किए। डॉ. यादव ने अटल भवन के लोकार्पण से पूर्व स्वच्छता शपथ पटल पर ''भोपाल रहेगा स्वच्छता में नंबर वन'' अंकित कर अपने हस्ताक्षर भी किए।

लोकार्पण कार्यक्रम में भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य काष्यप, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायकगण रामेष्वर शर्मा व विष्णु खत्री, भगवानदास सबनानी, अपेक्स बैंक के अध्यक्ष महेन्द्र यादव, नगर निगम अध्यक्ष किषन सूर्यवंषी, नगरीय विकास आयुक्त संकेत भोंडवे, जिला कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन, महापौर परिषद के सदस्यगण, पार्षदगण, पूर्व महापौर व पूर्व निगम परिषद अध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक तथा निगम अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने उद्बोधन में भोपालवासियों को भोपाल नगर निगम के नवीन मुख्यालय भवन की बधाई देते हुए कहा कि सुशासन और जनसेवा को शासन का आधार मानने वाले पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम पर स्थापित ''अटल भवन'' सुलभ, सुव्यवस्थित और पारदर्शी सेवाओं का केंद्र एवं सुशासन का प्रतीक बनेगा। डॉ. यादव ने कहा कि यह आधुनिक भवन शहर में सुशासन, बेहतर नागरिक सुविधाओं और विकास के नए संकल्प का प्रतीक भी बनेगा।

इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन किया साथ ही नगर पालिक निगम भोपाल के नवनिर्मित भवन का फीता खोलकर लोकार्पण किया और शिलापट्टिका का अनावरण कर मुख्यालय भवन के भूतल पर नागरिक सेवा केन्द, महिला एवं बच्चों के लिए केयर रूम व निगम मुख्यालय भवन के मॉडल एवं प्रथम तल पर स्थापित कक्षों का भी अवलोकन किया।

लोकार्पण से पूर्व मुख्यालय भवन परिसर में स्वच्छता शपथ पटल पर प्रभारी मंत्री श्री चैतन्य काश्यप, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्रीमती कृष्णा गौर, राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी सहित अन्य अतिथियों ने भी अपने संदेश अंकित किए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सम्मान महापौर श्रीमती मालती राय एवं निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन ने अंगवस्त्रम् तथा प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल नगर पालिक निगम का यह भवन ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर आधारित है और नागरिकों को सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस भवन का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से प्रमाणित भारतीय वास्तुकला के सिद्धांतों के अनुरूप भवन में सूर्य के प्रकाश और वेंटीलेशन की पर्याप्त व्यवस्था है और नीमच के सौर ऊर्जा संयंत्र तथा निगम मुख्यालय भवन के परिसर में स्थापित किये जाने वाले सौर ऊर्जा संयंत्र के माध्यम से यह भवन अपनी ऊर्जा की आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निगम मुख्यालय भवन को ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत उदाहरण भी निरूपित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की राजधानी भोपाल का गौरव दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है और इसे मेट्रोपॉलिटिन सिटी के रूप में भी विकसित किया जाकर रायसेन, सीहोर, विदिशा, राजगढ़ को भोपाल से जोड़ा जायेगा और यह क्षेत्र विकास के नए सोपान तय करेगा।

लो क । प ं प ।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी और मेडिकल विश्वविद्यालय तीन हिस्सों में बांटने की तैयारी

भोपाल । मध्य प्रदेश सरकार ने प्रौद्योगिकी शिक्षा और चिकित्सा शिक्षा के राज्य स्तरीय दो विश्वविद्यालयों को तीन हिस्सों में बांटने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रस्ताव के अनुसार राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की गतिविधियों का संचालन भोपाल के साथ उज्जैन और जबलपुर केंद्रों से भी संचालन किया जाएगा।

वहीं मेडिकल विश्वविद्यालय के प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्यों के लिए भोपाल तथा उज्जैन में नए कैंपस विकसित किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

सरकार का मानना है, विश्वविद्यालयों के विकेंद्रीकरण से छात्रों को स्थानीय स्तर पर सुविधाएं मिलेंगी, परीक्षा और संबद्धता संबंधी कार्यों में तेजी आएगी। तकनीकी और चिकित्सा शिक्षा का विस्तार क्षेत्रीय संतुलन के साथ हो सकेगा। प्रस्ताव पर उच्च शिक्षा विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग स्तर पर प्रारंभिक कार्यवाही शुरू कर दी है। विशेषज्ञों का कहना है, इससे प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में शिक्षा ढांचे को बेहतर करने में सफलता मिलेगी।

एसजे / 07 मई 26

भाजपा का मीडिया विभाग अब गुप्तचरी भी करेगा?

संवेदनशील सूचनाओं को संगठन के शीर्ष स्तर तक भेजने का दायित्व मीडिया विभाग का

भोपाल । भाजपा के प्रदेशिक संगठन ने भाजपा के मीडिया विभाग का विस्तार किया जा रहा है। सूचनायें देने के साथ-साथ अब मीडिया विभाग वर्तमान कार्य के साथ-साथ गुप्त रूप से सूचनाओं को भी एकत्रित करेगा। प्रतिदिन इसकी रिपोर्ट तैयार कर संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों को नियमित रूप से सौंपी जाएगी। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मीडिया विभाग अभी प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, डिजिटल मीडिया और पार्टी से संबंधित आम जनता के बीच में कौन-कौन से मुद्दे हैं। जो आंदोलन चल रहे हैं। विपक्षी दलों द्वारा क्या कार्रवाई की जा रही है। इसको लेकर नियमित रिपोर्ट तैयार करेगा। सभी जानकारी एकत्रित करके सारांश की रिपोर्ट संगठन के शीर्ष अधिकारियों को नियमित रूप से भेजी जाएगी। मीडिया सेंटर ब्रहद स्तर पर छोटे-छोटे ब्लॉक स्तर तक प्रभारी नियुक्त करेगी। जो नियमित रूप से सूचनाओं को मीडिया विभाग तक भेजेंगे। मीडिया विभाग संकलित जानकारी की रिपोर्ट तैयार कर संगठन अध्यक्ष को नियमित रूप से उपलब्ध कराएगा।

जीतू पटवारी बोले- सीएम हाउस में करेंगे तालाबंदी : आगरा-बॉम्बे हाईवे पर चक्काजाम

सिंघार बोले- सड़क पर फसल फेंक रहे अन्नदाता, सरकार झालमुड़ी खा रही

भोपाल । मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा किसानों के साथ हो रहे अन्याय, समर्थन मूल्य पर खरीदी, फसलों के उचित दाम एवं किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ आज मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग (एन.एच.-3) सहित प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर चक्काजाम आंदोलन आयोजित किया गया। आंदोलन प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रभावी रूप से संपन्न हुआ, जिसमें लाखों किसान एवं कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। यह आंदोलन प्रदेश के लगभग 747 किलोमीटर क्षेत्र में आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेश प्रभारी, सहप्रभारी, सांसदगण, विधायकगण, विधानसभा प्रभारी, जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने सहभागिता की। मुरैना में सीडब्ल्यूसी सदस्य कमलेश्वर पटेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह एवं विधायक हेमंत कटारे उपस्थित रहे। ग्वालियर में राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, सह प्रभारी संजना जाटव सहित संभाग के विधायकगण आंदोलन में शामिल हुए। शिवपुरी में पूर्व मंत्री के.पी. सिंह एवं प्रदेश महासचिव यादवेन्द्र सिंह सहित वरिष्ठ नेतागण मौजूद रहे। गुना में पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने आंदोलन का नेतृत्व किया। शाजापुर में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं प्रदेश सहप्रभारी संजय दत्त , एआईसी सदस्य मीनाक्षी नटराजन, विधायक महेश परमार,पूर्व मंत्री सज्जन सिंह उपस्थित रहे। इंदौर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं प्रदेश सहप्रभारी उषा नायडू आंदोलन में शामिल हुए। खलघाट में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रदेश सहप्रभारी रणविजय सिंह लोचव, पूर्व मंत्री बाला बच्चन, सचिन यादव एवं संभाग के विधायकगण उपस्थित रहे।

सरकार किसानों की आवाज को कुचलना चाहती है- हरीश चौधरी

प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता के मद में चूर होकर किसानों की आवाज को कुचलना चाहती है, लेकिन अब प्रदेश का किसान जाग चुका है और अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए सड़क पर उतर आया है। उन्होंने कहा कि अब न तो सरकार किसानों को दबा सकती है और न ही सरकारी तंत्र किसानों की आवाज को रोक सकता है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वर्ष 2023 में किसानों से की गई मोदी गारंटी' आज तक पूरी नहीं हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि 2700 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदने का वादा कहां गया? सरकार केवल सीमित मात्रा में गेहूं खरीद रही है और किसानों को अपनी उपज खुले बाजार में कम दाम पर बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि 3100 रुपए धान और 6000 रुपए सोयाबीन का वादा भी किसानों के साथ छल साबित हुआ है। भाजपा सरकार किसानों की आय बढ़ाने के दावे कर रही है, जबकि प्रदेश का अधिकांश किसान कर्ज में डूबा हुआ है। जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस ने तीन वर्षों तक सरकार को वादे पूरे करने का समय दिया, लेकिन किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। अब किसान के बेटे सड़क सत्याग्रह के माध्यम से सरकार को जगाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की आवाज उठाने पर मुकदमे दर्ज किए जाते हैं, तो कांग्रेस कार्यकर्ता जेल जाने के लिए भी तैयार हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि किसानों की मांगें नहीं मानी गईं, तो आंदोलन पंचायत स्तर तक ले जाया जाएगा। कांग्रेस पीछे हटने वाली नहीं है और आवश्यकता पड़ने पर मुख्यमंत्री आवास का घेराव एवं तालाबंदी भी की जाएगी। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि प्रदेश का किसान अपनी फसल सड़क पर फेंकने को मजबूर है, लेकिन सरकार कुंभकरण की नींद में सो रही है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार को केवल पश्चिम बंगाल की राजनीति करनी है, तो मुख्यमंत्री वहीं चले जाएं। मध्य प्रदेश के किसानों की समस्याओं से सरकार का कोई सरोकार दिखाई नहीं देता। श्री सिंघार ने कहा कि किसान सब देख रहा है और यदि सरकार किसानों को रुलाएगी, तो किसान भी सरकार को जवाब देना जानता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पूरी भाजपा झालमुड़ी खाने' में व्यस्त है, लेकिन किसानों का गेहूं और सोयाबीन दिखाई नहीं दे रहा।

पूर्व आईएएस नियाज खान की सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा

[illegible]

आज होगा दिल्ली और केकेआर का मुकाबला

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की टीम शुक्रवार को यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से मुकाबला करेगी। कैपिटल्स का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर ये मैच जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनएं बनाये रखना है। अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स अब तक 9 मैचों में 8 अंकों के साथ ही 7वें स्थान पर हैं, ऐसे में प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उसे इस मैच में बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। वहीं अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने अब तक तीन मैच जीते हैं जबकि उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। इस प्रकार वह कुल 7 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर हैं। ऐसे में उसे भी प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनएं बनाये रखने ये मैच किसी भी हाल में जीतना होगा। इस प्रकार देखा जाये तो दोनो ही टीमों एक ही स्तर पर है। दोनो के ही बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। वहीं गेंदबाज लक्ष्य का बचाव करने में विफल रहे हैं। हाल ही में दिल्ली को अपने घरेलू मैदान पर सीएसके के हाथों हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसका मनोबल गिरा हुआ है। वहीं केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत हासिल की है जिससे उसके हौंसले बुलंद है जिसका लाभ उसे मिलेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 35 मुकाबले खेले गये हैं। इसमें से 15 दिल्ली जबकि 19 केकेआर ने जीते हैं। दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी केएल राहुल और पथुम निसांका पर आधारित है। वहीं गेंदबाजी की कमान

मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी के पास रहेगी।

दूसरी ओर केकेआर की बात करें तो उसकी बल्लेबाज रहाणे के अलावा, रिंकू सिंह, कैमरुन ग्रीन पर निर्भर करेगी। उसकी गेंदबाजी सुनील नरेन, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती पर अधारित रहेगी।

अरुण जेटली स्टेडियम की पिच पर आम तौर पर बड़े स्कोर बनने हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

दिल्ली कैपिटल्स- अक्षर पटेल (कप्तान), पथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, समीर रिजवी, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन।

इम्पैक्ट प्लेयर- करुण नायर

कोलकाता नाइट राइडर्स- अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, अनुकूल रॉय, सुनील नरेन, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती

इम्पैक्ट प्लेयर- वैभव अरोड़ा

इटालियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे ऑल्टमायर, ज्वेरेव से होगी टक्कर

रोम। जर्मनी के डेनियल ऑल्टमायर ने यहां जारी इटालियन ओपन टेनिस के पहले ही दौर में झांग झिझेन को 4-6, 7-6(3), 6-4 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। इस जीत के साथ ही ऑल्टमायर ने दो मैच अंक भी बचाए। अब ऑल्टमायर का मुकाबला दूसरे दौर में अपने ही देश के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा।

वहीं एक अन्य मैच जर्मनी के ही यानिक हनफमैन और जान-लेनार्ड स्ट्रफ भी दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। हनफमैन ने पूर्व टॉप-10 खिलाड़ी ह्यूबर्ट हर्काज को 6-7(3), 7-6(2), 6-2 से हराया। अब उनका मुकाबला 18वीं वरीयता प्राप्त लुसियानो डार्डेरी से होगा। एटीपी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्ट्रफ ने फ्रांसिस्को कोमेसाना को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से हराकर 11वीं सीड जिरी लेहेका के साथ मुकाबला तय किया है।

वहीं इटली के माटेओ अर्नाल्डी ने जैमे मुनार को 6-3, 3-6, 6-3 से हराया। को। अब उनका सामान छठी वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर से भिड़ेगा। सेबेस्टियन बाएज और नूनो बोर्गेस भी फोरो इटालिको भी अपने-अपने मुकाबले जीत गये हैं। बाएज ने जेनसन ब्रूक्सबी के खिलाफ 6-3, 7-6(8) से जीत हासिल की। अब उनका अगला मुकाबला नौवीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक से होगा। दूसरी ओर, पुर्तगाल के स्टार बोर्गेस ने क्वालिफायर जेस्पर डी जोंग को आसानी से 6-3, 6-0 से हराया। अब उनका मुकाबला राफेल जोदार से होगा। दूसरी ओर महिला एकल वर्ग में फिलीपींस की एकमात्र खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा एला ने पोलैंड की मैग्डेलेना फ्रेच को 2 घंटे 21 मिनट तक चले एक रोमांचक मुकाबले में 6-0, 3-6, 6-4 से हराकर दूसरे राउंड में प्रवेश किया।

विनेश एशियन गेम्स 2026 के चयन ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित

नई दिल्ली । कुश्ती में वापसी कर रहीं ओलंपियन विनेश फोगट को करारा झटका लगा है। विनेश को एशियन गेम्स 2026 के चयन ट्रायल में अयोग्य घोषित कर दिया गया है। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के अनुसार चयन ट्रायल के लिए योग्यता तीन घरेलू प्रतियोगिताओं 2025 सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप, 2026 सीनियर फेडरेशन कप और अंडर-20 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में पदक विजेता होने पर निर्भर करती है और वह इसमें से किसी में भी शामिल नहीं थीं। सीनियर नेशनल चैंपियनशिप दिसंबर में आयोजित की गई थी, जबकि फेडरेशन कप फरवरी में हुआ था। विनेश ने इनमें से किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया।

रियान पराग को बिना कुछ किये ही मिल गई रॉयल्स की कप्तानी - मांजरेकर

मुम्बई। अपने बयानों के कारण विवादों में रहने पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी रियान पराग को दिये जाने पर सवाल उठाये हैं। मांजरेकर ने कहा है कि रियान को बिना कुछ किये ही कप्तानी मिल गयी। मांजरेकर ने कहा कि रियान को कप्तानी एक प्राकर से इनाम के तौर पर मिली है। रॉयल्स ने नियमित कप्तान संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स जाने के बाद रियान को कप्तानी दे दी थी। आईपीएल 2025 में भी रियान ने कुछ मैचों में कप्तानी की थी पर वह सफल नहीं रहे थे। पर आईपीएल इसे वर्तमान सत्र में उन्होंने टीम को 10 में से 6 मैच जिताकर अपने को साबित किया है। इसके बाद भी मांजरेकर के उनपर सवाल उठाने से सभी हैरान हैं। मांजरेकर ने पराग को लेकर कहा, वह आम भारतीय खिलाड़ियों में से एक नहीं है। वह फिट है, लेकिन मैं कहूंगा, इतने सालों में मैंने जिस तरह का प्रदर्शन देखा है, उसके बाद, यह कुछ ऐसा है जो मुझे थोड़ा अजीब लगता है कि राजस्थान रॉयल्स ने उसे इतना अधिक समर्थन दिया है। मांजरेकर ने आगे यह भी कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग को बेकार ही ये जिम्मेदारी दी। साथ ही कहा, मेरा मतलब है, संजू सैमसन ने कुछ सालों तक उनके लिए कप्तानी की और फिर उन्हें हटा दिया गया और रियान ने उनकी जगह ले ली। मुझे नहीं पता कि वहां क्या हुआ? लेकिन मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट के नज़रिए से, इसका कोई मतलब बनता है। मांजरेकर ने साफ शब्दों में अपनी असहमति जताते हुए कहा, यह कहना थोड़ा कठोर है, लेकिन उसे इनाम के तौर पर बहुत ज्यादा मिल गया है। उन इनामों के लिए सच में कड़ी मेहनत नहीं की। इसलिए यह राजस्थान रॉयल्स से जुड़ा एक बहुत ही दिलचस्प मामला है।

आईपीएल 2026 अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची सनराइजर्स

हैदराबाद। पंजाब किंग्स (पीबीसकेएस) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) मैच के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की अंक तालिका में बदलाव आया है और शुरुआत से ही शीर्ष पर चल रही पंजाब किंग्स अब दूसरे नंबर पर खिसक गयी है। वहीं सनराइजर्स पहले नंबर पर आ गयी है। पंजाब किंग्स को सनराइजर्स के खिलाफ मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इसी कारण उसके हाथ से नंबर एक स्थान निकल गया। वहीं इस मैच के परिणाम से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर भी प्रभाव पड़ा है और वह दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसक गयी है। सनराइजर्स अब अंक तालिका में शीर्ष पर है, जिसने 11 मैचों में 7 जीत के साथ कुल 14 अंक हो गये हैं। इतने अंक फिलहाल अन्य किसी टीम के नहीं हैं। वहीं, लगातार तीन मैचों में हार का सामना करने के बाद, पंजाब किंग्स 10 मैचों में 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गई है। आरसीबी, जो इस मैच से पहले दूसरे पायदान पर थी, अब 9 मैचों में 6 जीत और 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई है। बेहतर नेट रन रेट के कारण वह चौथे स्थान पर मौजूद राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से आगे है, जिसने 10 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक हासिल किये हैं। वहीं शीर्ष चार से बाहर, पांचवें स्थान पर गुजरात टाइटन्स (जीटी) है। जीटी ने भी 10 मैचों में 6 मुकाबले जीते हैं और उसके भी 12 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट में पिछड़ने के कारण वह शीर्ष 4 से बाहर है। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स 10 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक लेकर छठे स्थान पर बरकरार है।

दिल्ली कैपिल्स के लिए प्लेऑफ के दरवाजे अभी बंद नहीं

बड़े अंतर से जीतने होंगे सभी बचे हुए मैच

नई दिल्ली। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है और उसे 10 में से 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। जिससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनएं भी कमजोर हुई हैं हालांकि ये समाप्त नहीं हुई हैं। कैपिटल्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। टीम 6 हारने के बाद वे अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गयी है। टीम के अभी आठ अंक हैं और उसे अब बचे हुए सभी चार मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे।

उसे प्लेऑफ में पहुंचने इन सभी चारों मैचों में हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। ऐसा करने पर उनके अंकों की संख्या बढ़कर 16 पहुंच जाएगी। आईपीएल इतिहास पर ध्यान दें तो 16 अंकों वाली टीम को प्लेऑफ में अवसर मिल ही जाता है। उसे पर , अपने नेट रन रेट में भी सुधार करना होगा, जो वर्तमान में माइनस में है और करीबी मुकाबलों में निर्णायक साबित हो सकता है।

दिल्ली कैपिटल्स को अब हर मैच जीतना होगा। एक भी हार उसे बाहर कर देगी। यदि वे बचे हुए चार मैचों में से एक भी मुकाबला हारते हैं, तो उनके अधिकतम अंक 14 तक ही पहुंच पाएंगे। इस बार 14 अंकों के साथ प्लेऑ में पहुंचना लगभग असंभव है। अंक तालिका की स्थिति देखें तो पाएंगे कि पहले से ही छह टीमों के खाते में 10 या उससे अधिक अंक हैं। इनमें से एक टीम के पास 13 अंक हैं और चार टीमें 12-12 अंकों के साथ शीर्ष-4 में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। ऐसे में 14 अंक पर टीम बाहर हो जाएगी। अधिकतर टीमें 16 या उससे अधिक अंक तक पहुंच सकती हैं।

दिल्ली के लिए राह और भी कठिन इस कारण से है क्योंकि उनके बाकी बचे चार मुकाबले आसान नहीं हैं। उन्हें दो बार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना है। इसके अलावा उसे पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स से भी खेलना है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछली टक्कर में दिल्ली को 264 रन बनाने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे पंजाब से सतर्क रहना होगा। वहीं, राजस्थान रॉयल्स इस सीजन की सबसे खतरनाक टीमों में से एक रही है, हालांकि लीग चरण में दिल्ली ने उन्हें एक बार हराया है।

पूर्व क्रिकेटर अमनप्रीत सिंह गिल का निधन

चंडीगढ़ । पंजाब के पूर्व क्रिकेटर अमनप्रीत सिंह गिल का बुधवार को निधन हो गया। पूर्व अंडर-19 टीम में शामिल रहे 36 साल के अमनप्रीत की अचानक हुई मौत से क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गयी। मौत के कारणों का हालांकि अभी खुलासा नहीं हुआ है। इस क्रिकेटर ने पंजाब की ओर से छह प्रथम श्रेणी मैचों में 11 विकेट लिए थे। वह आईपीएल सत्र में पंजाब किंग्स इलेवन में भी शामिल रहे हैं। खेल से सन्यास के बाद वह पंजाब की सीनियर चयन समिति में सदस्य के तौर पर अपनी सेवाएं देने लगे। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने भी उनके निधन की जानकारी देते हुए लिखा कि, पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन पूर्व क्रिकेटर और सीनियर चयन समिति के सदस्य अमनप्रीत के दुखद निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है।

ऑरेंज कैप की सूची में नंबर एक पर पहुंचे क्लासेन, पर्पल कैप में भुवनेश्वर शीर्ष पर बरकरार

हैदराबद। पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मैच में के बाद आईपीएल 2026 के लिए ऑरेंज कैप की सूची में बदलाव आया है। सनराइजर्स के हेनरिक क्लासेन अब 494 रन बनाकर नंबर एक पर पहुच गये हैं। वहीं उन्हीं की टीम के अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। दूसरी और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में कोई बदलाव नहीं आया है और भुवनेशवर कुमार सबसे अधिक 17 विकेट लेकर नंबर एक पर बने हुए हैं। सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका के क्लासेन के 11 मैचों में 54.88 के औसत से कुल 494 रन हो गए हैं। वहीं अभिषेक ने अब तक 11 मुकाबलों में 47.50 के औसत से 475 रन बनाये हैं। दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल अब तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जिन्होंने 10 मैचों में 49.44 के औसत से 445 रन बनाए हैं। सनराइजर्स के ईशान किशन ने बड़ी छलांग लगाई है। वह चौथे स्थान पर पहुंच गए, अब उनके 11 मैचों में 37.18 के औसत से 409 रन हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी पांचवें नंबर पर लुढ़क गए हैं, जिनके 10 मैचों में 404 रन हैं।

कार्यालय, कृषि उपज मण्डी समिति, बालाघाट जिला-बालाघाट(म.प्र.)

क्रमांक/मंडी/निर्माण/2026-27/88 बालाघाट दिनांक - 07-05-2026

संरचना/भवन आवंटन विज्ञप्ति-प्रथम आमंत्रण सूचना

सर्व संबंधितो को सूचित किया जाता है कि म0प्र0 कृषि उपज मंडी (मंडी समिति/बोर्ड की भूमि एवं संरचना का आवंटन) नियम 2009 के तहत निर्धारित शर्तो के अधीन कृषि उपज मण्डी समिति बालाघाट के फल सब्जी मंडी प्रांगण, इतवारी गंज, बालाघाट में निम्नलिखित विवरण अनुसार विद्यमान संरचनाओं को 30 वर्ष की कालावधि हेतु अनुज्ञप्ति पर आवंटन हेतु मोहर बंद प्रस्थापनायें (ऑफर) केवल रजिस्टर्ड डाक/स्पीड पोस्ट से दिनांक 26/05/2026 समय सायंकाल 5:30 बजे तक कृषि उपज मण्डी समिति, गोंगलई, बालाघाट के अस्थाई कार्यालय पताः- दुकान क्रमांक 35, फल सब्जी मंडी प्रांगण, इतवारी गंज, बालाघाट में आमंत्रित की जाती हैं।

- निर्धारित आवेदन (प्रस्थापना प्रपत्र) एवं विस्तृत शर्ते दिनांक 22/05/2026 तक कार्य दिवसों में कार्यालयीन समय में कृषि उपज मण्डी समिति, गोंगलई, बालाघाट के अस्थाई कार्यालय पताः- दुकान क्रमांक 35, फल सब्जी मंडी प्रांगण, इतवारी गंज, बालाघाट मे रूपये 5000/-(पांच हजार रूपये) जमा कर प्राप्त किये जा सकते है।
- धरोहर (अग्रिम राशि) दिनांक 22/05/2026 तक जमा की जा सकेगी।
- प्राप्त प्रस्थापनायें (ऑफर) दिनांक 28/05/2026 को कृषि उपज मण्डी समिति, गोंगलई, बालाघाट के अस्थाई कार्यालय पताः- दुकान क्रमांक 35, फल सब्जी मंडी प्रांगण, इतवारी गंज, बालाघाट मे गठित समिति के समक्ष समय 12:00 बजे दोपहर मे खोली जावेगी।

क्र.	दुकान/संरचना का प्रकार	साईज (वर्ग मीटर)	कुल संख्या	अजा/अजजा हेतु आरक्षित		निर्धारित अपसेट कीमत प्रति नग	अग्रिम धन (धरोहर) की राशि अपसेट कीमत का 10%
				संख्या	क्रमांक		
01	02	03	04	05	06	07	08
ब्लॉक-1 भू-तल							
1	ग्रुप A	11.16	25	03	8, 12, 25	914696.00	91470.00
2	ग्रुप B	14.28	5	01	29	1170417.00	117050.00
3	ग्रुप C	23.80	5	01	35	1950696.00	195070.00
ब्लॉक-1 प्रथम तल							
1	ग्रुप A	11.16	25	03	40, 44, 50	868961.00	86900.00
2	ग्रुप B	14.28	5	01	64	1111896.00	111190.00
ब्लॉक-1 द्वितीय तल							
1	ग्रुप A	11.16	25	03	73, 86, 88	868961.00	86900.00
ब्लॉक-2 भू-तल							
1	ग्रुप A	71.61	3	-	-	1956433.00	195650.00
2	ग्रुप B	16.43	4			1346636.00	134670.00
3	ग्रुप C	4.90	6	01	11	401614.00	40170.00
ब्लॉक-2 प्रथम तल							
1	ग्रुप A	18.29	7	01	18	1424131.00	142420.00
ब्लॉक-3 भू-तल							
1	ग्रुप A (7)	18.64	1	-	-	1527567.00	152760.00
2	ग्रुप B	16.12	6	01	3	1321227.00	1321130.00
ब्लॉक-4 भू-तल							
1	ग्रुप A	7.18	1	-	-	588282.00	58830.00
2	ग्रुप B	7.65	3			627009.00	62710.00

प्रमुख शर्तें :-

1 अग्रिम धन (धरोहर राशि) बैंक ड्राफट या बैंकर्स चैक के रूप मे सचिव, कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के नाम जमा किया जा सकेगा। जिसके लिये भुगतानकर्ता को मंडी समिति की ओर से एक रसीद जारी की जावेगी।
2 बिना धरोहर राशि (अग्रिम राशि) जमा की गई प्रस्थापनायें (ऑफर) मान्य नही होगी।
3 ओव्हर राईटिंग एवं सशर्त प्रस्थापनायें (आफर) स्वीकार नही की जावेगी।
4 मोहर बंद प्रस्थापनायें (आफर) केवल रजिस्टर्ड डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही जमा की जा सकेगी।
5 विस्तृत नियम एवं शर्ते दिनांक 22/05/2026 तक कार्य दिवसों में कार्यालयीन समय में कृषि उपज मण्डी समिति, गोंगलई, बालाघाट के अस्थाई कार्यालय पताः- दुकान क्रमांक 35, फल सब्जी मंडी प्रांगण, इतवारी गंज, बालाघाट से ज्ञात की जा सकती है।
6 देय वार्षिक अनुज्ञप्ति फीस पर शासन द्वारा निर्धारित जी0एस0टी0 पृथक से देय होगा।
7 प्रत्येक दुकान के कालम न. 07 में दर्शित अपसेट कीमत के उपर ही प्रस्थापना (ऑफर) स्वीकार की जावेगी।
8 दुकानो की वार्षिक अनुज्ञप्ति फीस 25 रूपये प्रति वर्गमीटर होगा, जिसे प्रतिवर्ष अग्रिम धन राशि के रूप में जमा करना होगा।
9 आरक्षित दुकानों हेतु अमानत राशि जमा करने के पूर्व सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
10 यदि आरक्षित दुकानों के आवंटन के लिए अनुसुचित जाति या अनुसुचित जनजाति से संबंधित कोई व्यक्ति भाग नही लेता है तो ऐसी संरचनाओं को अनारक्षित माना जाकर नीलामी की जावेगी।
11 अग्रिम धन (धरोहर राशि) जमा करने वाले व्यक्ति को प्रस्थापनायें (आफर) खोले जाने के दिनांक को समक्ष में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट
जिला-बालाघाट म.प्र.

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट
जिला-बालाघाट म.प्र.

पंजाब चुनाव में 10 महीने बचे हैं, अब नई जंग में पूरी तैयारी के साथ कूद पड़ो

राघव चड्ढा एपिसोड और बंगाल चुनाव नतीजे केजरीवाल को करने लगे परेशान

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के विधायकों को याद दिलाया है कि पंजाब विधानसभा चुनाव में महज 10 महीने बचे हैं। मतलब, नई जंग में पूरी तैयारी के साथ कूद पड़ना है। बचे हुए वक्त में सारे ही चुनावी वादे पूरे करने की कोशिश है। चुनावी वादों के हिसाब से देखें तो दिल्ली में कुछ अधूरे वादे रह गए थे। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले ही अरविंद केजरीवाल ने कई चुनावी वादों पर काम करना शुरू किया था। 2025 के दिल्ली चुनाव से पहले केजरीवाल ने यह भी माना था कि दिल्ली में तीन काम उनसे अधूरे रहे गए, एक- यमुना की सफाई, दो-साफ हवा और तीसरा-दिल्ली की सभी कॉलोनियों में साफ पानी पहुंचाना।

बता दें असल में राघव चड्ढा एपिसोड और पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे, केजरीवाल को परेशान करने लगे हैं। दिल्ली की हार के दर्द से अभी पूरी तरह राहत भी नहीं मिली थी कि राघव चड्ढा ने नया दर्द दे दिया और पश्चिम बंगाल के नतीजे तो लगता है कुछ ज्यादा ही असर डाल रहे हैं। पंजाब के आप विधायकों से मुलाकात में केजरीवाल ने टीएमसी नेता ममता बनर्जी और दिल्ली चुनाव में अपनी हार को मिलता जुलता करार दिया और अब पंजाब को लेकर भी केजरीवाल को बंगाल जैसी ही आशंका सता रही है। लिहाजा आम आदमी पार्टी के विधायकों को अभी से अलर्ट मोड में डाल दिया है।

बता दें राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा सहित 7 सांसदों ने हाल ही में आम आदमी पार्टी से बगावत किया, और बीजेपी में शामिल हो गए। बाद में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले और बीजेपी में शामिल होने वाले सभी सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की। बात सिर्फ राघव चड्ढा और साथियों के अरविंद केजरीवाल की बनाई लक्ष्मण रेखा लांघने की नहीं है, उसके आगे खतरे और भी हैं जो आप को भारी पड़ सकते हैं और जरूरी नहीं कि नुकसान आने वाले पंजाब चुनाव में ही नुकसान हो, पहले भी संभव है।

रिपोर्ट के मुताबिक आम आदमी पार्टी के विधायकों से बातचीत के आधार पर एक रिपोर्ट फाइल की है। बातचीत में विधायकों ने आप के अंदर पड़ी दरार और कलह के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, विधायकों के सामने चुनौतियों और उनकी समस्याओं का भी पता चला है। ध्यान देने वाली बात यह है कि विधायकों के मुताबिक ज्यादातर समस्याएं राघव चड्ढा और संदीप पाठक के आम आदमी पार्टी छोड़ देने के बाद पैदा हुई हैं।

आम आदमी पार्टी के एक विधायक ने संवादहीनता की तरफ इशारा किया। विधायक का कहना था, हमारे पास अपनी बात रखने के लिए कोई मंच नहीं है। हमें चुप रहने को कहा जाता है। लीडरशिप को जमीन पर क्या हो रहा है, उसकी पूरी जानकारी नहीं है। कई विधायकों का कहना है कि लीडरशिप तक अपनी बात पहुंचाना मुश्किल है। लीडरशिप तक सीमित पहुंच के कारण, पार्टी वालंटियर्स में असंतोष बढ़ा है। विधायकों की शिकायत है कि पार्टी के सत्ता में आने के फौरन बाद ही निराशा का दौर शुरू हो गया था, क्योंकि वालंटियर्स को तभी से किनारे कर दिया गया। विधायकों का मानना है कि 7 में से सिर्फ दो सांसद ही संगठन की पृष्ठभूमि के थे, राघव चड्ढा और संदीप पाठक। विधायकों का सवाल है, बाकियों को क्यों चुना गया? और शिकायत है, सरकार बनने के बाद हुए उपचुनावों में भी जमीनी कार्यकर्ताओं के बजाय दूसरे दलों से आने वाले नेताओं को टिकट दिया गया।

विधायकों की बातचीत से मालूम होता है कि ऊपर से जो कुछ लग रहा है, आम आदमी पार्टी पर खतरा कहीं ज्यादा है. क्योंकि, राघव चड्ढा और संदीप पाठक का पंजाब में पूरे संगठन पर अच्छा खासा प्रभाव था और यह बात पंजाब में नेताओं को शुरू से ही महसूस होती रही है। मालूम होता है कि पंजाब में असंतोष मनीष सिसोदिया के प्रभारी बन जाने के बाद बढ़ा है। संदीप पाठक के एक सहयोगी का कहना है कि पंजाब प्रभारी के पद से उनको हटाया जाना मुसीबत की जड़ था। दिल्ली की हार के बाद अरविंद केजरीवाल को पंजाब की चिंता सताने लगी थी और मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी बनाए जाने की एक वजह यह भी थी. हां, उनको एडजस्ट भी तो करना था। यही बात संदीप पाठक को बुरी लगी, और राघव चड्ढा ने उनके मनमाफिक सपना दिखा दिया। अरविंद केजरीवाल हाथ मलते रह गए।

तिरुवनंतपुरम पहुंचे वासनिक व माकन, सीएम को लेकर विधायकों की जाने इच्छा -यूडीएफ ने एलडीएफ के एक दशक लंबे शासन का अंत कर बड़ी जीत हासिल की

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा चुनावों में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की जोरदार जीत के बाद कांग्रेस नेताओं और एआईसीसी पर्यवेक्षकों अजय माकन और मुकुल वासनिक गुरुवार को तिरुवनंतपुरम में कांग्रेस विधायक दल की बैठक में भाग लेने पहुंचे। अजय माकन ने पत्रकारों से कहा कि हम यहां सीएम पद की बैठक में शामिल होने आए हैं। देखते हैं कि विधायक क्या चाहते हैं। यह बैठक अहम है क्योंकि यूडीएफ के नेतृत्व वाली पार्टी को निर्णायक जनादेश मिलने के बाद कांग्रेस नेतृत्व सीएम पद के उम्मीदवार के चयन के लिए विचार-विमर्श शुरू कर रहा है।

बता दें इससे पहले दिन में केरल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, जिनमें वी डी सतीशान, के सुरेश और दीपा दासमुंशी शामिल थे, दो पर्यवेक्षकों से मिलने के लिए तिरुवनंतपुरम के एक होटल में जमा हुए। कांग्रेस सांसद के सुरेश ने बताया कि चुनाव के बाद पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कांग्रेस हाईकमान की एक मानक प्रक्रिया है। हर चुनाव में, चाहे कांग्रेस को बहुमत मिले या न मिले, हाईकमान सीएलपी नेता के चयन और चुनाव के लिए पर्यवेक्षक भेजता है। सुरेश ने कहा कि मुकुल वासनिक का केरल प्रभारी के रूप में पूर्व अनुभव और अजय माकन की वरिष्ठ संगठनात्मक भूमिका उन्हें राज्य की राजनीतिक स्थिति का आकलन करने के लिए पूरी तरह से योग्य बनाती है।

उन्होंने कहा कि नवनिर्वाचित विधायकों के साथ मूल्यांकन के बाद, वे हाईकमान को एक रिपोर्ट भेजेंगे। उनकी रिपोर्ट के आधार पर और वरिष्ठ नेताओं से बात करने के बाद, हाईकमान उचित निर्णय लेगा। अपनी आकांक्षाओं के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैं पार्टी के हाईकमान द्वारा लिए जाने वाले फैसला का पालन करूंगा। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने केरल विधानसभा की 140 सीटों में से 102 सीटें जीतकर वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के एक दशक लंबे शासन का अंत किया है। कांग्रेस 63 सीटों के साथ गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि उसकी सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को 22 सीटें मिली हैं।

सुप्रीम कोर्ट धार्मिक प्रथाओं और धर्म को अदालत में मिल रही चुनौतियों से चिंतित

अदालतों में लग सकती हैं सैकड़ों नई याचिकाएं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में धार्मिक प्रथाओं और धर्म से जुड़े मामलों को संवैधानिक अदालतों में चुनौती देने पर गहरी चिंता जाहिर की है। शीर्ष अदालत ने आगाह करते हुए कहा कि अगर लोग हर धार्मिक रिवाज पर सवाल उठाने लगे, तब इससे धर्म और सभ्यता पर गंभीर असर होगा तथा अदालतों में सैकड़ों नई याचिकाएं आ सकती हैं। यह अहम टिप्पणी नौं जजों की सॅविधान पीठ ने की, जो विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही है। इसमें केरल के सबरीमाला मंदिर और दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़े अहम केस भी शामिल हैं।

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने जोर दिया कि भारतीय समाज में धर्म की जड़ें बहुत गहरी हैं, और यदि हर व्यक्ति धार्मिक प्रथाओं पर सवाल उठाना शुरू करेगा, तब इसका असर सामाजिक ताने-बाने पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मंदिर खुलने या बंद होने जैसे छोटे से छोटे मामले भी अदालतों में आने लगे हैं। जो कि अब चिंता का कारण है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश ने कहा कि इसतरह के विवादों को लगातार अनुमति देने से धर्मों में विभाजन हो सकता है और संवैधानिक अदालतों पर भी अनावश्यक दबाव बढ़ेगा।

यह मामला दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़ा है, जहां 1986 में दायर जनहित याचिका ने 1962 के फैसले को चुनौती दी थी। इस फैसले ने उस बॉम्बे प्रिवेंशन ऑफ एक्सकम्युनिकेशन एक्ट, 1949 को रद्द किया था, जिसके तहत किसी सदस्य को समुदाय से बाहर करना गैरकानूनी था। 1962 के फैसले में कहा गया था कि धार्मिक आधार पर बहिष्कार, समुदाय के धार्मिक मामलों के प्रबंधन का हिस्सा है।

सुधारवादी दाऊदी बोहरा समूह की ओर से वरिष्ठ वकील राजू रामचंद्रन ने दलील दी कि यदि कोई प्रथा मौलिक अधिकारों पर नकारात्मक असर डालती है, तब उस संवैधानिक अनुच्छेद 25 और 26 के तहत धार्मिक सुरक्षा नहीं मिलनी चाहिए। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने सवाल उठाया कि धार्मिक प्रथाओं पर सवाल कहां और कैसे उठाए जाएं, क्या यह समुदाय के भीतर होना चाहिए, या राज्य या अदालतों को इसमें दखल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान उसकी विविधता और सभ्यता से है, जिसमें धर्म एक स्थायी तत्व है, और इस तोड़ना उचित नहीं होगा।

नेपाल के पीएम बालेन शाह का पूरा ध्यान काम पर, ना भारत ना ही चीन जाएंगे

पीएम मोदी से मिलने से पहले रखीं 60 शर्तें, भारतीय विदेश सचिव जा सकते हैं नेपाल

नई दिल्ली। नेपाल के पीएम बालेन शाह का पूरा ध्यान इस वक्त काम पर है। खासकर उनकी विदेश नीति क्या होगी इस पर भारत-चीन का काफी फोकस है, लेकिन नेपाल के प्रधानमंत्री सचिवालय और विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक पीएम बालेन शाह के पद पर 100 दिन पूरे होने से पहले पड़ोसी देशों भारत और चीन समेत किसी भी विदेश यात्रा पर जाने की संभावना कम है।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि सरकार ने चुनावी वादों के मुताबिक अपने कार्यकाल के पहले तीन महीनों में ठोस परिणाम देने को प्राथमिकता दी है। ऐसे में इस चरण पर पीएम बालेन शाह के लिए विदेश यात्रा कम प्राथमिकता वाला विषय है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले कुछ हफ्तों में भारत ने नेपाली पीएम शाह की दिल्ली यात्रा को लेकर काफी दिलचस्पी दिखाई है लेकिन सूत्रों का कहना है कि जून से पहले बालेन शाह का दिल्ली दौरा होना मुश्किल है। बालेन शाह 27 मार्च को नेपाल के पीएम बने थे और उसी दिन भारतीय पीएम नरेन्द्र मोदी ने उन्हें दिल्ली आने का न्योता दिया था। बालेन शाह ने भारत आने से पहले कई शर्तें रखी हैं जिनमें उन मुद्दों पर बात करना शामिल है जो विवादित हैं।

अधिकारियों के मुताबिक नेपाल और भारत दोनों ने इस दौरे के लिए शुरुआती तैयारियां शुरू कर दी हैं लेकिन अंतिम कार्यक्रम तय होने में अभी समय लग सकता है। बालेन शाह ने संकेत दिया है कि सरकार के शुरुआती तीन महीनों में भारत या चीन किसी भी देश के दौरे को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी। पीएम शाह के करीबी सहयोगी ने बताया कि घरेलू जिम्मेदारियों, जिनमें भूमिहीन लोगों से जुड़े काम और 29 मई को पेश होने वाले राष्ट्रीय बजट की तैयारियां शामिल हैं उसके चलते तत्काल विदेश यात्रा करना मुश्किल है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि बालेन शाह का इरादा अंतरराष्ट्रीय मुलाकातों की शुरुआत करने से पहले देश के भीतर ठोस नतीजे देने पर ध्यान केंद्रित करना है। एक अन्य अधिकारी ने कहा पीएम शाह ने शुरुआती तीन महीनों के दौरान काम पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करने की रणनीति अपनाई है। जब तक बेहद जरूरी न हो विदेश दौरे की संभावना बहुत कम है।

अधिकारियों ने बताया कि द्विपक्षीय चर्चाओं के दौरान एजेंडा के करीब 50 से 60 मुद्दे उठाए जा सकते हैं। ये एक तरह से शर्त की तरह हैं यानि पुराने प्रधानमंत्रियों के समय की तरह भारत का दौरा नहीं होगा। नेपाली पीएम की शर्तों के साथ दौरा होगा। जिन मुख्य मुद्दों के प्रमुखता से उठने की उम्मीद है उनमें लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और नेपाल के संशोधित राजनीतिक नक्शे से जुड़े विवाद शामिल हैं।

इस बीच भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी के 11 मई को दो दिवसीय यात्रा पर काठमांडू आने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि उनकी यात्रा में कई द्विपक्षीय एजेंडा मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

10 मई को केरल सीएम का ऐलान कर सकते हैं मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली। केरल में कांग्रेस की जीत के बाद सरकार के गठन की सुगबुगाहट तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस 10 मई रविवार को केरल के सीएम के नाम का ऐलान कर सकती है। विधायकों की बैठक में एक-लाइन का प्रस्ताव पारित हुआ। केरल के सीएम का फैसला कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर छोड़ दिया गया है। कांग्रेस सांसद जेबी माथेर ने गुरुवार को कहा कि केरल में चल रही कांग्रेस विधायक दल की प्रक्रिया पार्टी के आंतरिक लोकतंत्र को दर्शाती है और उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि किसी पर भी कोई फ़ैसला थोपा नहीं जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विधायक दल की बैठक और विधायकों के साथ विचार-विमर्श के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि विधायकों और सीनियर नेताओं से मिली राय पर विचार किया जाएगा, जिसके बाद पार्टी आलाकमान सीएम पद के उम्मीदवार पर अंतिम फ़ैसला लेगा।

केरल के इडुक्की में पन्नियार नदी के किनारे मेगा डिमॉलिशन शुरू

तिरुवनंतपुरम । केरल के इडुक्की में पन्नियार नदी के किनारे 88 इमारतों को गिराने की कार्रवाई शुरू हो गई है। केरल हाईकोर्ट के आदेश के बाद यह मेगा डिमॉलिशन हो रहा है। संथनपारा पुलिस थाना क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू की गई है और इलाके में तैनात लगभग 200 पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में विध्वंस अभियान चलाया जा रहा है। नदी किनारे सरकारी जमीन पर निर्मित इमारतों को हटाने को लेकर दो साल से हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही थी। पिछले महीने कोर्ट के फैसले के बाद अब यह कार्रवाई की जा रही है।

सोहराबुद्दीन शेख फर्जी मुठभेड़ मामला : सभी 22 आरोपियों की बरी होने के खिलाफ अपील खारिज

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को वर्ष 2005 के चर्चित सोहराबुद्दीन शेख कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में सभी 22 आरोपियों को बरी किए जाने के खिलाफ दायर अपीलों को खारिज कर दिया। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली खंडपीठ ने संक्षिप्त आदेश में कहा, 卐अपीलें खारिज की जाती हैं卐 अदालत का विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा। यह अपीलें अप्रैल 2019 में सोहराबुद्दीन शेख के भाइयों रुबाबुद्दीन शेख और नयाबुद्दीन शेख ने दायर की थीं। उनका आरोप था कि विशेष अदालत में चला ट्रायल 卐त्रुटिपूर्ण卐 था और फैसले में साक्ष्यों का सही मूल्यांकन नहीं किया गया। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखाड की पीठ ने मामले में अपीलकर्ताओं के वकील गौतम तिवारी, सीबीआई की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह तथा विशेष लोक अभियोजक अमित मुंडे की दलीलें सुनीं। वहीं, गुजरात के पूर्व एटीएस इंस्पेक्टर नारायणसिंह डाभी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आमिर देसाई ने पक्ष रखा। डाभी भी इस मामले में बरी किए गए आरोपियों में शामिल हैं। दरअसल ये मामला गुजरात और राजस्थान पुलिस अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किया गया था। आरोप था कि 26 नवंबर 2005 की रात अहमदाबाद में नारोल सर्किल और विशाला सर्किल के बीच सोहराबुद्दीन शेख का फर्जी एनकाउंटर किया गया। इसके बाद उनकी पत्नी कौसर बी लापता हो गईं, जिनके बारे में आरोप था कि उनकी हत्या कर शव को गुजरात के इलोल गांव में नर्मदा नदी के किनारे ठिकाने लगाया गया। वहीं, 28 दिसंबर 2006 को तुलसीराम प्रजापति के भी कथित फर्जी एनकाउंटर का मामला सामने आया था। अपीलकर्ताओं ने कहा था कि उनके भाई और भाभी की मौत से परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है तथा सीबीआई ने बरी किए जाने के फैसले को चुनौती नहीं दी। उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष अदालत का फैसला 卐तथ्यों और साक्ष्यों के विपरीत卐, 卐तर्कहीन卐 और 卐गलत धारणाओं卐 पर आधारित था, जिससे न्याय का हनन हुआ। हालांकि, आरोपियों की ओर से पेश वरिष्ठ वकीलों ने विशेष अदालत के फैसले को सही और तर्कसंगत बताते हुए अपील खारिज करने की मांग की। हाईकोर्ट ने मामले में कोई आधार न पाते हुए अपीलों को खारिज कर दिया।

इस्तीफा देने के बाद भी हाईकोर्ट में जज बने हुए हैं जस्टिस वर्मा, सूची में तीसरा नाम

अब तक राष्ट्रपति मुर्मू की ओर से वर्मा के इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है

प्रयागराज। दिल्ली हाई कोर्ट का जज रहते हुए जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर बड़े पैमाने पर कैश मिला था। वहीं कुछ कैश जला हुआ भी पाया गया था और इसे लेकर सवाल उठे तो उनका ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट कर दिया गया था। वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग की प्रक्रिया भी लाने पर विचार हुआ। इस बीच पिछले दिनों उन्होंने खुद ही जस्टिस के पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन वह अब भी जज बने हुए हैं। ऐसा शायद इसलिए है क्योंकि अब तक राष्ट्रपति की ओर से उनके इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इलाहाबाद हाईकोर्ट में जजों की तैनाती इलाहाबाद और लखनऊ में है। लखनऊ खंडपीठ में 28 जजों की तैनाती है, जबकि इलाहाबाद में 79 जज हैं। हाईकोर्ट के पोर्टल पर इलाहाबाद स्थित जजों की सूची में अब भी जस्टिस यशवंत वर्मा का नाम तीसरे स्थान पर है उनसे ऊपर जस्टिस एमसी त्रिपाठी और जस्टिस अरिंदम सिन्हा का नाम है। ऐसा शायद इसीलिए है क्योंकि अब तक जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा लंबित है और उस पर कोई फैसला नहीं हो सका है।

बता दें जस्टिस वर्मा ने 9 अप्रैल को राष्ट्रपति के नाम पत्र लिखकर इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि मैं नहीं चाहता कि आपके शुचितापूर्ण दफ्तर पर किसी तरह की ऐसी चीजें पहुंचे, जो गलत हों। मुझे बेहद दुख है कि ऐसी चीजों में मेरा नाम लिया गया। ऐसी स्थिति में मैं इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज के पद से इस्तीफा देता हूं। जस्टिस वर्मा ने अपने इस्तीफे में तत्काल प्रभाव वाली बात लिखी थी। नियम के मुताबिक उन्हें तत्काल ही जज की सूची से हट जाना चाहिए। इसके अनुसार यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति के नाम लिखता है तो वह जिस तारीख से उसके लागू होने की बात करेगा, उसी दिन से वह माना जाएगा। यदि वह तत्काल प्रभाव वाली बात लिखता है तो फिर वही लागू होगी। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की बेंच ने 15 फरवरी, 1978 को जस्टिस गोपाल चंद्र मिश्रा के केस में फैसला दिया था और बताया था कि यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजता है तो फिर उसे निश्चित तारीख से माना जाएगा। बता दें जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में पूर्व चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच में सुनवाई भी हुई थी। उन्होंने अपने फैसले में जस्टिस यशवंत वर्मा की फाइल को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के समक्ष भेजा था और कहा था कि उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

सिराज/ईएमएस 07मई26

बीजेपी विधायकों के लिए छोटा पड़ रहा कार्यालय, बैठक के लिए खोजी जा रही नई जगह!

8 मई को होने वाली बैठक में विधायक दल का नेता चुना जाना है

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के नए सीएम के नाम का ऐलान कर सकती है। इस संबंध में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह राज्य के विधायकों के साथ बैठक करने जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस बैठक के लिए नई जगह की तलाश की जा रही है, क्योंकि शायद बीजेपी मुख्यालय में पर्याप्त जगह नहीं है। हालांकि, इसे लेकर पार्टी ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों ने बताया है कि बीजेपी शुक्रवार को होने वाली बैठक के लिए नई जगह की तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि इसकी वजह है कि शायद पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में 207 विधायकों के बैठने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। हालांकि, बंगाल बीजेपी ने ऐसी किसी व्यवस्था को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि 8 मई को होने जा रही इस बैठक में अधिकारी को विधायक दल के नेता के रूप में चुना जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य की तरफ से नाम का प्रस्ताव दिए जाने के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अधिकारी के नाम की घोषणा करेंगे।

सूत्रों ने बताया कि इसके बाद अधिकारी और भट्टाचार्य मिलकर बीजेपी के संगठन महासचिव सुनील बंसल के साथ लोकभवन पहुंचेंगे। यहां वह सरकार बनाने के लिए प्रस्ताव पेश करेंगे। बंगाल में बहुमत के लिए 148 सीटों की जरूरत है और बीजेपी के पास 207 सीटें हैं। वहीं, फाल्टा सीट के नतीजे घोषित होना अभी बाकी हैं। भट्टाचार्य ने बुधवार को कहा कि नए सीएम का शपथ ग्रहण समारोह आगामी 9 मई को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होगा और इस अवसर पर पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौजूद रहेंगे।

राज्य में बीजेपी के पहले मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर अटकलें बढ़ रही हैं, लेकिन प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष ने इस पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, कई केंद्रीय मंत्रियों और बीजेपी और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि केंद्रीय आलाकमान सरकार का नेतृत्व करने के लिए बंगाल की भाषाई और सांस्कृतिक परंपराओं से गहराई से जुड़े एक भूमिपुत्र चेहरे को लाना चाहता है।

रिपोर्ट के मुताबिक शुवेंदु अधिकारी ने बुधवार को कहा था कि वह 10 दिनों के अंदर इनमें से एक सीट से इस्तीफा दे देंगे। अधिकारी ने भवानीपुर सीट पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को पराजित किया जबकि नंदीग्राम सीट पर लगातार तीसरी बार जीत हासिल की।

पाकिस्तान ने उतार दिया कर्ज...संकटग्रस्त भारतीय जहाज के चालक दल को बचाया

नई दिल्ली। हाल ही में अरब सागर में मानवता की मिसाल पेश की गई , जहाँ एक ओर पाकिस्तानी नौसेना ने संकटग्रस्त भारतीय जहाज के चालक दल को सहायता प्रदान की, वहीं कुछ महीने पहले भारतीय नौसेना ने भी इसी क्षेत्र में पाकिस्तानी नागरिकों की जान बचाई थी।

ताजा घटना में, मुंबई स्थित समुद्री बचाव एवं समन्वय केंद्र द्वारा इस्लामाबाद के अधिकारियों से सहायता का अनुरोध मिलने के बाद, पाकिस्तानी नौसेना ने तत्काल कार्रवाई की। तकनीकी खराबी के कारण संकट में फंसे भारतीय मालवाहक जहाज एमवी गौतम को बचाने पाकिस्तानी नौसेना ने पीएमएसएस कश्मीर नामक जहाज तैनात किया। इस जहाज पर सवार छह भारतीय और एक इंडोनेशियाई नागरिक सहित कुल सात सदस्यीय चालक दल ओमान से भारत की यात्रा कर रहा था। पाकिस्तानी नौसेना ने चालक दल को भोजन, चिकित्सा सहायता और आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान की, जिससे जहाज को स्थिर करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिली। एक वीडियो में पाकिस्तानी नौसेना के कर्मियों को एमवी गौतम के चालक दल की मदद करते दिखाया गया है। बचाव अभियान में पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी (पीएमएसए) ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे आपातकालीन सहायता सुचारु रूप से मिल पाई। यह घटना जहाँ दोनों देशों के बीच सहयोग की अनोखी मिसाल पेश करती है, वहीं इसी वर्ष की शुरुआत में भारतीय नौसेना ने भी महत्वपूर्ण बचाव अभियान को अंजाम दिया था, जिसमें 19 पाकिस्तानी नागरिकों की जान बचाई थी। 30 जनवरी, 2024 को भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने जानकारी दी थी कि आईएनएस सुमित्रा ने सोमालिया के पूर्वी तट पर एक समुद्री डकैती विरोधी अभियान चलाया था।

इस अभियान के तहत, युद्धपोत

बालाघाट
शुक्रवार 08 मई 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

भरवेली माइंस एरिया में मोटरसाइकिल सवार युवक पर आधा दर्जन लोगों ने किया हमला

युवक को लाठी-रॉड से मॉर्कर किये घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर समीप भरवेली थाना क्षेत्र अंतर्गत माइंस एरिया से गुजर रहे दो मोटरसाइकिल सवार युवकों को आधा दर्जन से अधिक लोगों ने रास्ते में रोक लिया और एक युवक के साथ लाठी, पत्थर व रॉड से बेरहमी से मारपीट की। बीती रात हुई इस घटना में घायल युवक सिमरान अली पिता रियाज अली 24 वर्ष ग्राम हीरापुर भरवेली निवासी बताया गया है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार 6 मई की रात्रि ग्राम टवेझरी में शादी के कार्यक्रम में सिमरान अली ने अपने दोस्त का डीजे बजाया था और रात्रि 11:45 बजे करीब वह अपने दोस्त मोहित मानेश्वर के साथ मोटरसाइकिल में अपने घर हीरापुर जा रहा था। माइंस एरिया के अंदर से जब दोनों मोटरसाइकिल से जा रहे थे। तभी आधा दर्जन से अधिक लोगों ने उन्हें रोक लिया और बोले की कहा से आ रहे हो यह कहने के साथ ही इन लोगों ने सिमरान अली को गाली देते हुए उसे लाठी पत्थर राड से मारपीट कर दिए। बीच बचाव मोहित मानेश्वर ने किया और वारदात को अंजाम देने के बाद सभी लोग वहां से फरार हो गए। मारपीट में घायल सिमरान अली को उसके दोस्त मोहित मनेश्वर ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये जिला अस्पताल पुलिस ने सिमरान अली का बयान लेकर, मामला घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दिया है। इस मामले की आगे जांच भरवेली पुलिस द्वारा की जाएगी ।

न्यायालय परिसर के पास फांसी पर लटका मिला शव

हत्या या आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस, स्टाम्प वेंडर लाइन का मामला,खानसामा नारायण भंडारी के रूप में की गई शिनाख्त

पद्मेश न्यूज।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

गुरुवार की सुबह नगर के बस स्टैंड, न्यायालय परिसर में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब न्यायालय भवन के बाजू में स्थित स्टांप वेंडर लाइन में एक अज्ञात व्यक्ति का शव फांसी के फंदे पर लटकता हुआ दिखाई दिया। जिसकी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने अज्ञात शव की फोटोग्राफी कराकर समस्त थानों को सूचित किया, वहीं स्थानीय लोगों से चर्चा कर शव की शिनाख्त करनी चाही, जिसके आधार पर मृतक की पहचान थाना हट्टा ग्राम सालेटेका निवासी 56 वर्षीय नारायण भंडारी के रूप में की गई है। बताया गया कि मृतक खानसामा का काम करता था, जिसका शव गुरुवार की सुबह, न्यायालय परिसर के पास स्टांप वेंडर बैठक कक्ष के सामने फांसी पर लटका हुआ प्राप्त हुआ है। हालांकि मृतक ने स्वयं फांसी लगाकर आत्महत्या की है या फिर उसकी हत्या कर बाद में उसे फांसी पर लटकाया गया है।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है जिसको लेकर कोतवाली पुलिस द्वारा हर एंगल से मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

वीडियो कॉल पर बेटे राकेश ने की शव की शिनाख्त

बालाघाट न्यायालय परिसर के पास स्टाम्प वेंडर बैठक कक्ष के सामने रस्सी से फांसी पर लटका खानसामा का शव मिला है। सुबह-सुबह, यहां शव दिखाई देने के बाद सनसनी मच गई। पास ही बस स्टैंड से, बस एजेंट और लोगों की भीड़ लग गई। घटना की जानकारी के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। बाद में मृतक की पहचान, हट्टा थाना क्षेत्र के सालेटेका निवासी नारायण भंडारी (56) के रूप में की गई है। वीडियो कॉल में शव देखने के बाद, बेटे राकेश कुमार भंडारी ने शव की शिनाख्त की। जिसके बाद उसके घटनास्थल पहुंचने पर पुलिस ने शव को नीचे उतारा और उसकी तलाशी ली। जिसके पेंट की जेब में मोबाईल और कुछ रुपए मिले है।

हत्या की जताई जा रही आशंका

मूलतः सालेटेका निवासी नारायण भंडारी जो की खानसामा का काम करता था, इसकी मौत किस कारण से हुई फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। जिसका शव फांसी के फंदे पर लटका पुलिस ने बरामद किया है, लेकिन जिस हालातो में यह शव मिला है उसे देखते हुए इसे कोई आत्महत्या, तो कोई इसे हत्या से जोड़कर देख रहा है।जहां संदिग्ध अवस्था में शव मिलने पर ज्यादातर लोगों द्वारा हत्या की आशंका जताई जा रही है।क्यो की जिस हालत में नारायण भंडारी का शव मिला है, उसके दोनो घुटने मुड़े है और हाथ छोटी वाल पर रखा है। आशंका जताई जा रही है कि किसी ने उसकी हत्या कर बाद में उसे आत्महत्या दर्शाने के लिए फांसी पर लटकाया होगा ऐसी चर्चाएं परिसर में तेजी से चल रही है।बहरहाल पुलिस ने बताया कि मामले की जांच और पीएम रिपोर्ट से ही उसकी मौत की पुष्टि हो पाएगी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर शव की शिनाख्त होने पर परिजनों की मौजूदगी में कोतवाली पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर शव को बरामद किया जिसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया।जहां परिजनों के बयान दर्ज कर अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है वहीं परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इसके लिए पुलिस द्वारा न्यायालय परिसर व स्टांप वेंडर परिसर में जगह-जगह लगे सीसीटीवी कैमरो की तलाशी की जा रही है।

मेरे पिता को कोई परेशानी नही थी- राकेश

इस पूरे मामले को लेकर मृतक के पुत्र राकेश भंडारी ने पुलिस को बताया कि उनके पिता नारायण भंडारी खाना बनाने का काम करते थे,और इसी काम से वे मंगलवार को, बालाघाट आए थे। जिनसे आखिरी बार बुधवार की दोपहर बात हुई थी। जिसके बाद आज सुबह, उसे फोन पर पिता के यहां फांसी लगाकर आत्महत्या करने की जानकारी मिली है। बेटे राकेश के अनुसार पिता को कोई परेशानी नहीं थी। फिर, उन्होंने यह कदम क्यों उठाया, यह समझ नहीं आ रहा है।

40 साल वर्दी को दिए, मगर विदाई में नहीं मिला सम्मान

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की आंखों में छोड़ गई मायूसी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिंदगी के 35 से 40 साल कानून व्यवस्था और जनता की सुरक्षा में गुजार देने वाले पुलिस अधिकारी जब सेवा निवृत्त हुए, तो उन्हें उम्मीद थी कि जिस वर्दी को उन्होंने पूरी ईमानदारी और समर्पण से पहने थे। उससे विदा भी सम्मान और गरिमा के साथ मिलेगी। लेकिन इस बार जिला पुलिस बल से सेवानिवृत्त हुए कई अधिकारियों को वह सम्मानजनक विदाई नहीं मिल सकी। जिसकी परंपरा वर्षों से चली आ रही थी। नतीजा यह रहा कि दशकों तक सेवा देने वाले इन पुलिसकर्मियों के हिस्से में सम्मान की जगह मायूसी आ गई।पूर्व में जिला पुलिस बल में यह परंपरा रही है कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी और कर्मचारियों को न केवल उनके थानों से विदाई दी जाती थी।बल्कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी सम्मान समारोह आयोजित कर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उन्हें सम्मानपूर्वक विदा किया जाता था। इतना ही नहीं पुलिस वाहन से उन्हें उनके घर तक छोड़ने की परंपरा भी रही है। जो उनके लंबे सेवाकाल के प्रति सम्मान का प्रतीक माना जाता था।लेकिन अब लगता है कि यह परंपरा धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है। हाल ही में 30 मार्च को निरीक्षक श्री गोठरिया, उप निरीक्षक साबिर खान, उप निरीक्षक रमेश ईंगले, सहायक उप निरीक्षक चैनसिंह धुर्वे, सहायक उप निरीक्षक नंदकिशोर दोनाड़े और सहायक उप निरीक्षक मिल्कीराम सोनेकर सेवा निवृत्त हुए। वहीं 30 अप्रैल को सहायक उप निरीक्षक भूपाल सिंह परिहार और सहायक उप निरीक्षक दयावती दहाटे ने भी अपने लंबे पुलिस जीवन को अलविदा कहा।इन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने जिला पुलिस बल में अपने जीवन के महत्वपूर्ण 35 से 40 वर्ष समर्पित किए। दिन रात ड्यूटी, त्योहारों में परिवार से दूरी, कठिन परिस्थितियों में कानून व्यवस्था संभालना और जनता की सुरक्षा के लिए हर वक्त तैयार रहना,यही उनकी जिंदगी का हिस्सा रहा। ऐसे में उन्हें उम्मीद थी कि सेवा निवृत्ति के दिन पुलिस विभाग उन्हें उसी सम्मान और आत्मीयता के साथ विदाई दी जायेगी जैसा वर्षों से होता आया है।लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से किसी बड़े अधिकारी द्वारा सम्मानजनक विदाई नहीं मिलने से सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के चेहरों पर मायूसी साफ दिखाई दी। जिन कंधों पर वर्षों तक वर्दी का भार और जिम्मेदारी रही वे कंधे इस बार सम्मान के कुछ शब्द सुनने को तरस गए।यह केवल एक औपचारिक विदाई का मामला नहीं बल्कि उन भावनाओं का सवाल है जो एक कर्मचारी अपने पूरे सेवाकाल के बाद विभाग से जुड़ी उम्मीदों के रूप में संजोकर रखता है। सम्मान की छोटी सी परंपरा टूटने से कई दिलों में यह कसक जरूर रह गई कि शायद अब सेवा से ज्यादा संवेदनाएं पीछे छूटती जा रही हैं।

कन्हार नाला में डूबने से एक वृद्धा की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा थाना क्षेत्र में आने कन्हार नाला में डूबने से एक वृद्धा की मौत हो गई मृतिका सुकती पति स्व. बलिराम मरावी 70 वर्ष ग्राम डंडईझोला थाना परसवाड़ा निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुकती बाई घरेलू काम करती थी इसके परिवार में दो बेटे और बहू है। 6 मई को सुबह सूकती बाई के दोनों बेटे जंगल चले गए थे। वह घर में परिजनों के साथ में थी तभी 3:00 बजे करीब सूकती बाई नहाने के लिए कन्हार नाला गई थी। किंतु शाम को वह घर नहीं लौटी जब उसके दोनों बेटे घर आए तब उन्होंने अपनी मां सूकती बाई की तलाश किये । किंतु वहां नहीं मिली। 7 मई को भी परिजनों ने उसकी खोजबीन कर रहे थे तभी कन्हार नाला में उसकी लाश देखी गई। सूचना मिलती ही सहायक निरीक्षक रतन कुंजाम अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और मृतिका सूकती का शव बरामद किए और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए संभावना व्यक्त किया है कि नाले में नहाते समय सुकती बाई के पैर फिसलने से नाले के गहरे पानी में जाने से डूब गई। जिससे उसकी मौत हो गई। परसवाड़ा पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

ट्रेन की चपेट में आया बुजुर्ग,गम्भीर रूप से हुआ घायल

हादसे में बुजुर्ग के कटे दोनो पाँव, नागपुर रिफर, बालाघाट से गोंदिया की ओर जाने वाली ट्रेन से हुआ हादसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना नवेगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम नवेगांव - गोंगलई रेलवे मार्ग में बीती रात उस वक्त हड़कंप मच जब एक बुजुर्ग बालाघाट से गोंदिया की ओर जा रही एक ट्रेन की चपेट में आ गया। जहां ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग के दोनों पैर कट गए, तो वही उसके शरीर पर जगह-जगह चोट आई है।जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए बुजुर्ग का नाम नगर के वार्ड नंबर 33 आवास टोली गायखुरी निवासी 65 वर्षीय बिसनलाल केकटे बताया गया है जिसका जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर देर रात बेहतर उपचार के लिए गोंदिया तो वही गोंदिया से उसे नागपुर रिफर किया गया है। जहा गम्भीर अवस्था मे उसका उपचार जारी है।

शादी में जाने के लिए घर से निकला था बुजुर्ग

प्राप्त जानकारी के अनुसार गायखुरी वार्ड न 33 निवासी बिसनलाल, छोटी सी किराना व सीमेंट दुकान चलता है।बताया गया कि बुधवार की शाम करीब 7 बजे बिसनलाल कही शादी में जा रहा हु बोलकर घर से निकला था,बीती रात करीब 9:30 से 10 बजे के बीच नवेगांव - गोंगलई रेलवे ट्रेक पार करते समय वह बालाघाट से गोंदिया की ओर जा रही ट्रेन की चपेट में आ गया।जिससे उसके दोनो पांव कट गए।हादसे के बाद मचे हंगामे के बीच सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची नवेगांव पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया।जहां के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर, उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे तत्काल गोंदिया रिफर कर दिया।जहां के चिकित्सकों ने भी उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल नागपुर रिफर कर दिया है। जहां बुजुर्ग का नागपुर के अस्पताल में गंभीर अवस्था में उपचार जारी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन,
स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान,
शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि
सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट